आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
05 जून 2025
वर्ष: 38, अंक: 180
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले में चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार को लिखा पत्र, कठोर कार्रवाई की मांग

झारखंड

मादक पदार्थों पर रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

हजारीबाग

सांसद मनीष जयसवाल पहुंचे कटकमसांडी, रोमी सिद्धीदात्री देवी मंडप में आयोजित यज्ञ में हुए शरीक

बेंगलुरु स्टेडियम में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत

ब्यूरो

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है और 33 लोग घायल हो गए हैं.टक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को ये जानकारी दी.एक लाख से भी ज़्यादा फ़ैंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम के बाहर जमा हुए थे. आरसीबी टीम का स्वागत करने और 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी की जीत का जश्न मनाने के लिए युवा, महिलाएं, पुरुष यहां तक की बुजुर्ग भी सड़कों के किनारे खड़े थे.

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, चिन्नास्वामी स्टेडियम के गेट पर भगदड़ मच गई. जब यह हादसा हुआ, उस समय स्टेडियम का गेट नहीं खुला था और बड़ी संख्या में लोग एक छोटे से गेट को धक्का देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे थे कि इसी दौरान भगदड़ मच गई.÷

नाम न बताने की शर्त पर एक अन्य पुलिस अधिकारी ने भी बताया, ÷करीब एक लाख लोगों के आने की उम्मीद थी लेकिन संख्या दो लाख के आसपास पहुंच गई. स्टेडियम के आसपास भी काफी लोग जमा हो गए गए थे.

पीएमओ ने एक्स पोस्ट में लिखा है, बेंगलुरु की दुर्घटना बहुत ही दुखद है. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. मैं ये कामना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं, वो जल्द स्वस्थ हो जाए.

आरसीबी टीम विशेष विमान से पुराने एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंची, यहां उसका स्वागत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया और उन्हें एक जुलूस के रूप में होटल ले जाया गया.

स्वागत समारोह से पहले राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य मंत्रियों ने टीम का अभिनंदन किया. इसके बाद टीम को फिर से जुलूस के रूप में स्टेडियम जाना था.इसी दौरान बारिश शुरू हो गई और फिर इसी समय भगदड़ भी मच गई. इसके कारण टीम फिर से होटल लौट आई. शहर के अलग अलग हिस्सों से आरसीबी नंबर 18 जर्सी पहने हुए लोग अपने वाहनों पर सवार होकर स्टेडियम की तरफ बढ़ रहे थे. मेट्रो ट्रेनें इतनी भरी थीं कि कई लोग मेट्रो में सवार ही नहीं हो पाए. इस दौरान लोग आरसीबी...आरसीबी... का नारा लगा रहे थे.

ऑटोरिक्शा और टैक्सियों ने स्टेडियम के पास जाने से मना कर दिया और जो गए उन्होंने भी यात्रियों से ज़्यादा पैसे लेकर यात्रियों को स्टेडियम से तीन किलोमीटर पर पहले ही उतार दिया.

भगदड़ में मौत की ख़बर फैलते ही लोग मेट्रो स्टेशन की ओर भागने लगे. हालात यह हो गए कि मेट्रो अधिकारियों को स्टेडियम के आसपास का स्टेशन बंद करना पड़ा.

इस हादसे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर पोस्ट कर संवेदनाएं ज़ाहिर की हैं.सीएम सिद्धारमैया ने लिखा, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की जान जाने और कई के गंभीर रूप से घायल होने की ख़बर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा है.÷उन्होंने लिखा, ÷इस त्रासदी के दर्द ने जीत की ख़ुशी को भी ख़त्म कर दिया है. मृतकों की आत्मा को शांति मिले. मैं घायलों और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं.

सीएम सिद्धारमैया ने बताया कि ऐसी भगदड़ और भीड़ के बेकाबू होने की आशंका के चलते ही टीम को विक्ट्री परेड में मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई थी. उनके मुताबिक़ स्टेडियम के पास लोगों की भीड़ के कारण मची भगदड़ की वजह से यह दुर्घटना हुई.

सीएम ने लिखा, ÷ मैं जनता से अपील करता हूं कि वे समझें कि उनका जीवन अनमोल है और वो अपनी सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दें.

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷लोग आरसीबी की आईपीएल में जीत के जश्न का गवाह बनने आए थे. लेकिन इस त्रासदी से हमें बेहद दुख पहुंचा है और धक्का लगा है. जिनकी मौत हुई है उनके परिवारों को मेरी संवेदना. जीत पर हमें गर्व है लेकिन ये किसी की ज़िंदगी से बड़ा नहीं हो सकता. मैं सभी से अपील करता हूं कि वो सुरक्षा का ध्यान रखें.

उन्होंने कहा कि वो अभी अस्पताल नहीं जा रहे हैं ताकि डॉक्टर बिना किसी बाधा के घायलों का इलाज कर सकें.तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बेक़ाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस लाठी चार्ज कर रही है.

बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना को लेकर बीजेपी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया है.कर्नाटक बीजेपी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ÷7 लोगों की मौत. कांग्रेस सरकार की गैर-ज़िम्मेदारी के कारण मची भगदड़ में कई लोग ज़िंदगी और मौत से जूझ रहे हैं. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय नहीं. कोई बुनियादी व्यवस्था नहीं. सिर्फ अराजकता.

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर हमला बोलते हुए कर्नाटक बीजेपी ने लिखा, जब निर्दोष लोग मर रहे थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार क्रिकेटरों के साथ रील शूट करने और लाइमलाइट बटोरने में व्यस्त थे. शर्म आनी चाहिए इस फोटो-ऑप कांग्रेस सरकार पर. यह आपराधिक लापरवाही है. कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी नारायणस्वामी ने कहा, यह त्रासदी सरकार की वजह से हुई. उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी. यह सुरक्षा में चूक है.

कल्पना सोरेन ने विराट-अनुष्का का इमोशनल मोमेंट किया शेयर

संवाददाता द्वारा

रांची: आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) की ऐतिहासिक जीत के बाद विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के भावुक लम्हे ने करोड़ों दिलों को छू लिया. इस मोमेंट को झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भी सोशल मीडिया पर साझा कर भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने एक पत्नी के नजरिए से उस क्षण की गहराई को बयां किया. कल्पना ने अपने पोस्ट में विराट और अनुष्का की इमोशनल मोमेंट की तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें विराट कोहली की आंखें नम है, जबकि अनुष्का शर्मा पवेलियन में मुस्कुरा रही हैं.

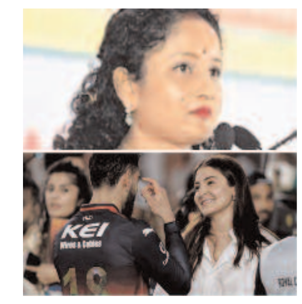

हर पत्नी समझ सकती है ये भावुक पल : कल्पना सोरेन ने लिखा कि यह दृश्य हर उस स्त्री को छू जाएगा, जिसने अपने पति को संघर्ष करते, टूटते और फिर उठकर लक्ष्य की ओर बढ़ते देखा है. उन्होंने कहा कि बीते एक साल में उन्होंने भी इसी तरह के दर्द और उम्मीदों को बहुत करीब से महसूस किया है.

गांडेय विधायक ने विराट कोहली और RCB टीम के 18 साल के लंबे संघर्ष की सराहना की और लिखा कि इस सफर में उन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ी, लेकिन जिस जज्बे और समर्पण के साथ वे मैदान में टिके रहे, आज उसी का नतीजा है ये ऐतिहासिक जीत.

आरसीबी और पंजाब की टीम को बधाई : कल्पना सोरेन ने आरसीबी की टीम को जीत की बधाई दी. साथ ही पंजाब की टीम की तारीफ भी की, पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया. उन्होंने लिखा कि आरसीबी की जीत न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी दी बधाई : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी आरसीबी को जीत की बधाई दी और कहा कि यह जीत उनके लिए एक बड़ी प्रेरणा है. उन्होंने कहा कि विराट कोहली और उनकी टीम का संघर्ष और समर्पण हमें सिखाता है कि कैसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है.

रांची में तेज आंधी और बारिश, कई जगहों पर गिरे पेड़, कार क्षतिग्रस्त

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: बुधवार की दोपहर राजधानी में अचानक मौसम ने करवट ली, जिसके बाद जमकर बारिश हुई. बारिश के बीच तेज हवाओं के चलने से कई स्थानों पर पेड़ गिर गए. पेड़ गिरने की वजह से रांची में कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए.

बाइपास रोड में गिरा पेड़, रास्ता हुआ बंद : बुधवार की दोपहर रांची में हुए तेज बारिश के बीच हरमू बाइपास के पास एक बड़ा पेड़ जमीन पर आ गिरा. पेड़ गिरने की वजह से सड़क के किनारे खड़े कई वाहन उसकी चपेट में आ गए. पेड़ की चपेट में आने से एक कार सहित कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गए.

वहीं बीच सड़क पर पेड़ गिरने की वजह से काफी देर तक हरमू बाइपास रोड पर एक तरफ वाहनों का आना-जाना बंद रहा. जिसके बाद नगर निगम की मदद से स्थानीय लोगों ने पेड़ की डाली को काटकर उसे रास्ते से हटाया. तब जाकर सड़क पर आवागमन शुरू हो सका.

कार और बाइक क्षतिग्रस्त : हरमू बाइपास के पास में पेड़ गिरने की वजह से एक कार और तीन से चार बाइक क्षतिग्रस्त हो गए. स्थनीय लोगो ने मिलकर पेड़ की डालियों को काट काट कर अलग किया, जिसके बाद दबी हुई कार और बाइक को बाहर निकाला जा सका.

बता दें कि अभी तक झारखंड में मानसून की एंट्री नहीं हुई है. फिलहाल प्री मानसून बारिश हो रही है. राज्य में मानसून की एंट्री 10 जून से होने के आसार हैं. फिलहार गुरुवार से राज्य में तापमान बढ़ने की संभावना है. फिलहाल लोगों को मानसून की बारिश के लिए एक सप्ताह का इंतजार करना होगा.

झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई. बैठक में कुल 12 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: अब जेल में कार्यरत चिकित्सकों की सेवा स्वास्थ्य विभाग के अधीन होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में कारा चिकित्सकों की सेवा स्वास्थ्य विभाग में हस्तांतरित करने सहित 12 प्रस्तावों पर मुहर लगी है.कैबिनेट में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए प्रभारी कैबिनेट सचिव प्रशांत कुमार ने कहा कि अब राज्य के सीएससी में पूर्व की तरह आधार निबंधन का कार्य होगा. इसके अलावे मंत्रि परिषद ने झारखंड नगर पालिका संवेदक निबंधन नियमावली में संशोधन करते हुए संवेदक को झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है.

इसके अलावा पाकुड़- बरहरवा मुख्य पथ से पाली गगन पहाड़ी-पश्चिम बंगाल बॉर्डर भाया कुसमा फाटक तक के सड़क निर्माण के लिए 40 करोड़ 39 लाख 98 हजार तीन सौ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है.

कैबिनेट की बैठक में झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड के पदेन अध्यक्ष के रूप में खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव को बनाने एवं पदेन प्रबंध निदेशक के रूप में निदेशक खान को नामित करने की स्वीकृति प्रदान की गई. अब तक जेएसएमडीसी अध्यक्ष का पद मनोनयन के आधार पर भरा जाता था.

मंत्री परिषद ने गढ़वा नगर परिषद के अंतर्गत शहरी जलापूर्ति योजना के लिए 59 करोड़ 71 लाख 63 हजार 300 की तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी है. इसके अलावा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत स्वीकृत पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति प्रदान की गई. कैबिनेट ने डी झारखंड प्लेटफार्म बेस्ड गीग वर्क्स विधेयक 2025 के ड्राफ्ट की स्वीकृति प्रदान की है. इसे आने वाले विधानसभा सत्र में लाया जाएगा.

कोटा और बोकारो में नवनिर्मित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी के पद सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई है. मंत्रिपरिषद ने राजकीय कन्या मध्य विद्यालयों की सहायक शिक्षिकाओं की नियुक्ति की वैधता के संबंध में सीबीआई के जांच प्रतिवेदन में अवैध और नियमित नियुक्ति घोषित शिक्षिकाओं के विरुद्ध की गई विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध दिए गए न्यायालय आदेश के आलोक में उन्हें सेवा में पुनर्स्थापित मानते हुए सभी लाभ एवं पेंशन की स्वीकृति प्रदान की है.

रांची सहित कई जिलों में बंद का असर, हाथ में सरना झंडा लेकर उतरे आदिवासी संगठन

संवाददाता द्वारा

झारखंड में सिरमटोली रैंप विवाद को लेकर आज आदिवासी संगठनों ने बंद का ऐलान किया है. इसका राजधानी रांची, लातेहार और गुमला सहित कई जिलों में मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है. आदिवासी संगठन के लोग हाथ में सरना झंडा और पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे हैं. बुधवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंद का आह्वान किया गया है. केवल आवश्यक सेवाओं को बंद से छूट दी गयी है.

इसे सफल बनाने के लिए बंद समर्थकों ने रांची के कई इलाकों में सड़क जाम कर दिया है. इस वजह से सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है. दुकानें और संस्थान भी बंद हैं. हालांकि, बंद के दौरान किसी भी तरह के उपद्रव या हिंसा से निपटने के लिए पुलिस अलर्ट मोड पर है. बंद समर्थकों ने सड़क पर बांस लगाकर रास्ता बंद कर दिया है. इससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है. इस दौरान कई लोग हाथों में सरना धर्म कोड लागू करो, आदिवासी जमीन की लूट और सादा पट्टा पर रोक लगाने की मांग सहित कई अन्य मांगों के पोस्टर लिए भी दिख रहे हैं.

रांची के चान्हो और खेलगांव में भी बंद का असर दिख रहा है. चान्हो में बंद समर्थक सड़क पर चादर बिछाकर बैठ गये हैं और सड़क जाम कर दिया है. इससे सड़क पर जाम लग गया है, दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी है. जबकि खेलगांव में आदिवासी संगठन के लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सड़क पर खड़े हो गये हैं. सड़क बंद होने के कारण लोगों को दूसरे रास्तों से आवागमन करना पड़ रहा है. ऐसे में लोग गूगल मैप का सहारा लेते दिख रहे हैं.

सिमडेगा में बंद का असर नहीं : हालांकि, सिमडेगा जिले में बंद का असर नहीं है. आधे घंटे के लिए बंद समर्थकों ने रोड जाम किया. लेकिन दुकानें खुली हैं और सड़कों पर आवागमन भी जारी है.

लोहरदगा में बंद का मिला-जुला असर : आदिवासी संगठनों द्वारा आहूत झारखंड बंद का लोहरदगा जिला में मिला-जुला असर देखा गया. बंद समर्थकों ने सड़कों पर उतरकर आवागमन को बाधित करने का प्रयास किया . इससे लंबी दूरी की बसें एवं बॉक्साइट ढोने वाले ट्रकों का परिचालन कम हुआ. यात्री बसों के कम चलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा. यात्री ट्रेन सामान्य रूप से चली. कई चौक-चौराहों पर बंद समर्थकों द्वारा बंद कराने का प्रयास किया गया.

परेशान है झारखंड की मंईयां! आखिर किसे भेजा गया 9 वीं किस्त

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभुक परेशान है. विभाग ने सभी को 9 वीं किस्त भेजने की बात कही है. लेकिन अभी भी लाखों में ऐसी लाभुक है जिन्हे योजना की किस्त नहीं मिली है. हर दिन बैंक का चक्कर काटते हुए दिख रही है. ऐसे में कई लाभुक ने तो उम्मीद ही छोड़ दिया है कि अब उन्हे पैसा मिलेगा. यह हाल किसी एक जिला का नहीं है. रांची से लेकर पलामू और संथाल परगना से लेकर कोयलंचल तक ऐसी ही तस्वीर दिख रही है.

दरअसल 9 वीं किस्त जारी करने को लेकर सभी के फोन पर मैसेज दिया गया. मैसेज के मुताबिक पैसा भी खाते में पहुंच गया. लेकिन हर जगह पर ऐसी भी लाभुक है जिन्हे अब तक पैसा नहीं मिला है. जबकि सभी दस्तावेज सही है. उन्हे सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है. आधार कार्ड बैंक खाता से लिंक है. साथ ही राशन कार्ड का भी सत्यापन हो चुका है. बावजूद इन सब के अब तक पैसा नहीं मिला है.

जमशेदपुर की रहने वाले चैताली ने बताया कि मंईयां योजना की किस्त का इंताजर कर ही है. हर दिन खबर सामने आती है और बताया जाता है कि पैसा चला गया. लेकिन जब बैंक पहुंचते है तो खाते में पैसा नहीं आया है. ऐसे में एक बड़ी परेशानी भी उनके साथ है. घर से बैंक की दूर अधिक है जिस वजह से हर दिन किराया लग रहा है.

वहीं पलामू के हैदरनगर में भी बड़ी संख्या में लाभुक है. जिन्हे अब तक योजना की किस्त नहीं मिली है. 9 वीं किस्त का इनताजर लंबा होता जा रहा है. आखिर पैसा कब आएगा यह अब तक साफ नहीं हो पाया है. किसी कार्यालय में जाते है तो वहां से भी वापस भेज दिया जाता है. कहा जाता है कि धीरे धीरे पैसा आएगा. लेकिन कब आएगा यह सवाल का जवाब कही नहीं है.

अगर देखे विभाग की ओर से अब तक इस योजना का साफ आखड़ा भी जारी नहीं किया गया है. कितने लाभुक को योजना का पैसा जा रहा है. और एक साफ डेड लाइन नहीं तय की जा रही है कि आखिर हर माह समय पर पैसा कैसे पहुंचेगा. इसकी तय सीमा क्या होगी.

झारखंड की प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती का निधन, सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड की प्रख्यात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती का बुधवार को निधन हो गया. पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (PMCH) से डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाली डॉ शोभा चक्रवर्ती की गिनती राज्य के बड़े और ख्याति प्राप्त चिकित्सकों में होती थी.डॉ शोभा चक्रवर्ती की पुत्री डॉ निबेदिता चक्रवर्ती ने 04 जून की दोपहर अपनी मां का निधन हो जाने की जानकारी देते हुए बताया कि दिवगंत डॉ. शोभा चक्रवर्ती का अंतिम संस्कार 5 जून को हरमू स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए लिखा है कि झारखंड की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का दुखद समाचार मिला. डॉ शोभा जी ने अपना पूरा जीवन महिला स्वास्थ्य की सेवा में समर्पित किया. उनका चले जाना चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है.

चिकित्सक समुदाय में शोक की लहर : प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो जाने की खबर से राज्य के चिकित्सक समुदाय में शोक की लहर है. झासा के अध्यक्ष और झारखंड राज्य चिकित्सा पर्षद के रजिस्ट्रार डॉ बिमलेश सिंह ने डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन को राज्य के मेडिकल फेटर्निटी ने लिए अपूरणीय क्षति बताया है. उन्होंने कहा कि डॉ शोभा चक्रवर्ती सिर्फ एक बेहतरीन डॉक्टर ही नहीं थीं बल्कि वह समाज को बेहतर बनाने की सोच भी रखती थीं.

डॉ बिमलेश सिंह ने बताया कि पीएमसीएच, पटना से MBBS, MS की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने सीनियर रेसिडेंट के रूप में आरएमसीएच (वर्तमान RIMS) जॉइन किया था. फिर यहां वह अस्सिटेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और गायनी विभाग की हेड ऑफ डिपार्टमेंट भी रहीं.डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि 85 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली. वे पिछले लंबे समय से बीमार थीं. जब भी वह थोड़ा ठीक महसूस करती वह अपना समय मरीजों को देने की कोशिश करतीं.

महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर अक्सर चिंतित रहती थीं डॉ शोभा चक्रवर्तीडॉ. शोभा चक्रवर्ती रांची और झारखंड की एक प्रख्यात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ थीं, जिनका चिकित्सा क्षेत्र में योगदान अत्यंत सराहनीय रहा. डॉ. शोभा चक्रवर्ती रांची ऑब्स एंड गाइनी सोसाइटी (Ranchi Obstetrics and Gynaecological Society - ROGS) की वरिष्ठ सदस्य थीं. वो विभिन्न शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी निभाती थीं. 2018 में आयोजित 17वें वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने प्रसव के दौरान सिजेरियन ऑपरेशन से बचने के लिए फोर्सेप्स एवं वैक्यूम डिलीवरी जैसे विकल्पों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की.

महिलाओं में बढ़ती पीसीओएस (Polycystic Ovary Syndrome) की समस्या को लेकर भी जागरूकता फैलाने के लिए वह अक्सर तत्पर रहती थीं. उनका मानना था कि महिलाओं में PCOS की समस्या मुख्यतः जीवनशैली में बदलाव, मोटापा और मासिक धर्म की अनियमितता के कारण उत्पन्न होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में यह कम देखने को मिलती है.

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ मनीषा चौधरी, दिवंगत डॉ शोभा चक्रवर्ती के विराट व्यक्तित्व को याद करते हुए कहती हैं कि 2018 में मैडम बीमार पड़ी, एंजियोप्लास्टी जैसी जटिल हृदय प्रक्रिया के बाद स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया और पुनः अपनी चिकित्सकीय सेवाओं में सक्रिय हो गई. उनकी यह प्रतिबद्धता उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व बनाती है.डॉ शोभा चक्रवर्ती को झारखंड के चिकित्सकों खासकर महिला चिकित्सकों की शान बताते हुए डॉ मनीषा चौधरी कहती हैं कि उनकी कमी को भर पाना आसान नहीं है. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें.

भारत ने पाकिस्तान के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान, ऑपरेशन सिंदूर पर डोजियर में कबूलनामा

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया था। इसी बीच पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। पाकिस्तान के ऑपरेशन 'बुनयान उन मार्सोस' पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था। पाकिस्तानी डोजियर के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी। यह डोजियर 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता के लिए शिक्षा मंत्रालय की पहल

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एमवाईजीओवी प्लेटफॉर्म पर जागरूकता प्रश्नोत्तरी शुरू की है। इसका उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके विकल्पों के महत्व के बारे में बताना है। शिक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि इस प्रश्नोत्तरी को 12 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, ओड़िया और पंजाबी शामिल हैं। प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वालों को 10 प्रश्नों के लिए 300 सेकेंड का समय दिया गया है। यह प्रश्नोत्तरी 22 जुलाई तक चलेगी। उल्लेखनीय है कि 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।

यह प्रश्नोत्तरी मुफ्त है और सभी के लिए सुलभ है। सभी प्रतिभागियों को एमवाईजीओवी की ओर से डिजिटल प्रमाणपत्र मिलेगा, जो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त भारत के निर्माण में उनके योगदान को मान्यता देगा। प्रश्नोत्तरी में भागीदारी आसान है और सभी के लिए खुली है।

दिल्ली में फुटपाथ पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। दिल्ली में फुटपाथ और सड़कों पर कबूतरों को दाना डालने की प्रथा को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार और विभिन्न एजेंसियों को नोटिस भेजा है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार के साथ पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक आवेदन के बाद जारी किया गया, जिसमें कबूतरों के सूखे मल के धूल के साथ मिलने से होने वाले नुकसान की समस्या उठाई गई थी। आवेदन करने वाले कानून के छात्र अरमान पल्लीवाल ने दावा किया कि कबूतरों का मल गंभीर फेफड़ों की बीमारियां जैसे हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस का कारण बनता है, जिससे फेफड़ों में जख्म और सांस लेने में कठिनाई होती है। आवेदन में कहा गया कि कबूतरों को खिलाने और उनकी संख्या बढ़ने के कारण, वे फुटपाथ और यातायात वाले स्थानों पर मल त्यागते हैं, और जब इन भोजन वाले क्षेत्रों को साफ किया जाता है, तो सूखे मल के विषैले कण धूल के साथ मिल जाते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गत 29 मई को पारित अपने आदेश में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि एनजीटी के समक्ष दायर आवेदन में पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया है।

देश हित कांग्रेस के लिए मायने नहीं रखता : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सलमान खुर्शीद और शशि थरूर पर कांग्रेस के हमलावर होने पर सवालिया लहजे में कहा कि विदेश की धरती पर देश हित की बात करना गुनाह हो गया है क्या कांग्रेस पार्टी के लोग हर चीज में अपनी राजनीति को देखते हैं, देश हित उनके लिए मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत शर्म की बात है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं को कोसने में लगी है और यह वह नेता हैं, जो विदेश की धरती पर भारत की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से जुड़े मसले पर विभिन्न दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल विदेश में है, निश्चित रूप से वह भारत की बात करेंगे, भारत का पक्ष रखेंगे और कहीं ना कहीं पाकिस्तान ने क्यों आतंकवाद को अपने यहां पनाह दे रखा है, उसे बात को स्पष्ट कहेंगे और ऐसा उनसे अपेक्षा भी की जाती है।

सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को दी गई थी जानकारी : सीडीएस

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि किसी भी मिलिट्री ऑपरेशन में नुकसान होना महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि सफलता लक्ष्य पाने से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी मापदंडों के आधार पर विशेष डेटा निकाल कर इस संघर्ष में हुए नुकसान की जानकारी साझा की जाएगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज पुणे में सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी के रक्षा एवं रणनीतिक विभाग की ओर से 'फ्यूचर वार एंड वारफेयर' विषय पर संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। पिछले दिनों सिंगापुर में दिए गए बयान की चर्चा अभी खत्म भी नहीं हुई थी कि उन्होंने आज कहा कि हमने 7 मई को सर्जिकल स्ट्राइक

शुरू करने के दिन ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। इसके बाद जब पाकिस्तान की तरफ से बयानबाजी हुई, तो हमने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान हम पर हमला करता है, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करता है, तो हम जवाबी हमला करेंगे, उन पर और भी जोरदार हमला करेंगे। सिंगापुर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर सीडीएस ने कहा कि जब मुझसे हमारी तरफ से हुए नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं है। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है। नुकसान के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। मान लीजिए आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप किसी तरह से जीत जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं, इसका सवाल नहीं रह जाता है। तकनीकी मापदंडों के आधार पर हम यह विशेष डेटा निकालेंगे और आपके साथ साझा करेंगे। हम आपको बताएंगे कि हमने कितने विमान नष्ट किए और कितने रडार नष्ट किए। हम इसका एक मोटा आकलन करेंगे और जल्द ही इसके बारे में बताएंगे। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि 10 मई को रात करीब 1 बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य भारत को 48 घंटे में घुटने टेकने पर मजबूर करना था।

13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह बुधवार को विज्ञान भवन में 13वीं पेंशन अदालत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे काफी समय से लंबित 415 पारिवारिक पेंशन शिकायतों का निवारण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान 19 विभागों तथा मंत्रालयों के पारिवारिक पेंशन मामलों से सम्बंधित 415 शिकायतों को निवारण के लिए अदालत में सुनवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य पुरानी और लंबे समय से लंबित शिकायतों का समाधान करना है। इससे पेंशनभोगियों को पारिवारिक पेंशन शुरू होने में देरी के कारण भारी बकाया के रूप में हो या प्रक्रियागत देरी के कारण पेंशन का सही तरीके से प्रसंस्करण और वितरण न किये जाने की स्थिति में उनके उचित हक का भुगतान करने में सुविधा होगी।

अब समय से पता चल जाएगा मतदान प्रतिशत

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदान रुझानों की समय से जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रक्रिया को तकनीकी और त्वरित बनाने का निर्णय लिया है। इससे पुराने मैनुअल तरीके की तुलना में देरी कम होगी और मतदान प्रतिशत से जुड़ी जानकारी समय पर मिल सकेगी। इससे पहले मतदान प्रतिशत का आंकड़ा क्षेत्रीय अधिकारी फोन, संदेश या एसएमएस से भेजता था। जानकारी देर रात या अगले दिन तक अपडेट होती रहती थी। इससे असल आंकड़े जारी होने में 4 से 5 घंटे की देरी होती थी और कई बार इससे गलत धारणाएं बनती थीं। आयोग का कहना है कि नई प्रक्रिया से यह समस्या समाप्त होगी। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 49एस के अंतर्गत, प्रत्येक मतदान केंद्र के 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' को मतदान समाप्ति के बाद 'फॉर्म 17सी' मतदान एजेंटों को देना आवश्यक है। यह कानूनी प्रावधान यथावत रहेगा। इसके साथ ही 'वोटर टर्नाआउट'(वीटीआर) ऐप को अब एक नया रूप दिया जा रहा

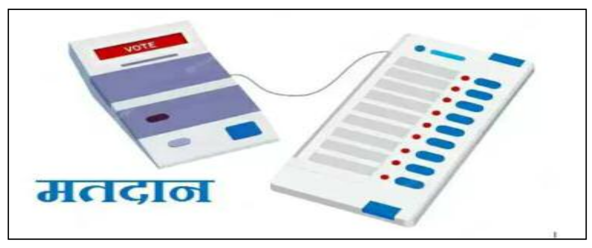

है। इसका उद्देश्य आंकड़ों को तेजी से अपडेट करना है। नया 'वीटीआर ऐप' अब 'ईसीआईनेट' का हिस्सा बनेगा और बिहार चुनाव से पहले पूरी तरह लागू किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लगातार समय से जानकारी हितधारकों तक पहुंचाने पर जोर देते रहे हैं। अब नए सिस्टम में हर 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' मतदान के दिन हर दो घंटे में सीधे 'ईसीआईनेट' ऐप पर मतदान प्रतिशत दर्ज करेगा। यह आंकड़े स्वतः निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर एकत्र होंगे। मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में पहले की तरह प्रकाशित होते रहेंगे। वहीं, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान केंद्र छोड़ने से पहले 'प्रेसाइडिंग ऑफिसर' ईसीआईनेट ऐप में आंकड़े दर्ज करेगा। नेटवर्क उपलब्ध न होने की स्थिति में जानकारी ऑफलाइन दर्ज की जा सकेगी और नेटवर्क उपलब्ध होते ही सिंक हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के 'योग आंध्र-2025' अभियान को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश सरकार के 'योग आंध्र-2025' अभियान की सराहना की है, जिसका उद्देश्य योग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से निश्चित रूप से लोगों को लाभ होगा। मोदी ने कहा कि वे 21 जून को आंध्र प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर के निकट आयोजित योग आंध्र 2025 कार्यक्रम में योग प्रेमियों की जीवंत भागीदारी की सराहना की। यह कार्यक्रम पुलिगुंडु ट्विन हिल्स के बीच आयोजित किया गया, जहां 2000 से अधिक योग प्रेमी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 की तैयारी के लिए आंध्र प्रदेश में महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए एकत्रित हुए। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, योग दिवस 2025 के प्रति उत्साह देखकर खुशी हो रही है। योग

आंध्र-2025 योग को लोकप्रिय बनाने के लिए आंध्र प्रदेश के लोगों द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है। मैं 21 तारीख को आंध्र प्रदेश में योग दिवस मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। मैं आप सभी से योग दिवस मनाने और योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने का आह्वान करता हूं।'

योग आंध्र-2025 अभियान के मुख्य बिंदु:

- आंध्र प्रदेश में योग को बढ़ावा देने के लिए एक महीने का अभियान
- 1.13 करोड़ से अधिक लोगों ने योगाभ्यास के लिए पंजीकरण कराया
- 21 जून को विशाखापत्तनम में योग दिवस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे
- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे
- योग सत्रों का आयोजन समुद्र तटों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किया जा रहा है ।

इस अभियान के तहत आंध्र प्रदेश सरकार ने जिला-स्तरीय प्रशिक्षण, मंडल-स्तरीय आउटरीच और गांव-स्तरीय कार्यक्रमों की योजना बनाई है। लगभग 100 पर्यटक स्थलों पर थीम-आधारित योग जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रपति ने प्रशासनिक अधिकारियों को विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (आईएएस) विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करना चाहिए ताकि वे अधिक कुशल और पारदर्शी प्रशासन प्रदान कर सकें। राष्ट्रपति मुर्मु ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 127वें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने काम में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने अधिकारों का उपयोग

सहानुभूति, निडरता और निष्पक्षता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में आईएएस अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने काम में गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे देश के विकास में पीछे न रह जाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रशासन में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल टूल्स का उपयोग करके प्रशासन को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को एआई, ई-गवर्नेंस और डिजिटल फीडबैक मैकेनिज्म में नवाचारों को अपनाने की सलाह दी।

पर्यावरण दिवस पर अरावली ग्रीन वॉल अभियान की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। चार राज्यों में फैले अरावली जैव विविधता के संरक्षण के लिए केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अरावली ग्रीनवॉल अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। 5 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस अभियान की शुरुआत करेंगे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महावीर जयंती पार्क में पौधारोपण के साथ इस अभियान को विस्तार भी देंगे। अरावली ग्रीन वॉल अभियान के तहत मृदा नमी संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरण परिवर्तन, वेटलैंड संरक्षण, प्रोटेक्टेड एरिया आदि पर कार्य किया जाएगा। इसमें वन एवं गैरवान क्षेत्र को चिन्हित कर उसी अनुरूप कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत जनभागीदारी के साथ क्षमता निर्माण, स्थानीय प्रजातियों के पौधा रोपण, चारागाह और जलाश्यों के संरक्षण पर जोर दिया जाएगा। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अरावली एक पर्वत श्रृंखला ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति एवं शौर्यपूर्ण इतिहास का प्रवाह है जो हमारे लिए सदियों से प्रेरणा का स्त्रोत रही है। आगामी पीढ़ियां के लिए इसके भू दृश्य के पुनरुद्धार एवं जैव विविधता को संरक्षित करने के मकसद से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान से चार राज्य जुड़ेंगे जिसमें राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात शामिल हैं।

आईपीयू ने ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन ने मुंबई स्थित ओपन-आई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इस समझौते का उद्देश्य प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, निवेशक नेटवर्क और कॉर्पोरेट साझेदारी के माध्यम से विकास के एक ढांचे की स्थापना करना है, ताकि स्टार्टअप इनक्यूबेटर की दक्षता और पहुंच को बढ़ाया जा सके।ओपन-आई एक अग्रणी खुला नवाचार और स्टार्टअप निवेश प्लेटफ़ॉर्म है जो उच्च-प्रभाव वाले स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़कर डिजिटल परिवर्तन को गति देने में मदद करता है। इसका सास प्लेटफ़ॉर्म सभी हितधारकों को सहयोग, सह-निर्माण और प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए जोड़ता है।

इस समझौते के मुख्य बिंदुः

- प्रौद्योगिकी हस्तांतरणः ओपन-आई के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सुधार कर सकेगा।
- निवेशक नेटवर्कः समझौता

ज्ञापन के तहत, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन निवेशक नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त कर सकेगा।
- कॉर्पोरेट साझेदारीः समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आईपीयू-इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन कॉर्पोरेट साझेदारी में सुधार कर सकेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता:

इस समारोह की अध्यक्षता गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने की। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक, निदेशक अनुसंधान और नवाचार प्रो. सुधीर कुमार, निदेशक पूर्वी दिल्ली परिसर प्रो. ए के सैनी भी उपस्थित थे। ओपन-आई का प्रतिनिधित्व संस्थापक और सीईओ राजीव बाउंडानी ने किया। इस कार्यक्रम का आयोजन आईपीयू-आईआईएफ टीम द्वारा किया गया, जिसमें निदेशक आईपीयू-आईआईएफ प्रो. अजय सिंघोली शामिल थे।

ईंट भट्टों में धान की पराली से बने गोलों का प्रयोग करे हरियाणा और पंजाब सरकारः सीएक्यूएम

एजेंसी

नई दिल्ली । वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता खराब करने वाली धान की पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आयोग ने हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि वे एनसीआर से बाहर के जिलों में स्थित सभी ईंट भट्टों में धान की पराली से बने गोलों, ईंटों (ब्रिकेट्स) का उपयोग अनिवार्य करें। इसके साथ ही एक नवंबर 2028 तक धान की पराली से बने ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य फसल अवशेषों को खुले में जलाने की प्रथा को पूरी तरह से रोक देना और औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देना है। धान की पराली से बने गोलों, ईंटों का जलावन के रूप में 50 प्रतिशत तक उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से, वैधानिक निर्देश हरियाणा और पंजाब राज्य सरकारों को जारी किया गया है। इसके अलावा, इन निर्देशों के अनुपालन की दिशा में की गई कार्रवाई से हर महीने आयोग को अवगत कराना भी जरूरी है।

राहुल गांधी के अचानक कैंपस दौरे पर डीयू वीसी ने कहा, प्रक्रिया को दरकिनार करना गलत

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के अनिर्धारित परिसर दौरे को 'प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया और साथ ही इस तरह की 'प्रथाओं' को आगे न बढ़ाने की सलाह दी। क्योंकि, इससे गलत मिसाल कायम होगी। डीयू कुलपति ने को दिए साक्षात्कार में कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और प्रमुख राजनीतिक दल के शीर्ष नेता भी हैं। बेहतर होता कि वह विश्वविद्यालय के दौरे की योजना बनाते और प्रशासन को पहले से सूचित करते। उन्होंने कहा, 'इससे हमें उनके स्वागत की तैयारियों के लिए समय मिल जाता।'

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले महीने डीयूएसयू कार्यालय का दौरा किया था, जिससे हंगामा मच गया था क्योंकि विश्वविद्यालय ने दावा किया था कि उनके अघोषित दौरे से परिसर में अराजकता और अशांति पैदा हुई और कुछ एनएसयूआई सदस्यों ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। डीयू के कुलपति ने राहुल गांधी के

अचानक परिसर के दौरे पर आपत्ति जताई और कहा, 'दिल्ली विश्वविद्यालय में कई उच्च-प्रोफ़ाइल गणमान्य व्यक्ति आते हैं। एक मानक प्रोटोकॉल है जिसका सभी पालन करते हैं।

सभी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, अन्यथा यह गलत संदेश देता है।' उन्होंने कहा कि राहुल पहले भी प्रशासन को सूचित किए बिना परिसर का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने कांग्रेस नेता को प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है, ताकि छात्रों की सुविधा से समझौता न हो। प्रोफेसर योगेश सिंह ने लक्ष्मीबाई कॉलेज के प्रिंसिपल कार्यालय में डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री के गलत आचरण की भी निंदा की और कहा कि किसी भी छात्र प्रतिनिधि को इस तरह के व्यवहार से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'रौनक खत्री डूसू अध्यक्ष हैं। यह उनके पद के लिए अनुचित है कि वे कॉलेज प्रिंसिपल से भिड़ें। यह निंदनीय और निंदनीय है।' एक महीने पहले, डूसू अध्यक्ष ने लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल के साथ एक विवाद किया था, जब वे उनके कार्यालय में गए और उनके कार्यालय की दीवारों पर गोबर पोत दिया। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद काफी आलोचना हुई थी, लेकिन खत्री ने जोर देकर कहा कि यह प्रिंसिपल द्वारा कॉलेज की कक्षाओं को गर्मी से बचाने के लिए गोबर से पोतने के कदम के विरोध में था।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में लाया जाएगा महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी मानसून संसद सत्र में केंद्र सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। भारत सरकार के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस मामले को लेकर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा करेंगे। यह कदम मार्च में दिल्ली स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद उठाया गया है, जब बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। घटना मार्च की है, जब दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के आवास के बाहरी हिस्से में आग लग गई थी। नोट की गड्डियों के बारे में खुलासा आग बुझाने के लिए पहुंचे अग्निशमन दल ने किया था। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 22 मार्च को एक आंतरिक जांच शुरू की और न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन न्यायाधीशों का पैनल भी बनाया। इस समिति में हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज अनु शिवरामन को शामिल किया गया। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पूर्व में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीएस संधवालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फिलहाल न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपने के लिए कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग यूथ विंग के प्रयास से दो नारी शक्तियों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता के प्रति पेश की मिसाल.

- प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने किया स्वेच्छा से रक्तदान, बनीं युवा प्रेरणा का स्रोत
- नारी शक्ति समाज की रीढ़ है। प्रतीक्षा और प्रिया ने रक्तदान कर सेवा की नई परिभाषा रची है: चंद्र प्रकाश जैन
- यह सिर्फ रक्तदान नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त संदेश है। हजारीबाग यूथ विंग को उन पर गर्व है : करण जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। बदलते दौर में जहां युवा वर्ग तकनीक और आभासी मनोरंजन की ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है, वहीं हजारीबाग शहर में बुधवार को एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य सामने आया हजारीबाग यूथ विंग के विशेष पहल और प्रोत्साहन से शहर की दो जागरूक और संवेदनशील नारी शक्तियाँ प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि किसी ज़रूरतमंद को जीवन देने जैसा कार्य है, और प्रतीक्षा व प्रिया ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी शक्ति न केवल सृजन का प्रतीक है, बल्कि सेवा, समर्पण और साहस का भी उदाहरण है। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में दिनों ने रक्तदान किया. इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी एवं सचिव रितेश खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों पदाधिकारियों ने मौके पर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और इस अभियान को समाज के लिए एक प्रेरक पहल बताया। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने इस अवसर पर कहा की हमारी संस्था का उद्देश्य युवाओं में सेवा और सामाजिक दायित्व की भावना को जागृत करना है। प्रतीक्षा और प्रिया ने जो कार्य किया है, वह सिर्फ रक्तदान नहीं, बल्कि समाज के लिए एक सशक्त संदेश है कि महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग लगातार युवाओं को सामाजिक जागरूकता से जोड़ने के लिए कार्य करती रही है। जब दो जागरूक नारी शक्ति स्वयं आगे आकर रक्तदान करती हैं, तो यह संपूर्ण समाज को एक सकारात्मक ऊर्जा देता है।

प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने भी रक्तदान के पश्चात अपने विचार साझा करते हुए कहा की यह कार्य उन्हें आत्मिक संतोष और गर्व का अनुभव देता है। दोनों ने कहा कि यदि हमारी कुछ बूंदें किसी ज़रूरतमंद की जान बचा सकें, तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता।

हजारीबाग यूथ विंग आने वाले समय में भी इसी प्रकार समाजोत्थान, स्वास्थ्य जागरूकता और मानव सेवा के कार्यों में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। संस्था का उद्देश्य है कि हर युवा सिर्फ अपने लिए नहीं, समाज के लिए भी जिए और देश को एक स्वस्थ, सशक्त और संवेदनशील भविष्य दे।

यूसेट के 4 विद्यार्थियों का सीशार्पटेक में हुआ कैंपस सेलेक्शन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। 30 मई 2025 को आयोजित सीशार्पटेक के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विभावि के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूसेट) के चार छात्रों का चयन हुआ है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में अनिकेत कुमार साव, तनु कुमारी, अमित कुमार चौधरी तथा प्रेरणा कुमारी का चयन हुआ है। वहीं 5 विद्यार्थियों का इंटर्नशिप के लिए चयन हुआ है। फैज अर्फी, फैजान अहमद, आदित्य निषाद, खुशी कुमारी तथा शुभांगी झा को इंटर्नशिप के ऑफर दिए गए हैं।

यूसेट के निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामना दिया है। यूसेट के ही डॉ गीता कुमारी एवं डॉ अरुण मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ अर्चना रीना धान ने जानकारी दी कि टेक महिंद्रा का ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव जून के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है।

विकास यात्रा के तहत सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कटकमसांडी प्रखंड के पूर्वी मंडल में दस योजनाओं का किया शिलान्यास

- लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से होंगे विकास कार्य
- जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है।

सदर विधानसभा के कोने-कोने में विकास की रौशनी पहुँचाना मेरी प्रतिबद्धता है: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कटकमसांडी प्रखंड के पूर्वी मंडल में कुल दस विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। इन योजनाओं की अनुमानित लागत लगभग एक करोड़ रुपये है। यह संपूर्ण आयोजन एक दिवसीय विकास यात्रा के रूप में सम्पन्न हुआ, जिसकी शुरुआत उन्होंने छड़वा डैम स्थित माँ काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर की। उन्होंने माँ के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

पूरे दिन चले इस यात्रा में विधायक ने विभिन्न गांवों और पंचायतों का दौरा कर योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह केवल पत्थर रखने की रस्म नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कार्यों को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाएगा और गुणवत्ता

के साथ कोई समझौता नहीं होगा। शिलान्यास की गई योजनाओं में छड़वा में माँ काली मंदिर के मुख्य द्वार के सामने हाई मास लाइट लगाने का कार्य शामिल है, जिससे धार्मिक स्थलों की रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। गदोखर गांव में सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण कर ग्रामीणों को एक बेहतर सामाजिक मंच प्रदान किया जाएगा। पेलावल दक्षिणी अंतर्गत कृष्णा नगर में सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिससे स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पेलावल उत्तरी में दूभिया तालाब की सीढ़ियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर जल संरक्षण और धार्मिक गतिविधियों के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त खुटरा, सुलमी, कंसार, बेलरगड्डा और कंचनपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में पीसीसी पथ निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, लुपुंग पंचायत में असधीर क्षेत्र में सीढ़ी निर्माण कार्य की योजना भी शुरू की गई, इसके साथ ही असधीर गांव में कुलदीप यादव की सुपुत्री के निधन पर मृतक परिवारों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त की वहीं वज्रपात से मृतक हुए व्यक्ति के परिजनों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त और यथासंभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया। पबरा गांव के निवासी अर्जुन मेहता की सुपुत्री रानी कुमारी के विवाह समारोह में उपस्थित होकर बिटिया को आशीर्वाद प्रदान किया.कार्यक्रम के दौरान पबरा और रोमी गांवों में जनसंवाद का आयोजन किया गया, जहाँ ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सीधे विधायक के समक्ष रखीं। कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया गया, जिससे लोगों में विधायक के प्रति विश्वास और आत्मीयता और भी गहरा हुआ। इसी प्रकार हेदलाग और गोविंदपुर गांवों में भी जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। विकास यात्रा के अंतर्गत विधायक प्रदीप प्रसाद ने भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा के आवास पर संगठनात्मक संवाद किया और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ स्नेह भोजन में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद कर उन्हें संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। पूरे विकास यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और झारखंडी रीति-रिवाजों के साथ विधायक प्रदीप प्रसाद का भव्य स्वागत किया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपने जनप्रतिनिधि के साथ विकास की इस यात्रा में कदम से कदम मिलाकर चलते दिखे। कार्यक्रम सुबह 7:30 बजे शुरू होकर शाम तक चला। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता का यह अपार स्नेह और विश्वास ही उनकी असली पूंजी है। वे निरंतर इस विश्वास को कायम रखते हुए सदर विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने में विकास की रौशनी पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को हर जरूरतमंद तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है और आने वाले दिनों में विकास की गति और तेज़ होगी। मौके पर कटकमसांडी मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य मंजू नंदनी, मुखिया पिंकी देवी, पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता, मुखिया नारायण साव, अशोक राणा, वीरेन्द्र कुमार वीरू, पूर्व मुखिया दिलीप रवि, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष कैलाश यादव, मनीष ठाकुर, कटकमदाग मंडल अध्यक्ष अरूण राणा, भाजपा वरिष्ठ नेता महावीर सिहं, विनोद सिहं, राजेश ठाकुर, पूर्व मुखिया प्रेम साव, दुर्जय प्रसाद, कटकमदाग मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उप प्रमुख विमल गुप्ता, दीपक मेहता, पूर्व मुखिया दिलीप रवि, प्रमेश्वर यादव, पंडल यादव, लल्लू सिहं, जेपी प्रसाद, जय यादव, पवन गिरि,पूर्व मंडल अध्यक्ष कविन्द्र यादव, सरोज सिहं, बलराम शर्मा, ज्वाला सिहं,प्रो सोमर साहु, जिला महामंत्री रीतलाल यादव, सचिन मेहता,शंकर राणा, शिवकुमार मेहता, शशि ठाकुर, प्रयाग राम, रामू राम, गोविन्द यादव, रामअवतार शर्मा, पूर्व जिला परिषद सदस्य कौलेश्वर रजक, मुखिया रामकुमार मेहता, राकेश सिहं, अंकज ठाकुर, सुमन राय, दीपक यादव, विजय दाँगी, सहित सैकेडों लोग मौजूद रहें.

सदर प्रखंड के चानो और बेहरी पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

एकादशी उद्यापन सह यज्ञ में हुए शामिल एवं मंदिर निर्माण कार्य का लिया जायजा

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने धर्म और आस्था से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल हुए। सांसद मनीष जायसवाल सबसे पहले ग्राम चानो में सुरेश पाण्डेय के आवास पहुंचे जहां बीते 03 जून से आगामी 07 जून तक चल रहे एकादशी व्रत उद्यापन सह श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन यज्ञ मंडप में पहुंचकर माथा टेका। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उनका फूल माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर और अंग- वस्त्र ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया। यहां यज्ञ आचार्य वाराणसी के पहुंचे अरविंद पांडेय और प्रवचनकर्ता वृन्दावन से पहुंचे अरुण शुक्ला सहित यज्ञ संपन्न कराने में जुटे विद्वतजनों का सांसद मनीष जायसवाल ने सम्मान भी किया और

यज्ञ मंडप में माथा टेककर ईश्वर से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

तत्पश्चात सदर प्रखंड स्थित ग्राम बेहरी हेठ टोला में नवनिर्मित हनुमान सह- शिव- मंदिर निर्माण कार्य के प्रगति का स्थानीय ग्रामीणों संग मिलकर सांसद मनीष जायसवाल ने जायजा लिया। मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है और ग्रामीणों को इस कार्य में यथासंभव सहयोग का उन्होंने भरोसा जताया। इसी परिसर में उनके पूर्व के समय के विधायक मद से एक बेहद ही आकर्षक और जनउपयोगी सामुदायिक भवन का निर्माण भी कराया है जिससे ग्रामीणों को सामाजिक कार्य में लाभ मिल रहा है। चिलचिलाती धूप के बीच बड़ी संख्या में यहां मातृशक्ति ने अपनी उपस्थिति के साथ सांसद मनीष जायसवाल का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने सभी का आभार जताते हुए ऐसे ही उनपर आशीर्वाद, स्नेह और सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।

उक्त अवसर पर विशेषरूप से सदर पश्चिमी भाजपा मंडल अध्यक्ष रणधीर पांडेय, महामंत्री दामोदर प्रसाद, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा नेता विजय कुमार, अबोध राम, देबू प्रसाद, महेश प्रसाद, सुरेश पाण्डेय, गौरा देवी, राजेश पाण्डेय, संध्या पांडेय, संजय पाण्डेय, नंदिनी पाण्डेय, डॉक्टर अमरदीप कुमार, सुधीर कुमार, मनोज कुमार, सुबोध सिंह, बबन सिंह, देवेंद्र सिंह, मनोज कुमार यादव, विनोद कुमार यादव, पूरन महतो, प्रमोद पाण्डेय,आलोक पाण्डेय, अयांश पांडेय, रुद्रांश पांडेय, बबलू पांडेय, अशोक महतो, विजय यादव, डब्लू राणा, अमरजीत पांडेय, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

परवाज़ कार्यक्रम में एस.आई.ओ. हजारीबाग द्वारा विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन एवं सम्मानित किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। बुधवार को स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एस.आई.ओ.) हजारीबाग इकाई द्वारा परवाज़ नामक टॉपर फेलिसिटेशन एवं करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन अलमनार लाइब्रेरी, पगमिल में किया गया। इस कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 60-70 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत हाफिज़ सारिम आफरीदी, सदस्य एस.आई.ओ.द्वारा कुरान की तिलावत से हुई। इसके पश्चात् दिलकश नवाज, सदस्य एस.आई.ओ. ने कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। सैयद इरफान ने विद्यार्थियों को अपने करियर में

समानता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया के अपना विषय का चुनाव अपने इंटरेस्ट के आधार पर करने के साथ साथ अपने एटीट्यूड को भी आने रखें। मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई.एन. सिद्दीकी ने विषय चयन में रुचि और दृष्टिकोण के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में हाजी शहीद जमाल, निदेशक, झारखंड पब्लिक स्कूल ने विद्यार्थियों को बताया के हजारीबाग में इस तरह के कार्यक्रम बहुत कम होते हैं और आप खुश नसीब हैं के एस.आई.ओ ने आपको ये अवसर प्रदान किया, हमें उम्मीद है के आप इस से फायदा जरूर उठाएंगे। उन्होंने जमात इस्लामी के द्वारा प्रदान की जा रही मुफ्त कोचिंग और स्कॉलरशिप की जानकारी दी। एस.आई.ओ. बनहा इकाई के अध्यक्ष अदनान यूसुफ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि एस.आई.ओ. पिछले 43 वर्षों से विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए कार्यरत है और परवाज़ कार्यक्रम इसका एक उदाहरण है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।उन्होंने बताया के एस.आई.ओ एक मिशन है इस मुल्क की तरक्की के लिए और इसका एक एक सदस्य इसके लिए प्रयास रथ है।

कार्यक्रम की सफलता में एस.आई.ओ. बनहा और हजारीबाग इकाई के सदस्य शाहबाज अलम, अबुलैस, ग़ालिब आफरीदी, सुहैल, सनान गाज़ी, जुनैद, शाकिब, रौनक अफरोज, साजिद आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महुदी पहाड़ में बना वॉच टावर की स्थिति जर्जर हो रही है, मरम्मत की जरूरत

आदिवासी एक्सप्रेस

बड़कागांव। महुदी पहाड़ में वनों की सुरक्षा की पहरेदारी लिए वर्षों पूर्व बना वॉच टावर अब जर्जर होने लगी है। टावर के सीढ़ी के निचले परत की सीमेंट प्लास्टर के अलावा अन्य स्थानों की प्लास्टर तेजी से टूट टूट कर गिर रहा है। इस टावर का मुख्य उद्देश्य वनों को सुरक्षा प्रदान करना होता है । इस टावर से वन कर्मी दूरबीन के सहारे 5 से 10 किलोमीटर की दूरी को भी आसानी से देख लेते हैं। ताकि जंगल में लगी आग जंगल की कटाई करने वालों की पहचान कर आसानी से पकड़ा जा सके , और वनों को बचाए जा सके। मामले को लेकर एसीएफ एके परमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वॉच टावर की मरम्मत कार्य किया जाएगा इसके लिए रेंजर से बात करूंगा ताकी जल्द से जल्द वॉच टावर की मरम्मत की जा सके। वहीं कांडतरी वन समिति के चार रोज पूर्व चुने गए नए अध्यक्ष तुलेश्वर महतो ने कहा कि वॉच टावर की मरमती कार्य बहुत जरूरी है, वन विभाग वॉच टावर की मरम्मत करवावे वन विभाग को वन समिति सहयोग करेगी।

झारखंड श्रमिक संघ के जिला सचिव झामुमो नेता संजय सिंह ने नए डीसी से की मुलाकात

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। झारखंड मुक्ति मोर्चा के बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ हजारीबाग जिला सचिव संजय सिंह ने नए जिला उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से औपचारिक मुलाकात किया एवं बुक के भेंट कर स्वागत किया तथा बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दी। संजय सिंह ने उम्मीद जताई की नए डीसी के नेतृत्व में जिले का संपूर्ण विकास होगा।

एनईपी के आड़ में महाविद्यालय से इंटर की पढ़ाई का पूर्णत बंद किया जाना अन्याय पूर्ण

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंटस ऑर्गनाइजेशन झारखंड राज्य कमिटी महाविद्यालयों से इंटर की पढ़ाई को पूरी तरीके से बंद किए जाने को लेकर प्रारंभ से ही विरोध करता आ रहा है।राज्य अध्यक्ष समर महतो ने कहा कि हमारा संगठन नई शिक्षा नीति का शुरुआत से ही विरोध करता आ रहा है। इंटर की पढ़ाई का कॉलेज से पूरी तरीके से हटाया जाना ,यह नई शिक्षा नीति का ही एक दुष्प्रभाव है इस नीति के कारण हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षा से दूर हो जाएंगे। जो शिक्षा प्राप्त करेंगे उनके लिए भी महंगी शिक्षा उपलब्ध होगी। यह शिक्षा के स्वरूप को संकुचित करने का एक प्रयास है।

राज्य सचिव सोहन महतो ने कहा कि प्रत्येक वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में पास होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में नए शिक्षण संस्थाओं का निर्माण होना चाहिए था, छात्र शिक्षक के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए थी।आधारभूत संरचनाओं और आवश्यक संसाधनों का विकास किया जाना था।परंतु वर्तमान में जब हम देखते हैं तो स्पष्ट रूप से हकीकत इसके विपरीत देखने को मिलती है।ऐसे कई जिले हैं जहां पर छात्र-छात्राओं की संख्या के अनुसार इंटर के विभिन्न संकाय में सीटों की संख्या बहुत कम है। छात्र-छात्राएं मजबूरन निजी महाविद्यालय में महंगी फीस देकर पढ़ने या पढ़ाई छोड़ने को विवस है।ऐसे में ग्रामीण सुदूर क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यह बड़ी समस्या है मुख्यमंत्री मेधावी विद्यालयों में भी ऐसे कई विद्यालय हैं जहां पर अभी भी आधारभूत संरचनाओं की कमी हैद्व पर्याप्त संख्या में शिक्षक नहीं है।ऐसे में राज्यपाल महोदय के द्वारा पत्र जारी करते हुए यह आदेश जारी करना कि जिन विश्वविद्यालयों से संबंधित महाविद्यालय में इंटर में नामांकन की प्रक्रिया जारी है ।उस पर रोक लगाया जाए व विश्वविद्यालय से इस पर स्पष्टीकरण की मांग की गई है जो कहीं ना कहीं न्याय संगत प्रतीत नहीं होता है।

संगठन स्पष्ट रूप से मांग करता है कि राज्य में छात्रों की संख्या के अनुपात में इंटर के नामांकन सीटों में बढ़ोतरी की जाए, जब तक पूर्ण तरीके से छात्रों की संख्या के अनुसार वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती है कॉलेज में इटर की पढ़ाई जारी रखें जाए। पर्याप्त संख्या में विभिन्न विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, आवश्यक आधारभूत संरचना का विकास किया जाए, कॉलेज में कार्य करने वाले कर्मचारी के लिए नियोजन के वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान किया जाए।

अतः जब तक उपरोक्त विषय की पूर्ति नहीं होती है तब तक महाविद्यालयों से इंटर की पढ़ाई का बंद करना छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने समान है।

सांसद मनीष जयसवाल पहुंचे कटकमसांडी, रोमी सिद्धीदात्री देवी मंडप में आयोजित यज्ञ में हुए शरीक

हिन्दू धर्म की रक्षा करना, प्रत्येक हिन्दू का पहला कर्तव्य है: मनीष जयसवाल

कटकमसांडी (हजारीबाग) सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम रोमी स्थित मां सर्व सिद्धिदात्री देवी मंडप के जीर्णोद्धार के अवसर पर आयोजित मां सिद्धिदात्री शिवशक्ति सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के दूसरे दिन यहां पहुंचे और यज्ञ मंडप पर माथा टेक कर मां सर्व सिद्धिदात्रि, बजरंगबली और भोलेनाथ से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना किए। यहां 3 जून से यज्ञ का शुरुआत हुआ और कथा-प्रवचन, भंडारा, जागरण सहित कई धार्मिक अनुष्ठान के साथ 05 जून को हवन संग यज्ञ की पूर्णाहुति समापन होगी। यहां पहुंचने पर

स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं सहित यज्ञ समिति के लोगों और संपूर्ण ग्रामीण महिला- पुरुषों ने सांसद मनीष जयसवाल को फूल माला व चुनरी पहनाकर भव्य स्वागत किया। यहां बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए यज्ञ की महिमा, सनातन धर्म का महत्व बताते हुए इंसानियत को जीवंत रखने का अपील किया। यहां स्थानीय ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा की हिन्दू धर्म की रक्षा करना, प्रत्येक हिन्दू का पहला कर्तव्य है और इस कर्तव्य को बखूबी निभाने के लिए रोमी ग्राम वासी तैयार है।

ग्राम कठोतिया निवासी सुभाष यादव से मिले और उनका कुशलक्षेम जाना बढ़ाया हिम्मत

हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल आज सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड दौरे के क्रम में पंचायत खुटरा के ग्राम डुकरा पहुंचकर यहां अपने ससुराल में फिलहाल इस वक्त रह रहे ग्राम कठौतिया निवासी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सुभाष यादव से मिले और उनका कुशलक्षेम जाना।

भाजपा कार्यकर्ता सुभाष यादव के शरीर का बायां हिस्सा पैरालाइसिस के कारण बिल्कुल कार्य नहीं कर रहा था। बीते 11 मई 2025 को उन्हें पैरालाइसिस अटैक हुआ था जिसके बाद कटकमसांडी के पूर्व विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा नेता किशोरी राणा और लोकसभा मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने तत्काल हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल से जरूरी चिकित्सीय इलाज कराकर रांची भेजवाया थे। फिलहाल उनके पैर में सेंस है और सुधार हो रहा है। बाबजूद इसके बेहतर इलाज और त्वरित स्वास्थ्य लाभ हो सके इसलिए आगे के इलाज के लिए अच्छे डॉक्टर के पास भेजने का इनके परिवारजनों संग मन बनाया है।

सांसद मनीष जयसवाल सुभाष यादव जी का हिम्मत बढ़ाया और उन्हें उनके जीवन की जीवटता और संगठन के प्रति सक्रिय व समर्पित भाव से कार्य करने की अदम्य शक्ति याद दिलाते हुए उन्हें मूवमेंट जारी रखने का सलाह दिया। मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता, पूर्व मुखिया दिलीप कुमार रवि, भाजपा नेता अनिल कुशवाहा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, यज्ञ समिति के अध्यक्ष अजय राणा, सचिव सूरज यादव, कोषाध्यक्ष जितेंद्र प्रजापति, सुरेंद्र साव, द्वारिका प्रजापति, प्रवीर मंडल, लेखराज यादव, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार इनोवा कार सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलटी

● दो युवक गंभीर रूप से घायल रेफर, वाहन क्षतिग्रस्त

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। थाना क्षेत्र में स्थित बलूरी खगड़वाटाड हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार इनोवा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार करीब 10 मीटर तक घिसटती चली गई। इस दुर्घटना में दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने आनन-फानन में दोनो घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस के अनुसार बिहार गया जिला के बोधगया इलाका निवासी पांच लोग इनोवा कार से पांडेपुरा में एक तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान बलूरी खगड़वाटाड के समीप हंटरगंज- प्रतापपुर मुख्य पथ पर अचानक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें सवार बिहार के गया जिला बोधगया निवासी संजय सिंह के 32 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार सिंह,व बतसपुर बोधगया निवासी बिंदी रविदास का 34 वर्षीय पुत्र नंदकिशोर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को बमुश्किल बाहर निकाला गया। एंबुलेंस से दोनो को हंटरगंज सामुदायिक ले गए। वही चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज के लिए गया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

चतरा के इतिहास में अंकित स्वर्णिम दिन सांसद काली चरण सिंह को अनंत बधाई एवं शुभकामनाएं: ईश्वर दयाल पांडेय

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) बुधवार 4 जून चतरा के लिए स्वर्णिम दिन के रूप अंकित है। आज के दिन ही एक वर्ष पूर्व आधिकारिक रूप में विजय की घोषणा के पश्चात विजयश्री का मुकुट जिनके माथे सज गया, ऐसे चतरा धरतीपुत्र, इस चतरा लोकसभा के जन जन के दिलों में बसने वाले, अपनी आवाज से चतरा लोकसभा की हर समस्या को देश के सर्वोच्च सदन की पटल पर रखने वाले, 24 घंटे में 5 बजे सुबह से 11 बजे रात तक 18 घंटा जनता सेवा में समर्पित रहने वाले, सहज रूप में सभी कार्यक्रम में पहुंचने वाले, हम सब के अभिभावक, मार्गदर्शक, लोकप्रिय सांसद काली चरण सिंह को बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

पंचायत बरहमौरिया के ग्राम हथिया में नाई भवन परिसर में नाई समाज के सी एन टी एक्ट 1908 से मुक्ति को लेकर एक बैठक हुई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
हजारीबाग। चौपारण प्रखंड के अंतर्गत पंचायत बरहमौरिया के ग्राम हथिया में नाई भवन परिसर में नाई समाज के सी एन टी एक्ट 1908 से मुक्ति हेतु एक बैठक आहूत किया गया, जिसकी अध्यक्षता जयकरण ठाकुर और मंच संचालन सुबोध ठाकुर के द्वारा किया गया। जिस बैठक में निर्णय लिया गया कि नाई जाती को सी एन टी एक्ट 1908 से मुक्त किया जाए और मुक्ति हेतु झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर पर सहमति बनी। इस बैठक के दौरान बसरिया प्रक्षेत्र के अध्यक्ष भरत कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सुखदेव ठाकुर, सलाहकार बाबूलाल शर्मा, तपेश्वर ठाकुर, जगदीश ठाकुर उर्फ साधु, रघुनी ठाकुर, बद्री ठाकुर, धुली ठाकुर, भुवनेश्वर ठाकुर, आदित्य शर्मा, मुकेश शर्मा, अजय चमन शर्मा, मुकेश शर्मा, प्रमोद शर्मा, प्रदीप ठाकुर, प्रकाश ठाकुर पूर्व मुखिया बेलाही सहित कई दर्जनों लोगों की उपस्थिति हुई।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में बकरीद पर्व 2025 के मद्देनजर विधि व्यवस्था एवं शांति समिति की बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। ईद उल अजहा (बकरीद) पर्व 2025 को लेकर उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंजनी अंजन की संयुक्त अध्यक्षता में विधि व्यवस्था एवं शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बकरीद (ईद-उल-अज़हा) पर्व के सफल आयोजन और विधि व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में यह एक महत्वपूर्ण बैठक थी। यह बैठक शांति समिति के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में हुई।

सर्वप्रथम पुलिस एवं प्रशासन के बीच विधि व्यवस्था संधारण एवं आवश्यक तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। उपायुक्त ने प्रखंड एवं थानावार तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर आयोजित हुए शांति समिति की बैठक में दोनों समुदायों की तरफ से आए सुझावों पर ध्यान दें। संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च के साथ साथ ड्रोन से निगरानी करने का निर्देश दिया।

सोशल मीडिया पर विशेष रूप निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों को त्वरित खंडन करने को लेकर तैयार रहने का निर्देश दिया। विधि व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारीयों को अतिरिक्त अलर्ट अवस्था में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कंट्रोल रूम से सीधा संपर्क बनाए रखने को कहा।

शांति समिति की बैठक

उपायुक्त ने सभी उपस्थित लोगों से बकरीद को भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन पर्व के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

शान्ति समिति की बैठक में विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने पर्व को लेकर अनेकों सुझाव और जानकारियां उपायुक्त को दी। दोनों समुदाय के लोगों ने आपस में मिलजुल कर पर्व को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का भरोसा दिलाया। मौके पर मौजूद प्रबुद्धजनों ने उपायुक्त से पर्व के दौरान बिजली की आपूर्ति, पेयजलापूर्ति को सुचारू कराने का अनुरोध किया।

बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय और दिए गए निर्देश:

सुरक्षा व्यवस्था: पर्व के दौरान संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। गश्त तेज करने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

यातायात प्रबंधन: यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी, ताकि नमाज़ियों और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

स्वच्छता: नगर निगम/स्थानीय निकायों को बकरीद के दिन और उसके बाद साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए,विशेषकर कुर्बानी स्थलों के आसपास।

बिजली और पानी: बिजली विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और जल आपूर्ति विभाग को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

अफवाहों पर नियंत्रण: शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और ऐसी सूचनाओं को तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लाएं। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

आपसी सौहार्द: सभी समुदायों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

उपायुक्त ने कहा कि यह पर्व हमें त्याग और बलिदान का संदेश देता है और हम सभी को मिलकर इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की ताकि बकरीद का पर्व सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बैठक में उपायुक्त के अलावा, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, डीडीसी इश्तियाक अहमद, नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद, अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, सदर एसडीएम वैद्यनाथ कामती, बरही एसडीओ जोहन टुडू, सभी बीडीओ एवं सीओ, डीएसपी सीसीआर, पुलिस पदाधिकारी, शान्ति समिति के सदस्य व अन्य मौजूद थे।

सैकत दा के नाटक की बारीकियां कथानक को जीवंत बना देता है: अविनाश देव

मेदिनीनगर। मासूम आर्ट ग्रुप के चेयरमैन सैकत चटर्जी अपने दफ्तर सह रिहर्सल हाउस आमंत्रित किए। बांग्ला अनुवादित संध्या तारा नाटक का रिहर्सल देखे। मेरा आंख भर आया गला भरभरा गया। पढ़ें थे जिसका रात का आलम ये है तो दिन का नजारा क्या होगा। यह नाटक 09 जून को शिमला में खेला जाना है और आखरी रंगमंचीय पूर्वाभ्यास बाकी है,इसके पूर्वानुमान हम कर बैठे की नाटक संध्या तारा का प्रथम पुरस्कार पलामू निश्चित आएगा। कथानक है बुढ़ा मां बाप और दो बेटे एक बेटी के बीच घर बिक्री के पैसे बंटवारे एवं परवरिश की। बेटा नौकरी पर हैं बेटी ससुराल में मां पिता को कोई रखना नहीं चाहता है। पैसे बंटवारे के लालच में मां बाप को बांट लेते हैं। बेटी मां को यह सोच कर रखती है महानगर में नौकरानी महंगा मिलती है घर के चौका बर्तन कर देगी। बेटा बहु सोचते हैं ड्यूटी जाने के बाद मेरे बेटा को स्कूल छोड़ देंगे सब्जी व अन्य घरेलू काम पिताजी निबटा देंगे। यह भावना से आहत घर छद्म तरीके से बिका था,बेटे बहु के असली चरित्र उजागर हो जाता है। बूढ़े मां बाप एक ही जगह रहने का निर्णय लेते हैं। यह नाटक वर्तमान सामाजिक परिवेश में हर घर की कहानी है जो हर प्रवासी नौकरी पेशा वाले कमाऊ बेटे के लिए प्रेरणाश्रोत और नजर खोलने वाला नाटक सिद्ध होगा। सैकत दा मुनमुन चक्रवर्ती जी केंद्रीय अभिनय में बहुत ही लाजवाब युग्मजोड़ी रहे। हमारे ख्याल से पलामू में खेल कला संस्कृति के लायक को मंच नहीं है जिसके चलते प्रतिभा दब जा रहा है। हम सरकार और पलामू प्रशासन से मांग करते हैं खिलाड़ियों के लिए बेहतर स्टेडियम सांस्कृतिक कार्यक्रम नाटक के लिए हॉल का निर्माण करें ताकि पलामू का प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर अपना जौहर दिखा सकें। सभी अभिनयकर्ताओं कामरूप सिंहा, अमर भांजा, कनक लता तिर्की, संध्या शेखर, शहजादा तालिब, गुलशन मिश्रा जी को शुक्रिया आपकी यात्रा सफल व सुखद हो आप विजेता बन कर सकुशल लौटें। धन्यवाद!

आदिवासी संगठनों ने सड़क जाम कर दिया धरना, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता राम कुमार
बालूमाथ। बालूमाथ में विभिन्न आदिवासी संगठनों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर बुधवार को बुलाए गए झारखंड बंद के समर्थन में बंद समर्थकों द्वारा बालूमाथ स्थित शहीद चौक के समीप सड़क अवरुद्ध कर दिया गया. साथ ही आदिवासी समाज के द्वारा धरना प्रदर्शन भी किया गया। मौके पर प्रखंड के सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे। राज्यपाल के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सोपा गया।सड़क जाम होने से सड़क की दोनों ओर मालवाहक एवं यात्री वाहनों की लंबी कतारें लग गई। मौके पर लातेहार जिला पड़हा राजा प्रभु दयाल उरांव ने कहा कि रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल पर फ्लाईओवर निर्माण बन्द करने की मांग करते हुए लातेहार जिला में आवंटित कोल ब्लॉक कंपनियों का विरोध करते किया। उन्होंने कहा कि लातेहार जिला में कोयला खदान को खोलने के लिए विभिन्न पूंजीपति कंपनियों द्वारा आदिवासियों को बहला फुसला कर उनकी जमीन ले ली जा रही है। आदिवासियों का जल, जंगल, जमीन, पहाड़ ही आदिवासी मान्यता में मां-बाप का दर्जा प्राप्त है। कंपनियां वापस जाएं हम किसी कीमत पर जमीन नहीं देंगे।इस दौरान ऐश्वर्य उरांव ने कहा कि आदिवासियों के धार्मिक स्थल पर छेड़छाड़ करना बंद करें. सरकार सरना धर्म कोड ,पेसा कानून लागू करे। उन्होंने कहा कि बालूमाथ में आदिवासियों का जमीन, पहनाई जमीन का गैर आदिवासी गलत तरीके से अपने नाम पर करवा रहे हैं। यह हम आदिवासी सहन नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो क्रमबद्ध आंदोलन भी करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरणविद ने वन वृक्षों पर राखियां बांधते हुए कहा कि

बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी, जल संकट और जलवायु परिवर्तन नहीं रुका तो तबाह हो जाएगी अगली पीढ़ी: डॉ कौशल

● सरकार को जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए वाष्प चिमनी व वाष्प साइलेंसर की करनी होगी व्यवस्था: डॉ कौशल

वनों पर राखी बांधते वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल व पर्यावरण प्रेमी

छतरपुर पलामू झारखंड
छतरपुर अनुमंडल के ग्राम पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर में मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क व पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को 52 वां और वन राखी मूवमेंट के 48 वां स्थापना दिवस पर प्रकृति, पर्यावरण और प्राण बचाने के लिए विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन एवं पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ की।

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए कहा कि भीषण गर्मी, बढ़ती प्रदूषण, जल संकट, और जलवायु परिवर्तन को रोकना है तो देश में जितने भी उद्योग धंधे है उन सभी उद्योगों व गाड़ियों में लगी चिमनी को सरकार को क्रमशः वाष्प चिमनी व वाष्प साइलेंसर बनाने की व्यवस्था करना होगा। क्योंकि जनसंख्या विस्फोट के कारण गाड़ियां की संख्या बेतहाशा बढ़ रहे हैं। केवल पौधा लगाने से प्रदूषण दूर नहीं होगा। प्रदूषण पैदा करने वाले यंत्र को भी सरकार को रोकना होगा। उन्होंने लोगों से अपना धर्म के साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को जीवन में उतारने की बाते कही है। तभी हम जलवायु परिवर्तन रोक पाएंगे नहीं तो गर्मी के दिनों में बाढ़ बरसेगी और बरसात में आसमान के तारे दिखेंगे।

उन्होंने कहा कि जहां जंगलों की बेतहासा कटाई हुई हैं वहां विनाश हुआ है। कोरोना काल इसका गवाह है। दिल्ली और महाराष्ट्र में अर्थ के लिए हो रहे अनर्थ का ही परिणाम है कि वहां बेकाबू गर्मी, जल संकट और प्रदूषण बेतहासा बढ़ा है। जिसका खामियाजा लोग भुगत रहे हैं।

वन राखी मूवमेंट के अगुआ डॉ कौशल किशोर ने वन बचाने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी महिलाओं को अंग वस्त्र , मिठाइयां,और फलदार पौधा देकर उन्हें सम्मानित किया ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में पंचायत डाली बाजार के पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, सुचित कुमार जायसवाल, जुबेर अंसारी, श्रीनाथ राम, धर्मदेव यादव, बचेष यादव, रामजन्म यादव, अवधेश राम, ने भी अपना विचार व्यक्त किया। मौके पर मुख्तार अंसारी , लक्ष्मण राम, इसराइल अंसारी ,धनेश्वर विश्वकर्मा, चांदनी विश्वकर्मा, रेणु यादव, शांति कुमार,अनीता देवी, पांनवा देवीआदि उपस्थित थी।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर परियोजना कार्यालय, कुंडी और महाप्रबंधक कार्यालय, बचरा में कार्यक्रमों की आयोजित की गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर परियोजना कार्यालय, कुंडी और महाप्रबंधक कार्यालय, बचरा में कार्यक्रमों की आयोजित की गई, जिसका मुख्य विषय था, प्लास्टिक प्रदूषण को हराना, इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों, छात्रों और स्थानीय समुदायों के बीच प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रमुख तालाब सफाई अभियान चलाया गया, जिससे लोगों के बीच स्वच्छता और जिम्मेदार पर्यावरणीय व्यवहार को बढ़ावा मिला। इस पहल ने प्राकृतिक जल निकायों और उनके आसपास के वातावरण को प्लास्टिक और अन्य प्रदूषकों से मुक्त रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। समुदाय को और अधिक जोड़ने के लिए, पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण के विषय पर केंद्रित निबंध लेखन, चित्रकला और नारा प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। स्थानीय ग्रामीणों और मगध-संघमित्रा क्षेत्र के कर्मचारियों के बच्चों ने उल्लेखनीय रचनात्मकता का प्रदर्शन किया और अपनी भागीदारी के माध्यम से अभिनव विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी एस सत्यनारायण, कोलियरी प्रबंधक राकेश कुमार, एसओ (पी एंड पी) राजीव कुमार सिन्हा, परिवहन अधिकारी चंदन चट्टराज, एसओ (आर एंड आर) शंभू कुमार, पर्यावरण अधिकारी जितेंद्र कुमार और अमरजीत कुमार सहित कई प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। इन गणमान्यों ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने में सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। अपने संदेश में, परियोजना अधिकारी एस सत्यनारायण ने बच्चों के योगदान की प्रशंसा की और जोर दिया कि एक स्थायी भविष्य के निर्माण में युवा पीढ़ी को शामिल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रगतिशील आंदोलन को दर्शाते हैं और उन्होंने पर्यावरण दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सभा को संबोधित करते हुए, एसओ (एल एंड आर) राजीव कुमार सिन्हा ने पर्यावरण, विशेष रूप से मिट्टी को प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों से बचाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पतला प्लास्टिक (40 माइक्रोन से कम) विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि इसे जलाने पर CO और CO_2 जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। उन्होंने बच्चों से घर और अपने समुदायों में प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रोत्साहित करके उदाहरण पेश करने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र, सीसीएल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक अमरेश कुमार सिंह ने पर्यावरण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाएगा और फलदार पौधों का वितरण भी करेगा। इस मौके पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सफाई अभियान चलाया गया एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (ऑपरेशन) ए.के.बी. सिंह, परियोजना पदाधिकारी मोहम्मद अकरम, के.के. पांडा, मोनू कुमार राय, ओमप्रकाश रंजन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली के महत्व के प्रति जागरूक करना है। अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और स्वच्छता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें।

मादक पदार्थों पर रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

अविनाश मंडल
पाकुड़। पाकुड़ समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार कक्ष में बुधवार को निषिद्ध मादक पदार्थों पर रोक को लेकर नशे को ना, जिंदगी को हां थीम पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू एवं विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन पर रोक जरूरी है। बच्चे - युवा पीढ़ी इस ट्रैप में फंसते जा रहे हैं, जो सही नहीं है। जन जागरूकता से ही सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को अवगत कराकर इस पर अंकुश लगाया जा सकता है, उन्होंने जागरूकता के इस कार्य को चुनौती के रूप में लेने की बात कहीं। कहा कि मादक पदार्थों पर रोक में अभिभावक व सिविल सोसाइटी का अहम रोल है। अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताने, उनके जीवन में क्या चल रहा है, किससे बात कर रहा है आदि पर ध्यान देने की जरूरत है। आमजन, बच्चों - युवा पीढ़ी को किसी भी मादक पदार्थ के सेवन से परहेज करने को लेकर प्रेरित करना होगा। इसके पश्चात उपायुक्त व परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं विशेष कार्य पदाधिकारी के द्वारा समाहरणालय स्थित मुख्य समारोह स्थल के पास वृक्षारोपण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित आयुष जांच शिविर में 92 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ प्रखंड के रहसपुर एवं बलिहारपुर एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड के सकरीगली में आयुष विभाग की ओर से बुधवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 92 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ0 मो अबुतालिब शेख, डॉ सौरभ विश्वास एवं डॉ अमरेश कुमार ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए बकरीद पर्व- सीओ

पालोजोरी। देवघर ज़िले के पालोजोरी थाना में बकरीद पर्व को लेकर थाना प्रांगण में बुधवार को शांति समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता सीओ अमित भगत के द्वारा की गई। वहीं सीओ ने कहा सभी लोग मिलजुल कर सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद का पर्व मनाएं। तथा इस पर्व के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जबकि उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से सचेत है। थाना प्रभारी सालो हेम्ब्रम ने कहा कि पर्व के पूर्व से ही सोशल मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर रखीं जायेगी जिससे किसी प्रकार का आपत्तिजनक व दुष्प्रचार जैसे चीजों से अवगत कराते हुवे संयम बरतने की बात कही गई। वहीं बीडीओ पालोजोरी आमिर हमजा की मौजूदगी देखी गई। वहीं इस मौके पर पंचायत के मुखिया मुखिया प्रतिनिधि एवं पुलिस अधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अपनी जिम्मेदारियां समझें पदाधिकारी : उपायुक्त

- तत्परता के साथ कार्य करेंगे, तो राजस्व संग्रहण में आएगी प्रगति
- निर्धारित समय सीमा में राजस्व मामलों का निराकरण कराएं सुनिश्चित
- दाखिल खारिज के लंबित मामलों की स्थिति में लाएं सुधार
- बैठक में पूरी तैयारी के साथ पहुंचे अंचल अधिकारी
- पलामू उपायुक्त ने की राजस्व से संबंधित समीक्षा

उपायुक्त समीरा एस0 आज समाहरणालय सभागार में राजस्व से संबंधित समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व संग्रहण एवं राजस्व मामलों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी लक्ष्य का ठीक से असेसमेंट करते हुए, लक्ष्य के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व संग्रहण की दिशा में अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को राजस्व से संबंधित मामलों के निराकरण हेतु पूरी तत्परता के साथ कार्य करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामले आम नागरिकों के हितों से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इससे संबंधित मामलों का निष्पादन निर्धारित समयावधि में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में अधिकांश मामले भूमि से जुड़े दाखिल खारिज, सीमांकन, रसीद कटाने आदि से ही संबंधित आ रहे हैं। एक ही भूमि का दो-दो रैयतों के नाम से रसीद कटने की भी शिकायत मिली है। ऐसे में अंचल अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और ठीक से कर्तव्य निर्वहन करना सुनिश्चित करें। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को हिदायत करें। लापरवाही या अनदेखी नहीं करें। ऐसे कृत्य में किसी की संलिप्तता पाई गई, तो भविष्य में समस्या होगी। भूमि संबंधी विवाद नहीं हो इसके लिए सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने तत्परता के साथ भूमि संबंधी मामलों का निराकरण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से हिदायत दिया कि कार्य में किसी तरह की बाधा या विलंब नहीं होनी चाहिए। इससे संबंधित शिकायत आती है, तो आप खुद समझेंगे।

उपायुक्त समीरा एस0 ने दाखिल खारिज एवं भूमि सीमांकन के लंबित मामलों का निष्पादन कर स्थिति में सुधार लाने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने अंचल अधिकारियों से एक-एक कर अंचल से संबंधित कार्यो की अद्यतन स्थिति से अवगत हुई तथा भूमि संबंधी लंबित आवेदनों पर अंचल अमीन के साथ बैठक कर उचित निर्णय लेने का निदेश भी दिया। उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों को कार्य में प्रगति लाने एवं पूर्व तैयारी कर बैठक में भाग लेने का सख्त निदेश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड विकास परिषद ने रजत जयंती समारोह का आयोजन किया

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

अमड़ापाडा (पाकुड़) झारखण्ड विकास परिषद् के 25 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर (सिल्वर जुबली)रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्धाटन मुख्य अतिथि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ,प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा ,प्रखण्ड पंचायतीराज पदाधिकरी, संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन, न्यासी सदस्य तरेसा हॉसदा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलीत एवं

केक काटकर किया गया। वर्षगांठ कार्यक्रम को सम्बोधित करतें हुऐ संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन ने संस्था के गठन सें लेकर वर्तमान संघर्ष यात्रा के बारें में विस्तृत रुप से बताया कि जब संस्था की शुरुआत हमने की थी तो इस क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं महिला नेतृत्व का अभाव था। जिसे इन्होने पहाडिया एवं आदिवासी समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक समाजिक सःशतिकरण करने में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई एवं सरकारी योजनाओं से जुडवाने में इनका अहम योगदान रहा।संस्था प्रमुख ने बताया कि वर्तमान में संस्था आजिविका, बाल संरक्षण जल जंगल, जमीन, महिला शक्तिकरण] किशोरी शक्तिकरण व बालिका शिक्षा, समुदायिक स्वास्थ्य एवं स्थानिय स्वाशासन को सःशक्त बानाने का कार्य कर रही है।इस कार्यक्रम को सम्बोधित करतें हुऐ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि संस्था के द्वारा दुमका साहिबगंज एवं पाकुड जिले के 6 प्रखण्डों में समाजिक मुद्दे बाल विवाह] महिंला हिंसा] बाल तस्करी शिक्षा व स्वास्थ्य के मुद्दो को लेकर काम कर रही है एवं समुदायिक श्रमदान के माध्यम से जल जंगल जमीन का बचाव किया जा रहा है ।संस्था के बोर्ड सदस्या तरेसा हॉसदा ने कहा कि अथक प्रयासो के बाद संस्था इस मुकाम पर पहुची है । वर्तमान में संस्था से जुडकर 80 लोग कार्य कर रहें है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुचाने में सहयोग कर रहें है।अंत में संस्था के द्वारा सम्मानित अतिथि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता एवं बोर्ड सदस्यों को शॉल एवं मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता मनोंरजन सिंह, जसीन्ता मिंज, फुलमुनी सोरेन, अजय मुर्मू, कैलाश कुमार, मिनी सोरेन, राजीव रंजन, मुकेश तिवारी, रामजनम व अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन एवं सम्बोधन फुलमुनी सोरेन ने किया।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आयोजित किया गया आम उत्सव सह बागवानी मेला कार्यक्रम

- आम उत्पादक किसानों ने स्टॉल पर प्रदर्शित किये कई किस्म के आम

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि

राजेन्द्र नाथ मुर्मू लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) बुधवार को प्रखंड परिसर में आम उत्सव सह बागवानी मेले का आयोजन किया गया। मनरेगा एवं बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत प्रखंड परिसर में आयोजित आम उत्सव सह बागवानी मेले में कई पंचायतों के आम उत्पादक किसान सहित स्वयं सहायता समूह के महिलाओं ने मेले में पहुंचकर मेले को सार्थक बनाया। मेले का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, बीडीओ संजय कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, बीपीओ मानिक दास, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के. सी. दास, प्रखर समाजसेवी साहब हांसदा एवं प्रवाह NGO के प्रखंड समन्वयक शालिनी सन्नी ने मेले का उद्घाटन किया।

स्थानीय कृषकों एवं महिला समुह को बढ़ावा देने और महिला सशक्तिकरण को बल देने के उद्देश्य से अलग-अलग पंचायत से पहुंची महिलाओं ने मनरेगा योजना के तहत लगाए गए आम के बागानों से उत्पन्न आम्रपाली, मल्लिका, हिम सागर, अल्फानसी, सिंदूरी, बम्बईया, पहाड़ी पेरी, लंगड़ा मालदा, तोत पूरी, फजली, चौसा, खिरसा पति, दशहरी, नीलम, माल गवा, बीजू, केतकी, रूमानी जैसी बेहतरीन किस्मों के आमों का स्टाल पर प्रदर्शन किया।

इस मेले में अनुमण्डल पदाधिकारी साइमन मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि आम उत्पादक किसान आधुनिक तकनीकि अपनाकर मनरेगा से रोजगार प्राप्त कर आम बागवानी बनाने के साथ- साथ पर्यायवरण को संतुलित करके स्वरोजगार को बढ़ावा देने का काम किया है। यह मेला न सिर्फ बागवानी को बढ़ावा देने का मंच है,

बल्कि यह आम उत्पादक किसानों सहित महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल के साथ स्वरोजगार का अवसर प्रदान कर रहा है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने आम उत्पादक किसानों को अपने संबोधन में कहा कि मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 17 पंचायतों में 210 एकड़ भूमि का चयन कर आम बागवानी कराने के लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया हैं, जिससे किसानों को रोजगार और आत्मनिर्भरता मिलेगी साथ ही जो आम उत्पादक किसान प्रखंड क्षेत्र में आम बागवानी कर अपनी आय संवर्धन कर रहे हैं वे अन्य सभी आम उत्पादक किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

इस मेले में लिट्टीपाड़ा प्रखंड के समाजसेवी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सहित विभिन्न एन.जी.ओ. के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न पंचायतों के आम उत्पादक किसान एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया।

बिजली की समस्याओं को लेकर विभाग के पदाधिकारियों को दिया आवेदन

- अगर जल्द सुधार नही हुआ तो हिरणपुर पाकुड़ मुख्यमार्ग को जनता के साथ मिलकर करेंगे जाम- मो मनोवर

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) लचर विद्युत व्यवस्था से तंग आकर हिरणपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम जेएमएम प्रखंड सदस्य मो इमरान के संयुक्त नेतृत्व में एक आवेदन कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग के नाम ग्रामीणों के साथ मिलकर एक आवेदन दिया। आवेदन में विभाग के प्रति लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया गया है। जिसमें उल्लेख किया गया है कि रानिकोला फीडर और हिरणपुर फीडर से मिलने वाली बिजली रात और दीन में नियमित नही मिलने से इन दिनों उपभोक्ता उमस भरी गर्मी में त्रस्त हैं।रात भर बिजली बाधित रहने के कारण जनता काफी परेशानी का सामना कर रही है विभाग द्वारा लापरवाही बरतने के कारण जनता परेशान है ,भीषण गर्मी में रात भर लाइन कटा रहना और सुबह 6 बजे ही बिजली आना ऐसा लगता है की जानबूझकर लोगो को परेशान कर रही है, विभाग को सूचना देने का जो साधन है, वो भी ठीक काम नही करता है ,न ही फीडर में बैठे कर्मी आम जनता को सुन रहा है, और ना जवाब देही है। जनता विभागय लापरवाही से परेशान है ,अगर विधुत व्यवस्था में सुधार नही आया तो सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को जनता बाध्य होगा और इसकी जवाबदेही विभाग का होगा इसी के निमित एक आवेदन हमलोग आज दिए है इसमें पूर्व प्रत्यासी कांग्रेस नेता रासका हेंब्रम ,मो अनीश मानिक दास, मो तनवीर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रोजेक्ट प्रयास- हुनर से होनहार तक का सफ़र अंतर्गत इंटीग्रेटेड रूरल इंटर्नशिप कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

उपायुक्त ने इंटर्न लोगों के बीच अभिवादन कीट का किया वितरण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- प्रोजेक्ट प्रयास हुनर से होनहार तक का सफर अंतर्गत इंटीग्रेटेड रूरल इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रशासन पाकुड़ के द्वारा सूचना भवन सभागार में आयोजित किया गया।उपायुक्त ने कहा कि इंटीग्रेटेड रूरल इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, गरीबी उन्मूलन और सामुदायिक सशक्तिकरण पर केंद्रित एक कार्यक्रम है।ग्रामीण क्षेत्रों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान करता है, ताकि वे ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर काम कर सकें

और ग्रामीण समुदायों के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त कर सकें। उपायुक्त मनीष कुमार ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी का विजन है कि किस प्रकार से हमलोग विकसित झारखंड का निर्माण कर सके और उसके लिए विकसित गांव का निर्माण करना बहुत आवश्यक है। उसी के आलोक में आज प्रोजेक्ट प्रयास के तहत इंटीग्रेटेड रूरल इंटर्नशिप प्रोग्राम का आज शुरुआत की गई है। उपायुक्त ने कहा कि जिले में 30 इंटर्न को नियुक्त किए गए हैं जो अगले 2 महीने तक सरकार की बहुत सारी महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजनाओं को उसको ग्राउंड पर जाकर स्टडी करेंगे। फील्ड एक्स्पोजर के बाद सभी इंटर्न को फील्ड विजिट पर भेजा जाएगा। उम्मीद है कि सरकार की जो भी महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। सभी में इस प्रोजेक्ट के माध्यम से अगले 2 महीने के बाद हमें काफी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

ईद बकरीद पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर रामगढ़ थाना में हुई शांति समिति की बैठक विभिन्न मुद्दे पर हुई चर्चा

रामगढ़/रामजी साह।

रामगढ़ थाना में बुधवार को ईद बकरीद पर्व के शांतिपूर्ण बनाए जाने को लेकर थाना प्रभारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें वीडियो कंप्लेंट कुमार सिन्हा प्रखंड प्रमुख बाबूलाल मुर्मू थाना प्रभारी मनीष कुमार ने सभी मुस्लिम समुदायों को ईद बकरीद पर शांतिपूर्ण भाईचारा के माहौल में मनाए जाने की पुरजोर अपील किया तथा उन्हें ईद बकरीद पर्व की शुभकामना भी दिया वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी प्रशासन के समक्ष ईद बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण बनाए जाने की अपनी सहमति जताई मौके पर पंचायत समिति सदस्य नवनीत शेखर चंद्रशेखर सोरेन मोहम्मद सफरुद्दीन, मोहम्मद मंसूर आलम मोहम्मद गुड्डू आलम, मोहम्मद असलम चंद्रशेखर सोरेन सोनाई हांसदा आदि मौजूद थे।

शिकारीपाड़ा थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

शिकारीपाड़ा/दुमका।

शिकारीपाड़ा थाना परिसर में बकरीद पर्व को शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी को बताया गया कि बकरीद पर्व शान्ति पूर्ण और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाना है। शिकारीपाड़ा का इतिहास रहा है कि

यहां सभी समुदाय के लोग अपने अपने पर्व सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाते है। सभी से यह अपील की गई है अपवाह पर ध्यान नहीं दे , ऐसे कुछ सूचना मिलती है तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें, किसी भी खबर को बिना सत्यता के एक दूसरे को ना भेजे। बैठक में अंचलाधिकारी कपिल देव ठाकुर, एसआई आशीष भारद्वाज , आनंद हेंब्रम, साथ ही कलीमुद्दीन अंसारी, प्रभु नाथ हांसदा, राजीव लोचन साव, सागर पाल, सुभाष मंडल, फादर अंसारी सहित गण मान्य लोग मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक ने मासिक अपराध गोष्ठी का समीक्षा बैठक आयोजित की

सभी थाना, ओपी प्रभारी, संबंधित शाखा प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण, सड़क दुर्घटना पर नियंत्रण, श्व्रू 112 के माध्यम से प्राप्त शिकायत पाट्रेट जांच एवं विधि सम वट आवश्यक कार्यवाही, स्कूल कॉलेज हॉट बाजार इत्यादि स्थानों में महिला उत्पीड़न एवं तस्करी दान प्रथा आदि निर्देश दिया गया।

पाकुड़ पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की अध्यक्षता में पदभार संभालने के अपने कार्यालय कक्ष में पहली बार बुधवार को मासिक अपराध गोष्ठी

की समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में मुख्यालय डीएसपी जितेंद्र कुमार, डीएसपी अजय आर्यन, पाकुड़ एसडीपीओ दयानंद आजाद, महेशपुर एसडीपीओ विजय कुमार जिला भर से इंस्पेक्टर व थाना ओपी प्रभारी, शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। म?ई माह में किये गए कार्यो की समीक्षा के उपरांत सभी थाना, ओपी प्रभारी, संबंधित शाखा प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। लंबित साईबर कांडों, यूडी केस को भी त्वरित निष्पादन करने का आदेश दिया गया। थाना-ओपी में लंबित सभी कांडों का विस्तृत समीक्षा कर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु सभी पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक प्रभाग को निर्देश दिया गया। थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग पार्टी को मुस्तैदी के साथ भ्रमण करने का निर्देश दिया। सभी थाना, ओपी प्रभारी को अपने स्तर से अभियान चलाकर लंबित वारंट, कुर्की का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। परिवाद पत्र, पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन का निष्पादन निर्धारित समय में करने का निर्देश दिया गया। थाना में आने वाले फरियादियों, आवेदको का शालीनता के साथ उनकी समस्याओं को सुनने एवं त्वरित जांचोपरांत विधि सम्मत आवश्यक कारवाई करने का निर्देश दिया गया। न्यायालय से प्राप्त परिवाद पत्र पर त्वरित एफआईआर करने का निर्देश दिया गया। मौके पर एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि बकरीद पर्व के मध्य नजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया। असामाजिक तत्व पर कड़ी नजर रखने के लिए थाना प्रभारी का निर्देशित किया गया महिला संबंधी अपराधों को रोकने के लिए बीट अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनवाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई- निविदा संख्या:** ईएस/12/खुली/2025-26 **(1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि:** (अ) धनबाद डिवीजन में एसएसई/ई/गोमो के अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न स्थानों पर एलटी पैनलों के प्रावधान/प्रतिस्थापन के द्वारा बिजली आपूर्ति प्रणाली का विस्तार। (ब) धनबाद डिवीजन में स्टाफ क्वार्टरों में अर्थिंग सिस्टम का विस्तार। (स) धनबाद डिवीजन में बरकाकाना और चोपन सब-स्टेशनों पर स्थापित दोषपूर्ण एचटी वीसीबी पैनलों की मरम्मत। (कार्य समापन अवधि: बारह माह) **(2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु.1,14,59,346.18 **(3) बिड सिक्युरिटी:** रु.2,07,300.00, **ई-निविदा संख्या:** ईएल/13/खुली/2025-26 **(4) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि:** धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पैनल रूम में एसी सुविधा का प्रावधान। (कार्य समापन अवधि: बारह माह) **(5) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु.52,41,326.64 **(6) बिड सिक्युरिटी:** रु.1,04,800.00 **(7) बिड मूल्यांकन प्रणाली:** एक पैकेट प्रणाली **(8) ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई-निविदा बंद होने की तिथि:दिनाक 25.06.2025 को 11:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 25.06.2025 को 11:30 बजे के बाद। **(9) वेबसाईट का विवरण:** वेबसाइट **www.ireps.gov.in** ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे। **मंडल रेल प्रबंधक (विधुत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद**

पीआर/0357/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/40

पहली बार हो रहा सेना का निर्लज्ज इस्तेमाल

विचार

> भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चौथे दिन दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का सबसे पहले ऐलान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 11 मर्तबा यह दावा कर चुके हैं कि दोनों देशों को उन्होंने ही संघर्ष विराम के लिए मजबूर किया ताकि परमाणु युद्ध को टाला जा सके। वे कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कह चुके हैं, जो कि भारत की स्थापित और सुविचारित विदेश नीति के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी इन सारे सवालों का जवाब देने के बजाय सेना की आड़ में छिपते दिख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े अन्य संगठन देश भर में सैन्य वर्दी में प्रधानमंत्री की तस्वीरों वाले पोस्टर और होर्डिंग्स के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाने का प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, सेना के जरिये भी झूठे वीडियो जारी कराए जा रहे हैं।

अनिल जैन

चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। जम्मू-कश्मीर के कारगिल में भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई से जुलाई के बीच तीन महीने तक सैन्य संघर्ष चला था, जिसमें भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना को अपनी जमीन से खदेड़ने में कामयाब रही थी। उससे पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार गिर चुकी थी, जिसकी वजह से लोकसभा के मध्यावधि चुनाव होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने चुनाव के मद्देनजर कारगिल की लड़ाई में भारतीय सेना की कामयाबी को वाजपेयी सरकार की उपलब्धि के तौर पर प्रचारित करने के लिए दिल्ली में कुछ स्थानों पर पोस्टर लगाए थे, जिनमें वाजपेयी के साथ ही भारत के तीनों सेना प्रमुखों को भी दिखाया गया था। भारत के पूर्व थल सेनाध्यक्ष वेद प्रकाश मलिक ने अपनी किताब 'कारगिल' फ्रॉम सरप्राइज टु विक्ट्री' में खुलासा किया है कि उन्हें जब ऐसे पोस्टरों की जानकारी मिली तो उन्होंने इस बारे में प्रधानमंत्री वाजपेयी से शिकायत की और कहा कि यह नहीं होना चाहिए। वाजपेयी ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा नहीं होगा और फिर वाकई ऐसा नहीं हुआ। इससे पहले भी पाकिस्तान को भारतीय सेना 1965 और 1971 के युद्ध में धूल चटा चुकी थी। यही नहीं, बहुत कम लोगों को जानकारी है कि भारत का चीन के साथ 1962 के बाद 1967 में एक सीमित युद्ध भी सिक्किम के सीमांत में हुआ था, जिसमें भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से चीन को उसकी सीमा में धकेलने में कामयाबी हासिल की थी। तब भी सेना की इस कामयाबी का तत्कालीन सरकारों ने चुनावों में कभी भी राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया। इसके अलावा पिछले 27 वर्षों के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ 11

मर्तबा सर्जिकल स्ट्राइक की है, जिनमें से 9 सर्जिकल स्ट्राइक 2014 के पहले तक और दो बार 2014 के बाद हुई। 2014 के पहले तक किसी भी सरकार ने भारतीय सेना के पराक्रम का चुनावी इस्तेमाल नहीं किया। इधर पिछले एक दशक से सरकार ने सेना की हर कार्रवाई को अपने राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा और सेना को प्रकारांतर से सत्तारूढ़ दल का एक मोर्चा संगठन जैसा मान लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी हर चुनाव में सेना के नाम का खुलकर इस्तेमाल करती है, उसके किसी भी कारनामे को अपनी उपलब्धि बता कर वोट मांगती है। चुनावी रैलियों के मंच पर लगे बैनर-पोस्टरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ सैन्य प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं, कभी-कभी तो सरकार की ओर से सेना के अफसरों को भी अपने प्रवक्ता की तरह काम करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। चूंकि चुनाव आयोग का चरित्र भी अब पूरी तरह बदल चुका है, लिहाजा वह भी यह सब खामोश रहकर देखता रहता है। मीडिया पूरी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका है, इसलिए वह सेना के इस बेजा इस्तेमाल पर कोई सवाल नहीं उठाता। न्यायपालिका का रवैया भी इस मामले में कमोबेश चुनाव आयोग और मीडिया जैसा ही रहता है। कुल मिलाकर कोई भी सक्षम संवैधानिक संस्था सेना के इस तरह राजनीतिकरण किए जाने की कोशिशों के खतरों को समझते हुए उन कोशिशों पर अंकुश लगाने की अपनी भूमिका निभाती नहीं दिखती। इस समय भी यही सब कुछ हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कश्मीर के पहलगाम में हुए पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के संरक्षण में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने पराक्रम का सटीक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान में उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के कई ठिकानों को नष्ट करने किया है। लेकिन लक्ष्य पूरा होने से पहले ही भारतीय सेना की कार्रवाई अचानक क्यों और किसके दबाव में रोक दी गई, इस सवाल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। यह सवाल विपक्षी दलों के अलावा, भारतीय सेना के कई पूर्व अधिकारी, सामरिक मामलों के जानकार, वैकल्पिक मीडिया के पत्रकार और सोशल मीडिया में आम लोग भी पूछ रहे हैं। यह सवाल उन हलकों को भी बेचैन और निराश किए हुए हैं, जो आम तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और उसमें भी विशेष रूप से पाकिस्तान से जुड़े मसले पर हमेशा सत्ताधारी राजनीतिक समूह के नजरिये से इत्तफाक रखते हैं। साथ ही नरेंद्र मोदी को भारत का ही नहीं बल्कि समूचे विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय, दूरदर्शी और शक्तिशाली नेता मानते हैं। युद्ध छोटा हो या बड़ा, दोनों पक्षों को कुछ न कुछ नुकसान उठाना ही पड़ता है और दोनों पक्ष एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा भी करते हैं। इसलिए पाकिस्तान का यह दावा करना स्वाभाविक है कि उसने भारत के कई लड़ाकू विमानों नुकसान पहुंचाया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत के साथ सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान में लोगों ने जश्न मनाया है और 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह भी पहली बार हुआ है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिक्रिया का भारतीय सेना द्वारा बहादुरी से जवाब देने के बावजूद भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चौथे दिन दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का सबसे पहले ऐलान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब तक 11 मर्तबा यह दावा कर चुके हैं कि दोनों देशों को उन्होंने ही संघर्ष विराम के लिए मजबूर किया ताकि परमाणु युद्ध को टाला जा सके। वे कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कह चुके हैं, जो कि भारत की स्थापित और सुविचारित विदेश नीति के खिलाफ है। प्रधानमंत्री मोदी इन सारे सवालों का जवाब देने के बजाय सेना की आड़ में छिपते दिख रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े अन्य संगठन देश भर में सैन्य वर्दी में प्रधानमंत्री की तस्वीरों वाले पोस्टर और होर्डिंग्स के जरिये पाकिस्तान को सबक सिखाने का प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, सेना के जरिये भी झूठे वीडियो जारी कराए जा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री देश भर में रैलियों के माध्यम से 'घर में घुस कर मारूंगा', 'ठोंक दूंगा', 'मिट्टी में मिला दूंगा', 'रोटी खाओ और चैन से रहो, नहीं तो मेरी गोली खाओ' जैसे सस्ते फिल्मी डॉयलॉगों के जरिये लोगों को बहलाने का प्रयास कर रहे हैं। हर जगह एक जैसी भाषा और एक जैसा चिंघाड़ता हुआ अंदाज। दरअसल प्रधानमंत्री के पास सवालों के जवाब नहीं हैं, इसलिए उनकी सरकार के किसी मंत्री या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं के पास भी जवाब होने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए उनकी पार्टी के प्रवक्ता टीवी चैनलों की डिबेट में विपक्षी पार्टी के प्रवक्ताओं को उनके सवालों का जवाब देने के बजाय मां-बहन की गालियां दे रहे हैं और चैनल के एंकर-एंकरनियां उन्हें गालियां देते देख मुदित होते हुए देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण करते हुए सत्तारूढ़ दल की योजना तो देश भर में महिलाओं के लिए घर-घर सिंदूर पहुंचाने की भी थी। उसके प्रवत्ताओं की ओर से टीवी चैनलों पर बाकायदा इसका औचित्य भी बताया जा रहा था, लेकिन इस मामले को लेकर सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उठते तीखें सवालों ने सत्तारूढ पार्टी को इस योजना पर अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर कर दिया। मोदी की हताशा इस बात से भी समझी जा सकती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मलिन हो चुकी छवि को चमकाने के लिए उन्हें कांग्रेस के उसी नेता यानी शशि थरूर का सहारा लेना पड़ा जिसे नीचा दिखाने के लिए उन्होंने एक बार उनकी पत्नी को 'पचास करोड़ की गर्ल फ्रेंड' बताने जैसा भद्दा फिकरा कसा था और उन्हीं शशि थरूर ने मोदी को 'शिवलिंग से लिपटा बिच्छू' करार दिया था। प्रधानमंत्री ने थरूर सहित पक्ष-विपक्ष के कई सांसदों और पूर्व सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजने की जो कवायद की थी, वह भी बेमतलब साबित हुई है। कुल मिलाकर पूरा सूरत-ए-हाल यह बता रहा है कि प्रधानमंत्री सहित पूरा सत्तापक्ष जिस राष्ट्रीय सुरक्षा और जिस राष्ट्रवाद के मुद्दे को वह अपना तुरुप का इक्का समझता था, उसका कथानक अब उसके हाथ से फिसल चुका है। ऐसा पिछले 11 साल में पहली बार हुआ है। इसीलिए अब वह सेना के पीछे छिपने की भौंडी कोशिश करता दिख रहा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

संपादकीय

पूर्वोत्तर में तबाही की बारिश

पूर्वोत्तर में इस बार भी बारिश ने तबाही मचा दी है। लाखों लोगों का जीवन संकट में है। असम सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नही, मानवीय संकट भी है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूर्वीत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नही पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बढ़ी है। पूर्वीत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नही बन पाया है, तो इसकी क्या वजह है? मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रपट के मुताबिक 764 गांव जलमग्न हो गए हैं। पूरे पूर्वीत्तर में बरसात के दिनों में यही तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाढ़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नही करती। जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गईं, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूर्वीत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्यापक प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है। वहीं उफनती नदियां तबाही मचा देती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए। हर वर्ष तबाही की बारिश से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनाना वक्त का तकाजा है।

रोहिंग्या पलायन के बाद बांग्लादेश-म्यांमार के द्विपक्षीय संबंध

प्रो. शान्तेष कुमार सिंह

2017 में रोहिंग्या पलायन के बाद बांग्लादेश-म्यांमार के द्विपक्षीय संबंध गहराई से खंडित रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता और महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता से उलझी एक व्यापक भू-राजनीतिक दोष रेखा में विकसित हो रहे हैं. जबकि बांग्लादेश दस लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का बोझ उठाना जारी रखता है, म्यांमार 2021 के तख्तापलट के बाद तेजी से सैन्यीकृत और खंडित हो गया है, जिसमें अराकान आर्मी (एए) जैसे विद्रोही समूहों ने राखीन राज्य के बड़े हिस्से पर अभूतपूर्व नियंत्रण हासिल कर लिया है. इस बीच, बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का उदय, सैन्य समर्थित चुनाव की तैयारियाँ, प्रस्तावित यू.एस. समर्थित मानवीय गलियारा और भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय अस्थिरता और विदेशी हितों के पहले से ही जटिल मैट्रिक्स में नए आयाम पेश किए हैं. इस संकट का सबसे स्पष्ट मानवीय परिणाम रोहिंग्या विस्थापन है. शुरू में एक अस्थायी मुद्दे के रूप में देखा गया यह संकट एक लंबे समय तक चलने वाला चरित्र ले चुका है. चीन द्वारा 2023 में लगभग 1,000 रोहिंग्याओं की राखीन में "पायलट वापसी" के लिए मध्यस्थता सहित कई बार प्रत्यावर्तन समझौतों के बावजूद, असुरक्षा, नागरिकता की गारंटी की कमी और म्यांमार सेना (तत्मादाव) और जातीय सशस्त्र समूहों के बीच ताजा झड़पों के कारण प्रगति रुक गई है. इस अस्थिर स्थिति में, अराकान सेना एक केंद्रीय अभिनेता के रूप में उभरी है. एक अलग राखीन राज्य की आकांक्षाओं की घोषणा करते हुए, एए अब उत्तरी राखीन के कई हिस्सों में प्रशासनिक, न्यायिक और सैन्य कार्यों को नियंत्रित करता है, जो नेपीडॉ के अधिकार को खुले तौर पर चुनौती देता है. म्यांमार में सैन्य सरकार के राखीन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण खोने के साथ, बांग्लादेश खुद को सीमा पार अस्थिरता और सुरक्षित

प्रत्यावर्तन की सुविधा के लिए अंतरराष्ट्रीय अपेक्षाओं के बीच फंसा हुआ पाता है. यह इस संदर्भ में है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2024 की शुरुआत में एक "मानवीय गलियारे" का प्रस्ताव रखा, जिसमें बांग्लादेश से अराकान-प्रशासित राखीन क्षेत्रों में स्वैच्छिक रोहिंग्या वापसी के लिए संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाला मार्ग है. हालाँकि इस पहल को मानवाधिकार संगठनों और कुछ आसियान देशों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन म्यांमार की सेना और चीन दोनों ने इसकी आलोचना की है. नेपीडॉ अपनी संप्रभुता को दरकिनार करने वाले किसी भी गलियारे का विरोध करता है, जबकि चीन इसे अपने रणनीतिक पिछवाड़े में पश्चिमी अतिक्रमण के रूप में देखता है, विशेष रूप से चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे (उटएउ) के लिए खतरा है जो राखीन से होकर गुजरता है. बांग्लादेश और म्यांमार के वर्तमान विवाद का चीन पर सबसे ज्यादा प्रभाव उसके रणनीतिक और आर्थिक हितों पर पड़ रहा है. बदलते बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में चीन सतर्कता बरत रहा है, अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है और बांग्लादेश के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है. चीन इस मुद्दे पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता और अपने निवेश सुरक्षित रहें. चीन इस संकट को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव हितों के नज़रिए से देखता है, जिसमें रणनीतिक क्योकफ्यू डीप-सी पोर्ट और चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (उटएउ) शामिल है. चीन म्यांमार में अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय है. म्यांमार-बांग्लादेश सीमा पर अस्थिरता से चीन की "वन बेल्ट वन रोड" (डइडफ) परियोजनाओं और व्यापार मार्गों पर असर पड़ सकता है. चीन क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखना चाहता है क्योंकि अस्थिरता उसके निवेश और परियोजनाओं के लिए जोखिम पैदा करती है. म्यांमार में गृहयुद्ध और सीमा पर हिंसा से चीन की रणनीतिक योजनाओं पर भी प्रभाव पड़ता है. चीन रोहिंग्या मुद्दे पर सावधानी बरतता है और इस मुद्दे को सीधे तौर पर उठाने से बचता है, ताकि म्यांमार से संबंध खराब न हों. यह मानवीय गलियारा अअ की व्यापक भू-राजनीतिक रणनीति के साथ भी प्रतिध्वनित होता है. अराकान सेना ने सावधानीपूर्वक इस विचार का स्वागत किया है, इसे वास्तविक स्वायत्तता और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता की ओर एक कदम के रूप में देखा है. "थ्री ब्रदरहुड एलायंस" का हिस्सा समूह ने 2023 के अंत में "ऑपरेशन 1027" के बाद से अपने संचालन का काफी विस्तार किया है, और राखीन के अधिकांश हिस्से से म्यांमार की सेना को प्रभावी रूप से खदेड़ दिया है. इसका प्रभुत्व बांग्लादेश की प्रत्यावर्तन महत्वाकांक्षाओं को जटिल बनाता है, क्योंकि ढाका अब एक कूटनीतिक दुविधा का सामना कर रहा है: शरणार्थियों के प्रत्यावर्तन के लिए गैर-राज्य अभिनेताओं से निपटना, जबकि म्यांमार की सैन्य सेना के साथ औपचारिक संबंध बनाए रखना, जिसे वह आधिकारिक रूप से मान्यता देता है. घरेलू मोर्चे पर, बांग्लादेश खुद राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर में प्रवेश कर चुका है. अपनी दक्षिण-पूर्वी सीमा पर बढ़ते सुरक्षा खतरों और शरणार्थी प्रबंधन को लेकर बढ़ते आंतरिक असंतोष के बीच, देश ने 2024 के अंत में एक अंतरिम सरकार बनाई, जिसे बांग्लादेश की सेना का समर्थन प्राप्त है, जो 2025 की शुरुआत में होने वाली संक्रमणकालीन चुनावी प्रक्रिया की देखरेख करेगी. यह कदम सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्षी दलों के बीच बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया, जिससे लोकतांत्रिक पतन की आशंका बढ़ गई. सेना द्वारा "कार्यवाहक चुनाव ढांचे" का समर्थन पिछले राजनीतिक हस्तक्षेपों की याद दिलाता है, और इसका विदेशी संबंधों पर प्रभाव पड़ता है. उल्लेखनीय रूप से, चीन ने सेना समर्थित व्यवस्था को स्थिर करने वाला मानते हुए मौन समर्थन व्यक्त किया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ ने चुनावी पारदर्शिता पर चिंता व्यक्त की. भारत की स्थिति अभी भी अस्पष्ट बनी हुई है. पूर्वीत्तर में उग्रवाद विरोधी समन्वय के लिए ऐतिहासिक रूप से म्यांमार की सेना के साथ गठबंधन करने वाली नई दिल्ली अब अराकान सेना के उदय से अपनी रणनीतिक गणना को बाधित पाती है, जो भारतीय विद्रोहियों के साथ संबंध बनाए रखती है. भारत की कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट परियोजना, जो राखीन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण व्यापार लिंक है, इस क्षेत्र में अराकान सेना के नियंत्रण से गंभीर रूप से प्रभावित हुई है. जवाब में, भारत ने अपनी पूर्वी सीमा पर सुरक्षा अभियान बढ़ा दिए हैं और ढाका और नेपीडॉ दोनों पर गैर-राज्य अभिनेताओं के प्रभाव को रोकने के लिए दबाव डाल रहा है. इस बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के विस्तार और रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के कथित निष्कासन पर बेचैनी का संकेत दिया है, जिससे सिलहट-मेघालय और त्रिपुरा-चटोग्राम सीमाओं पर तनाव बढ़ गया है. भारत मानवीय गलियारे के माध्यम से अमेरिकी भागीदारी से भी सावधान है, इसे अपने क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए एक अप्रत्यक्ष चुनौती के रूप में देख रहा है. साथ ही, भारत को अपनी एक्ट ईस्ट नीति और बांग्लादेश के सैन्य और नागरिक प्रतिष्ठानों के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को संतुलित करना चाहिए।

वर्षाजल संचय में शहरी इलाकों पर दें ज्यादा ध्यान

पंकज श्रीवास्तव

बरसात के पानी को विभिन्न माध्यमों से भू-गर्भ में पहुंचाने के प्रयासों के तहत केन्द्र सरकार के 'कैच-द-रेन अभियान' के सकारात्मक नतीजे आने लगे हैं। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में तेलंगाना राज्य इस अभियान के तहत जलसंरक्षण कार्यों में अव्वल रहा है। टॉप टेन राज्यों में छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर और राजस्थान व मध्यप्रदेश क्रमशः तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। इस रिपोर्ट का जिक्रप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पिछली भोपाल यात्रा में भी किया। उन्होंने लोकमाता अहिल्या देवी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जल संरक्षण के लिए जो कार्य किए उन्हीं से प्रेरणा लेकर सरकार कैच-द-रेन अभियान चला रही है। सही मायने में यह एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसमें वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण प्राथमिकता से किया जाता है। कुएं, बावड़ी और तालाबों के निर्माण के साथ सूख चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है। इस रैंकिंग में जिलों की सूची देखें तो मध्यप्रदेश का खंडवा जिला अव्वल है। राजस्थान का भीलवाड़ा दूसरे व छत्तीसगढ़ का बालोद जिला तीसरे स्थान पर है। खास बात यह है कि ये वे जिले हैं जहां पेयजल को लेकर स्थितियां कभी सामान्य

नहीं रहीं। इसलिए लोग यहां जल का महत्व बेहतर तौर पर समझते हैं। क्षेत्रफल व आबादी के आधार पर ये जिले इन प्रदेशों के दूसरे बड़े जिलों से कम है। यदि बड़े जिलों व उनके मुख्यालयों को शामिल किया जाए तो शायद वे रैंकिंग में काफी नीचे रहें। क्योंकि विकास की दौड़ में ये कंक्रीट जंगल बनते जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो जल संचय का काम शहरी इलाकों के मुकाबले पहले ही बेहतर होता आया है। इसलिए बड़े शहरों व बड़े जिलों की रैंकिंग अलग से बनाने से ही पता चल पाएगा कि यहां 'कैच-द-रेन अभियान' ने कितनी गति पकड़ी है। भवन निर्माण में अनिवार्य शर्त के रूप में कई शहरों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग को शामिल कर दिया गया है लेकिन ये निर्देश कागजी साबित हो रहे हैं। और तो और सरकारी इमारतों तक में इनकी पालना नहीं हो रही। हकीकत तो यह है कि ग्राउंड वाटर लेवल को कम करने में जितना योगदान ये बड़े शहर दे रहे हैं उतना वाटर री-चार्जिंग में दे रहे हैं या नहीं यह जांचना ज्यादा जरूरी है। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट बार बार हवाला देती हैं कि अत्यधिक भू-जल दोहन से जमीन के अंदर स्थितियां बदल रही हैं जो भविष्य में भूकंप का कारण बन सकती हैं। यानी हम दोहरी आपदा की तरफ बढ़ रहे हैं। वाटर हार्वेस्टिंग को शहर सरकारों ने अनिवार्य और संपत्ति कर में छूट जैसे प्रावधान भी कर दिए लेकिन इसकी निगरानी की कोई व्यवस्थाएं नहीं हैं। यही नहीं शहरों में वाटर री-चार्जिंग के जो प्राकृतिक स्रोत हैं वे भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। आम जन की भागीदारी के साथ शहरों में वाटर हार्वेस्टिंग के प्रयास किए जाएं तब जाकर ही बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन** : 9471170557/08084674042, **ई-मेल** : aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

राजमहल पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हांसदा की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। राजमहल पुलिस निरीक्षक ने आपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को राजमहल पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हांसदा की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। मौके पर राजमहल प्रभाग के सभी थाना प्रभारियों से कांडों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण करने, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सहित अन्य दिशा-निर्देश दिया। क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाये रखने की हिदायत दी। साथ ही आगामी 7 जून को मनाए जाने वाला त्यौहार ईद उल अजहा (बकरीद) को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस के द्वारा रात्रि गश्ती, अपराधिक छवि वालों पर पुलिस की पैनी नजर रखने को कहा गया। मौके पर राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर, महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज आदि अन्य उपस्थित थे।

ईद उल अजहा बकरीद त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए शांति समिति की बैठक की गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। मुफस्सिल थाना परिसर में बुधवार को थाना प्रभारी मदन कुमार की अध्यक्षता में ईद उल अजहा बकरीद त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में थाना प्रभारी ने कहा कि बकरीद त्यौहार में कुर्बानी करने के लिए किसी भी समुदाय के आस्था को ठेस नहीं पहुंचे। वहीं उन्होंने बारी बारी से मस्जिद एवं ईदगाह में नमाज होने के समय पर चर्चा किया गया और कहा गया की ईदगाह में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहेगी। शांति समिति के सदस्यों के माध्यम से लोगों को आपसी भाईचारे के साथ ईद उल अजहा त्यौहार मनाने की थाना प्रभारी ने अपील की। बैठक में एसआई अजीत लकड़ा, ददन कुमार, बजेश सिंह, अखिलेश सिंह, एएसआई मो असलम, चंचल कुमार, रविन्द्र सिंह, विरेंद्र यादव के अलावे मुजम्मिल हक, कामरान अहमद, अब्दुल हन्नान, दिनेश पासवान, दारा यादव, मनोज यादव, मो नजरुल, सबदुल अंसारी, अजय यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

गुणवत्ता पूर्ण उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए राजमहल विधायक प्रयासरत- मो मारूफ

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कादिर टोला में बुधवार को आठवां क्लास के पास आउट बच्चों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए. उन्होंने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन करते हुए कहा कि दियारा क्षेत्र में काफी होनहार छात्र हैं जिन्हें उच्च स्तरीय शिक्षा में काफी परेशानी होती है इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा क्षेत्र में बहस हो इसको लेकर राजमहल विधायक लगातार प्रयासरत हैं. वहीं विद्यालय के प्राचार्य अब्दुल रज्जाक ने विद्यालय की ओर से राजमहल विधायक के नाम एक मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि विद्यालय को अपग्रेड कर हाई स्कूल किया जाए साथ ही 11 क्षेत्र 3 महीना बाढ़ से ग्रसित हो जाता है ऐसे में बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है तो दियारा क्षेत्र में ही उच्च स्तरीय शिक्षा की व्यवस्था हो. आठवां के पास ऑटो बच्चों का रिजल्ट विधायक प्रतिनिधि के हाथों वितरण भी किया गया. मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू, मोहम्मद तजरुल हक, गुलाम सरवर, जहांगीर शेख सहित अन्य मौजूद थे.

रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए बुधवार को सदर बीडीओ बासूकी नाथ टुडु को लिखित शिकायत की

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। सदर प्रखंड के गंगा प्रसाद पश्चिम स्थित छोटी कोदर जन्ना के प्रधानमंत्री आवास के लाभूक शेख पप्पू पिता रोजिया ने पंचायत के रोजगार सेवक पर रुपए मांगने का आरोप लगाते हुए बुधवार को सदर बीडीओ बासूकी नाथ टुडु को लिखित शिकायत की है। लाभुक ने पप्पू ने बताया कि मेरे द्वारा आवास योजना के प्रथम किस्त रुपया से प्रधानमंत्री आवास का छत लेवल तक कार्य किया जा चुका है।आगे की राशि भेजने के नाम पर रोजगार सेवक सुबोध कुमार द्वारा उनसे पांच सौ रुपए की मांग कर रहा है। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व युवा प्रखंड अध्यक्ष नेता जाबीर आलम ने कहा कि इन दिनों प्रखंड में प्रधानमंत्री आवास में बिचौलिया हावी है। बिना रुपया दिए कोई भी काम नहीं होता है। इस संबंध में रोज़गार सेवक से संपर्क नहीं हो सका था।

दीपक ज्वेलर्स ज्वेलरी दुकान में अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने दिन दहाड़े डकैती जैसी घटना को अंजाम दिया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के कल्याणचक मुख्य बाजार मे दीपक ज्वेलर्स ज्वेलरी दुकान में अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने दिन दहाड़े डकैती जैसी घटना को अंजाम दिया। वही पीड़ित दुकानदार अजीत शर्मा ने बताया कि मैं अपनी दुकान पर करीब शाम 5ः00 बजे बैठा हुआ था, अचानक दो बाइक पर सवार चार नकाब पोस लुटेरे मेरी दुकान के सामने रुके साथ दुकान घुसने के साथ ही मेरे साथ हथियार के बल पर मारपीट करने लगे। वही दुकान में रखे चांदी के जेवरात लगभग जिनका वजन 4 किलो है। लुटेरो ने शीशा तोड़कर चांदी के आभूषण निकलकर भागने लगे तभी दुकानदार ने अपराधियों को रोका तो लुटेरों ने बंदूक से गोली चला दी। साथ ही दुकान में रखें सभी चांदी के समान को लूट कर दुकान से बाहर निकाल कर बंदूक से फायरिंग करते हुए भाग निकले। घटना शाम 5 बजे शाम की बताई जा रही है। गोली चलते ही कल्यानचक के सभी दुकानदारों अपने अपने दुकान को बंद कर दिया। लूटपाट के बाद ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर जुट गई। घटना को लेकर स्थानीय दुकानदारो व घर वालो मे भय का माहौल बना हुआ था। लूटपाट की घटना से ग्रामीणों मे आक्रोश देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया जा रहा है कि थाना से महज 5 किलोमीटर के अन्दर दिन मे ही लूटपाट से ग्रामीणों ने गुस्सा होकर कहा कि घटना में जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी हो। घटना की जनाकारी मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी घटना स्थल पर पहुचकर दुकानदार से लूटपाट की वारदात की जानकारी लेते हुए, बगल सिंगार स्टोर के सीसीटीवी फुटेज खंगालने लगे। साथ ही एसडीपीओ ने स्थल से सभी जानकारी लेते हुए छानबीन मे जुट गए। साथ ही दुकान के बाहर गोली गिरी हुई मिली जहाँ पुलिस ने चारो ओर से गोली को घेर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही राजमहल पुलिस निरीक्षक श्याम लाल हांसदा, तीनपहाड़ थाना प्रभारी एमके पांडेय, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, राजमहल के एसआई सहित पुलिस बल उपस्थित थे।

आरडीएसएस योजना के अंतर्गत कार्य में लापरवाही पर कार्यकारी एजेंसी से मांगा गया स्पष्टीकरण

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में झारखंड विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न विद्युत योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विशेष रूप से एमयूजेवाई और आरडीएसएस की गहन समीक्षा की गई। बैठक में डीसी ने एमयूजेवाई योजना की प्रगति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि योजना लागू होने के बावजूद अब तक एक भी गांव में विद्युत कनेक्शन नहीं दिया जा सका है, जो अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में तेजी लाकर योजना को शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द बिजली की सुविधा मिल सके। आरडीएसएस योजना की समीक्षा के दौरान पाया गया कि योजना के अंतर्गत कार्य कर रही संवेदक एजेंसी द्वारा कार्य में काफी धीमापन है। अब तक मात्र 91 किलोमीटर केबल ही रिप्लेस किया गया है। डीसी ने असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यकारी एजेंसी से स्पष्टीकरण मांगा। बैठक में यह भी बताया गया कि संवेदक द्वारा कई बार रात्रिकालीन कार्य का आश्वासन दिया गया है, किंतु जमीनी स्तर पर प्रगति अत्यंत धीमी है। डीसी ने निर्देश दिए कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की जानकारी आम जनता को दी जाए। साथ ही, कार्यकारी संवेदक को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट डीसी को समर्पित करने का निर्देश भी दिया गया। इस समीक्षा बैठक में जिला विद्युत आपूर्ति पदाधिकारी शंभूनाथ चौधरी समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। डीसी ने सभी अधिकारियों को चेतावनी दी कि कार्यों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में 04 जून 2025 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
झारखण्ड नगरपालिका संवेदक निबंधन (संशोधन) नियमावली, 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।

पाकुड़ अन्तर्गत पाकुड़- बरहरवा मुख्य पथ (12th Km. of NH-133A) से पाली गगन पहाड़ी पश्चिम बंगाल बॉर्डर भाया कुसमा फाटक पथ (कुल लम्बाई - 6.630 कि0मी0) को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य (भू-अर्जन, युटिलिटी शिफ्टिंग (Electric Pole & Transformer), युटिलिटी शिफ्टिंग(Water Supply), R&R, एवं वृक्षारोपण सहित) हेतु रू0 40,39,98,300/- (चालीस करोड़ उनचालीस लाख अंठानबे हजार तीन सौ रू0) मात्र की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

दिनांक-01.04.2011 से लागू जलदर अधिसूचना संख्या-272 दिनांक 01.04.2011 में भूतलक्षी प्रभाव से जलदर में संशोधन हेतु पूर्व में निर्गत संकल्प संख्या-1/PMC/कोर्ट केस/22/2024-884, दिनांक-14.10.2024 में संशोधन करने की स्वीकृति दी गई।

खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड सरकार के अधीन राज्य सरकार की अनुषंगी कंपनी झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड (Jharkhand State Mineral Development Corporation Limited) के पदेन अध्यक्ष के रूप में सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग एवं पदेन प्रबंध निदेशक के रूप में निदेशक, खान, झारखण्ड को नामित करने हेतु घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 यथा संशोधित की धारा-26 (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 यथा संशोधित की धारा-21 (3), 21 (4) एवं 21(5) के प्रयोजनार्थ उक्त धाराओं के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार प्रत्यायोजित किये जाने के आदेश एवं निर्गत अधिसूचना पर घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

गढ़वा नगर परिषद अन्तर्गत गढ़वा शहरी जलापूर्ति योजना के आवर्धन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु कुल रू0 59,71,63,300/- (उनसठ करोड़ इकहत्तर लाख तिरसठ हजार तीन सौ रूपये) मात्र के तकनीकी स्वीकृति प्राप्त संशोधित पुनरीक्षित प्राक्कलन पर पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड, रांची के अन्तर्गत स्वीकृत पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।

राज्य के काराओं में सृजित चिकित्सक के पदों के हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई।

झारखण्ड वित्त नियमावली के नियम 235 को शिथिल करते हुए नियम 245 के तहत् मनोनयन के आधार पर राज्य रजिस्ट्रार और एनरोलमेंट एजेंसी अर्थात् सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेस विभाग एवं CSC-SPV के मध्य, सरकारी परिसर यथा-पंचायत भवन / वार्ड कार्यालय / शहरी निकाय कार्यालय में आधार स्थाई पंजीकरण केन्द्र (PEC) की स्थापना हेतु पूर्व में किए गए इकरारनामों को रद्द करते हुए UIDAI, भारत सरकार द्वार in-house model हेतु निर्गत दिशा-निर्देश के आलोक में CSC-SPV द्वारा सरकारी परिसर यथा-पंचायत भवन/वार्ड कार्यालय /शहरी निकाय कार्यालय में आधार केन्द्र (Update Client Lite) की स्थापना तथा इस हेतु राज्य सरकार एवं CSC-SPV के मध्य किये जाने वाले एकरारनामा प्रारूप की स्वीकृति दी गई।

विधेयक, 2025 का अधिनियमन की स्वीकृति दी गई।

नवनिर्मित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बोकारो एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, गोड्डा में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) के मापदंड के आलोक में शिक्षकों एवं आवश्यकतानुसार शिक्षकेत्तर कर्मियों के पद सृजन की स्वीकृति दी गई।

राजकीय कन्या मध्य विद्यालयों की सहायक शिक्षिकाओं की नियुक्ति की वैधता के संबंध में सी.बी.आई. के जाँच प्रतिवेदन में अवैध / अनियमित नियुक्ति घोषित शिक्षिकाओं के विरुद्ध की गई विभागीय कार्रवाई के फलाफल के विरुद्ध दायर याचिकाओं में माननीय उच्चतम् /उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के प्रसंग में उन्हें सेवा में पुनर्स्थापित कर/मानते हुए अनुमान्य लाभ एवं पेंशनादि की स्वीकृति दी गई।

बरहेट प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं की बैठक आयोजित की गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बरहेट प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में बुधवार के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं की बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में बाल विकास परियोजना कार्यालय बरहेट की महिला पर्यवेक्षका नूतन ठाकुर एवं सुमित्रा देवी ने उपस्थित सेविकाओं को बताई की सभी सेविकाओं को प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधि जिला कंट्रोल रूम में दे, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति और शिशु वृद्धि,फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया तथा केंद्र के संचालन से संबंधित जानकारी दी। सेविकाओं को यह भी बताया कि किसी भी सेविका के पास अगर ओटीपी या अन्य कोई विशेष जानकारी के लिए कॉल आए तो उसपर अपनी जानकारी शेयर न करे। बैठक में उपस्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज भोगनाडीह के जिला समन्वयक लक्ष्मी कुमारी ने सेविकाओं को एएनएम में दाखिला के लिए 17 से 30 वर्ष उम्र की महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करने की तिथि 12 जून तक और 15 जून को टेस्ट परीक्षा आयोजित होने की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं को आवेदन देने के लिए प्रेरित करें ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक को इसका लाभ मिल सके।

पाइप से अचानक भारी मात्रा में पानी रिसने लगा, जो पहाड़ से तेजी से नीचे गिरकर रिहायशी इलाकों में फैल गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। सदर प्रखंड क्षेत्र के अंजुमन नगर मोहल्ले में अडानी कंपनी की ओर से बिछाए गए वाटर पाइप में लीकेज हो जाने से बुधवार को पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। जहां स्थानीय लोगों ने बताया कि पाइप से अचानक भारी मात्रा में पानी रिसने लगा, जो पहाड़ से तेजी से नीचे गिरकर रिहायशी इलाकों में फैल गया। उधर देखते ही देखते मोहल्ले में बाढ़ जैसे हालात बन गए और कई घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उधर इस घटना के बाद मोहल्ले में गुस्सा फूट पड़ा। जहां लोगों का कहना है कि अडानी कंपनी की लापरवाही के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वही स्थानीय निवासी नसीम अंसारी ने बताया, ÷पाइप फटने से उनके घर में पानी घुस गया, दीवारें गिर गईं और सामान बर्बाद हो गया। अगर कंपनी मुआवजा नहीं देती है, तो हम आंदोलन करेंगे।÷ वही मोहल्ले के अन्य लोगों ने भी कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। जहां स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजे और पुनर्स्थापन की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।उधर अब तक अडानी कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

गंगा महाआरती का आयोजन जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की ओर किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर बनारस की तर्ज पर आज शाम छह बजे गंगा महाआरती का आयोजन जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की ओर किया गया है। जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव बुधवार को मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट तट पहुंचकर गंगा आरती की तैयारी का जायजा लिया। वही उन्होंने बताया कि गंगा दशहरा की शाम छह बजे गंगा पूजन व गंगा महाआरती का आयोजन किया गया है, जिसमें बनारस के पुरोहित, गंगा आरती के लिए पुरोहित, डमरू वादक, चवर वादक, रिद्धि सिद्धि, भजन मंडली की कुल 70 लोगों की टीम बनारस से आई है। जो बनारस वाली गंगा महाआरती करेगी। गंगा आरती से पूर्व वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। आप सभी जिलेवासी, श्रद्धालु इस भव्य गंगा महाआरती में सादर आमंत्रित है। गंगा घाट में श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। गंगा घाट को दुल्हन की तरह से सजाया जा रहा है। गंगा घाट वाले रास्ते के सभी मंदिरों को भी सजाया जा रहा है। गंगा घाट के अंदर ओर बाहर बड़ा एलइडी टीवी स्क्रीन के जरिए भी श्रद्धालुओं को गंगा पूजन व आरती लाइव दिखाया जाएगा। गंगा आरती में शामिल श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है। मौके पर चंदन यादव, राहुल यादव, पिंटू यादव सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। नगर थाना परिसर में सीओ बास्कीनाथ टुडू की अध्यक्षता में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं शहर के गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि अफवाह फैलाने वाले के ऊपर कड़ी से कड़ी नजर रखें तथा साथ ही शांतिपूर्वक माहौल में त्योहार को मनाने में लोग सहयोग करें। जिस समाज में बिना प्रशाशन की मदद से कार्यक्रम सम्पन्न होता है वो समाज प्रशासन के नजर में बेहतर होता हैं। वहीं सीओ ने कहा कि लोग अमन चैन के साथ शांतिपूर्वक ढंग से बकरीद का पर्व मनाए। वही थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने सभी मोहर्रम लाइसेंसी अखाड़ों व गैर लाइसेंसी अखाड़ों का पुनः लाइसेंस के लिए अवगत कराते हुए कहा कि पिछले साल 2024 में जो लाइसेंस पूर्व एसडीओ के द्वारा रद्द किया गया था, सभी मोहर्रम अखाड़े वाले अपने-अपने लाइसेंस के लिए पहले एसडीओ और डीसी के साथ लाइसेंस के लिए समय रहते मिल ले। अन्यथा विलंब होने के बाद किसी को भी लाइसेंस दूसरे के नाम पर बाद में निर्गत नहीं दिया जाएगा। थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि विशेष नजर समाज के द्वारा रखने को कहा गया किसी प्रकार की कोई अफवाह आए तो उसे सर्कुलेट करने के बजाय थाना को सूचित करे, थाना प्रभारी ने कहा कि लोग आपसी भाईचारा के साथ त्योहार मनाये। इस अवसर पर किसी को परेशानी न हो इसका ख्याल रखें, वही बकरीद को लेकर पुलिस गश्त तेज किया जायेगा। संवेदनशील जगह में पुलिस बल की व्यवस्था की जायेगी। अगर कोई अफवाह फैलता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। शहर के सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में पर्व को शांतिपूर्वक मनाने के लिए अपना भरपूर सहयोग दें और बकरीद में गंदगी ना फैलाएं। थाना प्रभारी ने जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने मोहल्ले की जानकारी ली। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता गणेश तिवारी, पूर्व उपाध्यक्ष अनवर अली, पूर्व वार्ड पार्षद मुन्ना हजारी, जयप्रकाश सिंह, रामजी ठाकुर, मो. कासिम, झामुमो कार्यकर्ता राजू अंसारी, अजमत हुसैन, गोपाल चौखानी, आदि अन्य गणमान्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

मीडिया जगत में फर्जीवाड़े पर रोक के लिए पत्रकारों ने की निबंधन और मीडिया संवाद की मांग

एआइएसएमडब्लूए ने मुख्यमंत्री के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

देवघर। बुधवार को एआइएसएमडब्लूए ने मीडिया जगत में फर्जीवाड़े पर रोक हेतु पत्रकारों के निबंधन और मीडिया संवाद को ले मुख्यमंत्री के नाम देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा को समाहरणालय परिसर स्थित उसके कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के पश्चात संगठन के जिला अध्यक्ष चमन कुमार ने कहा कि पत्रकारहित के विषयों को लेकर पत्रकारों के कई प्रेस क्लब और ऐसोसिएशन द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून, बीमा, पेंशन सहित अन्य योजनाओं को लागू करने की मांग लगातार 25 वर्षों से की जा रही है। इस बीच जो सबसे बड़ी समस्या या

संकट पत्रकारों के सभी संगठनों और मीडिया हाउस ने महसूस किया है वह है फर्जी पत्रकारों की बढ़ती संख्या। आज हर हाथ मोबाइल और हर मुहल्ले से एक पत्रकार पैदा हो रहा है जो कि चौथे स्तंभ के लिए बड़ा खतरा है। पत्रकार का चोला ओढ़कर कोयला, बालू, जुआ, शराब माफिया और आपराधिक चरित्र के लोग इस पेशे से जुड़ रहे हैं और वे वाहनों पर प्रेस का लोगो लगाकर घूम रहे हैं।

किसी भी जिले से एक अखबार या पत्रिका शुरू करने के लिए भारत सरकार के समाचार पत्रों के पंजीयन के लिए एसडीएम द्वारा पुलिस वैरिफिकेशन के बाद ही शीर्षक उपलब्ध कराने की प्रक्रिया नयी दिल्ली से शुरू होती है लेकिन इसके विपरित युट्यूब और पोर्टल घर बैठे तैयार हो रहें हैं उनके लिए कोई नियम नहीं है। इस परिस्थिति में गलत और अवैध धंधे से जुड़े लोग भी इस सरल पेशे का लाभ उठाकर पत्रकार बनने लगे हैं जो मीडिया जगत के लिए बहुत बड़ी मुसीबत साबित हो रही है। साथ ही कहा कि इन फर्जी पोर्टल, फर्जी चैनल और तथाकथित पत्रकारों को रोकने के लिए मुख्य धारा से जुड़े सभी पत्रकारों का जिला स्तर पर एक निबंधन संख्या होना जरुरी है। इससे राज्य में एक अनोखी पहल शुरू होगी और पत्रकारिता के मूल पेशे से जुड़े पत्रकार साथियों की वास्तविक संख्या पता चलेगी। इस प्रकिया के बाद सभी जिलों में निबंधन हो जिसके पश्चात जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के हस्ताक्षर से सभी निबंधित पत्रकारों को एक पहचान पत्र भी उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद अंतिम प्रक्रिया के रूप में मीडिया संवाद का कार्यक्रम सभी प्रमंडल स्तर पर हों जहां निबंधित पत्रकारों का एक सम्मेलन राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया जाए और पत्रकारों को मिलने वाली सुविधाओं का उल्लेख करते हुए दो-तीन घंटे का कार्यक्रम हो। कहा कि हेमंत सोरेन के सरकार के द्वारा ही इस राज्य में सबसे पहले बीमा और मीडिया संवाद कार्यक्रम का तोहफा मिला था। और आगे उम्मीद है कि पत्रकारहित के विषयों पर यह सरकार के प्रयास से राज्य सरकार शीघ्र ठोस पहल करेगी। मौके पर महासचिव बबलू साह , संजय यादव , रंजन कुमार व अन्य मौजूद थे।

गिरिडीहः पांच महीने बाद हुई जिप की बैठक रही हंगामेदार

जिप अध्यक्ष मुनिया देवी ने भाजपा की सरकार नही होने का जताया अफसोस

गिरिडीह, प्रतिनिधि। करीब पांच महीने बाद बुधवार को हुई जिला परिषद की बैठक हंगामेदार रही। युं कहा जाये कि हेमंत सरकार में पदाधिकारियों के बढ़ते मनोबल की एक बानगी इस बैठक में देखने को मिली। बैठक मे जिप अध्यक्ष मुनिया देवी, डीडीसी स्मृति कुमारी, जिप उपाध्यक्ष छोटे लाल यादव, सतारुढ दल झामुमो नेता महलाल सोरेन, झामुमो नेत्री प्रमिला मेहरा समेत कई जिप सदस्य शामिल थे। बैठक में विभागीयवार समीक्षा हो रही थी। इसी बीच भीषण गर्मी को देखते हुए जिप सदस्यों ने सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्व के बैठक में पूर्व उपायुक्त ने निर्देश दिया था की

हर पंचायत में विभागीय स्तर पर पांच और विधायक के अनुशंसा पर पांच चापानल लगने थे, लेकिन अब तक किसी पर काम शुरू नहीं हो पाया है। जिसपर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बगैर सोचे समझें बैठक में सारे जिप सदस्यों पर भड़कते हुए कहा कि तुम में से किसी के सुझाव और निर्देश को नही माना जाएगा। कार्यपालक अभियंता के इसी बात पर सारे जिप सदस्य भड़क गए और हंगामा करने लगे। हालांकि डीडीसी ने सभी सदस्यों को समझाकर शांत किया। इस बीच पत्रकारों द्वारा सवाल किए जाने पर जिला परिषद अध्यक्षा मुनिया देवी का कहना था कि अब उनकी भाजपा की सरकार नही है, तो वो क्या करें, कोई अधिकारी जिला परिषद मं जिप सदस्यों का बैठक में सुनना तक नही चाहते है। कहा कि हालात ऐसे है कि जिप सदस्य पदाधिकारियों के पास नाक रगड़ कर रह जाते है, लेकिन इसके बाद भी पदाधिकारी किसी की नही सुनते है। कहा कि अगर सरकार उनकी रहती तो ऐसे पदाधिकारी पर नकेल जरूर कसा जाता।

मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

दुर्गा मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर निकाला कलश यात्रा

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के जमुआ प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कीरतनियाडीह में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के द्वारा नवनिर्मित दुर्गा मंदिर में दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना व प्राण- प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को दुर्गा मंदिर प्रांगण से ढोल नगाड़े, डीजे एवं बैंड बाजे के साथ 51कुवारी कन्याएं ने निकाली कलश यात्रा। वहीं गाजेबाजे के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया गया। इस कलश यात्रा में सैकड़ों भक्तों शामिल हुए वहीं भक्तों ने जमकर

जय माता दी के नारे लगाए। गांव का भ्रमण करते हुए कलश यात्रा कर उसरी नदी घाट पहुंची और विधिविधान से पूजन कर जल भर के मंदिर परिसर में पहुंची। जहां पुजारी ने विधिवत कलशों में जल भर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ उसे मंदिर परिसर में स्थापित किया। इस दौरान तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाना है और दो दिनों के बाद दुर्गा मां की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के सभी सदस्यों की अहम भूमिका रही। इस कलश यात्रा में संतोष यादव, राधे यादव, संजय यादव, विजय यादव, लालो यादव, सुधीर यादव, सुभाष यादव, नकुल यादव, बिनोद मोदी आदि सैकड़ों महिलाएं, एवं पुरुष शामिल थे।

अज्ञात चोरों ने गुमटी में की चोरी

- 5 हजार रुपये नगद सहित 15 हजार का सामान लेकर हुए चंपत
- चोरों ने मचाया आतंक, दिया घटना का अंजाम, हजारों की चोरी

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र में बेखौफ अज्ञात चोरों ने पांडेपुरा गेजना मोड़ स्थित एक गुमटी में दिया चोरी की घटना का अंजाम। चोरों ने 5 हजार नगद सहित लगभग 15 हजार की ओर समान लेकर हुए चंपत। यह घटना का अंजाम इंदिरा गांव निवासी गुमटी मालिक प्रदीप यादव के गेंजना मोड़ स्थित गुमटी में हुई है। मामले को लेकर भुक्तभोगी प्रदीप ने पांडेपुरा पिकेट में अज्ञात चारों के खिलाफ लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया है। प्रदीप ने बताया कि मैं मंगलवार की रात्री गुमटी को बंद कर अपने निवास स्थान इंद्रा गांव चला गया था। बुधवार सुबह नित्य प्रतिदिन की तरह अपने निवास स्थान से गेंजना मोड़ गुमटी खोलने पहुंचा तो वहां देखा मेरे गुमटी का मुख्य दरवाजा का कुंडी टूटा है जब मैं गुमटी के अंदर प्रवेश किया तो देखा कि गुमटी के सभी सारा सामान बिखरा पड़ा है वही 5 हजार रुपया जो रखा था ओ भी गायब पाया वही आधा समान गायब पाया। घटना की जानकारी होते हीं पांडेपुरा पिकेट प्रभारी घटना स्थल पर दल बल के साथ पहुंचे और आसपास के लोगों से चोरी की घटना की जानकारी ली पुलिस हर एक पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है सीसीटीवी कैमरा खंगाला जा रहा है। वही पांडेपुरा चौक में चोरी का शोर गुल होने लगा। लोगों नई कहा चोर उचक्के की इतनी हिम्मत हो गयी है कि रात्रि को इस तरह का बेख़ौफ़ घटना का अंजाम देकर चंपत हो जाते हैं। और पुलिस के पकड़ से हमेशा बाहर रहते है। क्या वैसे चोरों पर पुलिस द्वारा लगाम लगायी जाएगी या बेख़ौफ़ होकर इसी तरह चोरी का देंगे अंजाम।

संक्षिप्त समाचार

निमियाघाट थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

डुमरी, प्रतिनिधि। बकरीद को लेकर बुधवार को निमियाघाट थाना में शांति समिति की बैठक हुई, थाना प्रभारी सुमन कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डुमरी बीडीओ अन्वेषा ओना समेत दोनों समुदायों के गणमान्य लोग व कई पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे, बैठक में आये लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से बकरीद का त्यौहार मनाने को लेकर अपने-अपने सुझाव दिये और थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थानों पर विषेश निगरानी करने की बात कही, बैठक में थाना प्रभारी सुमन कुमार ने समुदाय के लोगो को भाईचारे और शांतिपुर्ण ढंग से त्योहार मनाने, शांति और सौहार्द बिगाड़ने वालों की सूचना पुलिस को देने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। कहा कि शांति व्यवस्था भंग करते हुए पकड़े जाने पर सख्त कानुनी कारवाई की जाएगी। इस मौके पर ममताज अली, जमालू अंसारी, अब्बास अंसारी, इस्माइल मियां, तबारक अंसारी, शौकत अली, जागेश्वर यादव, राम कुमार महतो, रामेश्वर चौधरी, नारायण रविदास, सीता राम तुरी, परमेश्वर तुरी, गिरधारी राम, मारफ़ अंसारी आदि उपस्थित थे।

साले की सगाई समारोह घर वापस जाने के क्रम में सड़क दुर्घटना में 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के मधुबन थाना क्षेत्र के मधुबन मोड़ के पास में हुए सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान तेनुघाट निवासी अमित कश्यप के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के चाचा अजय राज ने बताया कि अमित कश्यप अपने साले की सगाई समारोह में शामिल होने के लिए पचंबा थाना क्षेत्र के बनखंजो आए हुए थे।

सगाई समारोह में शामिल होने के बाद वह अपने बाइक से बोकारो जिले के तेनुघाट स्थित अपने घर जा रहे थे। इसी क्रम में मधुबन मोड़ के समीप टाटा मैजिक के चपेट में आ गए जिससे घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मधुबन थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उनके परिजनों को इन घटना की सूचना दी। वही पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन पहुंची गिरिडीह, कई कार्यक्रम में हुई शामिल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गांडेय विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को गिरिडीह पहुंची और कई कार्यक्रमों में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले सदर प्रखंड में अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा नवनिर्मित दुकानों का उद्घाटन की। साथ ही सदर प्रखंड परिसर में ही हेमंत सरकार के महत्वपूर्ण अबुआ आवास योजना के 10 लाभुकों को घर का प्रतिकात्मक चाभी सौंपा। इसके बाद गांडेय विधायक कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा क्षेत्र के झलकडीहा पहुंची। जहां एनआरईपी की 49 लाख की लागत से प्रस्तावित सालखन सोरेन पार्क की आधारशीला रखी। मौक़े पर डीसी राम निवास यादव, एसपी डॉ विमल कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा, झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, दिलीप रजक, चपुआडीह के मुखिया शमीम अंसारी समेत झामुमो के लोग मौजूद थे। इस दौरान सदर प्रखंड मुख्यालय में उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अबुआ आवास योजना हेमंत सरकार का छोटा सा प्रयास हैं। झारखंड को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए कई कार्य किए जा रहे है। कहा कि अब तो महिलाएं रोजगार से भी जुड़ रही है और यह दुकान भी इसी बात का प्रतिक है की हर महिलाए रोजगार से जुड़ सके और लाभ उठाए।

सरिया में समाजसेवी राजेश मंडल का 10वां शहादत दिवस मनाया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बगोदर विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी और गरीबों के मसीहा स्वर्गीय राजेश मंडल का 10वां शहादत दिवस उनके पैतृक गांव छोटकी सरिया में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में उनके प्रति पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई, जिसमें उनकी पत्नी रजनी कौर और समाजसेवी बिनोद विश्वकर्मा समेत अन्य लोग मौजूद थे। वक्ताओं ने राजेश मंडल के सामंतवाद और अन्याय के खिलाफ लगातार संघर्ष को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने गरीबों के न्याय के लिए किए गए आंदोलन और अफसरशाही पर लगाम कसने वाले उनके प्रयासों को याद किया।

महाप्रबंधक की अध्यक्षता में स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक का आयोजन

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर। महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में दिनांक 04.06.2025 को ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे ईम्प्लाईज यूनियन (ईसीआरईयू) के पदाधिकारियों के साथ रेल हित, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र (Permanent Negotiating Machinery-PNM) की वर्ष 2025 की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री बी. के. सिंह एवं सभी विभागों के

प्रधान विभागाध्यक्ष तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने सेक्रेट बैलेट चुनाव 2024 में जीत हासिल करने एवं पूर्व मध्य रेल के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने हेतु यूनियन के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए ईसीआरईयू के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।

विदित हो कि पूर्व मध्य रेल अपने गठन के समय से ही यूनियन, कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग से पूर्व गठित क्षेत्रीय रेलों से अनेक क्षेत्रों में आगे निकल चुकी है। आज हमें माल लदान, यात्री सेवा, राजस्व सृजन, परियोजनाओं को निर्धारित समय से पूरा करने, रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने सहित अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में भी हम नियमित रूप से पदोन्नति देने, एमएसीपी प्रदान करने, चिकित्सीय एवं शैक्षणिक सहायता हेतु राशि प्रदान करने, ससमय समापक भुगतान करने तथा अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने जैसे कर्मचारी कल्याण से जुड़े कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

महाप्रबंधक ने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में और नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा।

महाप्रबंधक ने यूनियन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने रेलकर्मियों के कल्याण व आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, रेलवे की आय बढ़ाने तथा विकास कार्यों पर विशेष बल दिए जाने की प्रतिबद्धता दुहराई तथा पूर्व मध्य रेल की प्रगति में यूनियन की सहभागिता के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

बैठक में ईसीआरईयू के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार पासवान, महासचिव श्री मृत्युंजय कुमार एवं ईसीआरईयू के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। यूनियन द्वारा बैठक के दौरान कर्मचारी कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।

संक्षिप्त समाचार

देश में कब शुरू होगी जातिगत जनगणना, सामने आई तारीख

नई दिल्ली। भारत में जातिगत जनगणना कब होगी, इसकी डेट अब सामने आ गई है। देश में जातीय जनगणना दो फेज में कराई जाएगी। इसका पहला चरण एक अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। वहीं दूसरे चरण की शुरुआत एक मार्च 2027 से होगी। पहले फेज में जातिगत जनगणना चार राज्यों में कराई जाएगी। जिसमें पहाड़ी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। बता दें कि देश में पिछली बार जनगणना साल 2011 में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि कांग्रेस की सरकारों ने जाति जनगणना का विरोध किया है। 1947 के बाद से जाति जनगणना नहीं हुई। जाति जनगणना की जगह कांग्रेस ने जाति सर्वे कराया, यूपीए सरकार में कई राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से जाति सर्वे किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है और यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कई राज्यों ने सर्वे के माध्यम से जातियों की जनगणना की है। जहां कुछ राज्यों में यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ है, वहीं कुछ अन्य राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से और गैर-पारदर्शी ढंग से सर्वे किया है। पीआईबी ने अपने बयान में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन 00ः00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 को होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

बयान में आगे बताया गया है कि भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, अर्थात् द्व) चरण द्ब - मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और (द्वद्ब) चरण द्वद्ब - जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि - मार्च 2011 के पहले दिन 00ः00 बजे, तथा जम्मू -कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी ।

जनगणना 2021 को भी इसी तरह दो चरणों में आयोजित करने का प्रस्ताव था, पहला चरण अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान और दूसरा चरण फरवरी 2021 में आयोजित किया जाना था। 2021 में आयोजित की जाने वाली जनगणना के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई थीं और 1 अप्रैल, 2020 से कुछ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में क्षेत्रीय कार्य शुरू होने वाला था। हालांकि, देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित करना पड़ा।

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इटली की दो दिवसीय यात्रा शुरू की

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इटली की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इटली की यह यात्रा प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने तथा इटली के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग को गहरा करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री इटली के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी के साथ भारत-इटली संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग (जेसीईसी) के 22वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह मुलाकात भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना (जेएसएपी) 2025-2029 के शुभारंभ के बाद भारत-इटली द्विपक्षीय संबंधों में एक निर्णायक चरण के संदर्भ में हो रही है। नवंबर 2024 में रियो डी जेनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जॉर्जिया मेलोनी के बीच बैठक के बाद घोषित की गई यह योजना दस विषयगत स्तंभों पर आधारित है, जिसमें आर्थिक सहयोग पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा। रोम में 22वां जेसीईसी सेशन दोनों पक्षों को प्रगति का आकलन करने और इंडस्ट्री 4.0, एग्रीटेक, डिजिटलीकरण, एनर्जी ट्रांजिशन, सस्टेनेबल मोबिलिटी और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसे उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशने का अवसर प्रदान करेगा। इन विचार-विमर्शों से द्विपक्षीय आर्थिक संपर्क को मजबूत करने और रणनीतिक औद्योगिक साझेदारी को बढ़ावा देने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गोयल एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र ब्रेशिया में भारत-इटली ग्रोथ फोरम में एक उच्च स्तरीय भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी करेंगे। यह फोरम निवेश को बढ़ावा देने, बिजनेस टू बिजनेस लिंक बनाने और इनोवेशन-सस्टेनेबिलिटी से जुड़े क्षेत्रों में तालमेल तलाशने के लिए दोनों देशों के प्रमुख उद्यमों और हितधारकों को एक साथ लाएगा। यह यात्रा भारत और देश के यूरोपीय भागीदारों के बीच बढ़ती राजनीतिक इच्छाशक्ति और आर्थिक आकांक्षाओं को दर्शाती है। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा का उद्देश्य साझा नेतृत्व दृष्टिकोण को ड्यूरेबल पार्टनरशिप में बदलना है जो इंक्लूसिव ग्रोथ, औद्योगिक परिवर्तन और वैश्विक आर्थिक मजबूती को बढ़ावा दे।

सिक्किम: लेफ्टिनेंट कर्नल के परिवार समेत तीन अन्य सैन्यकर्मी भूस्खलन के बाद लापता

नई दिल्ली। सिक्किम में आए भीषण भूस्खलन के मलबे में भारतीय सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल, उनके परिवार और तीन अन्य सैन्यकर्मियों के दबे होने की आशंका है। यहां भूस्खलन आए करीब 72 घंटे का समय हो चुका है, लेकिन खराब मौसम के कारण राहत और बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। भारतीय सेना के मुताबिक, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रीतपाल सिंह संधू, उनकी पत्नी स्क्वाड्रन लीडर आरती संधू (सेवानिवृत्त), उनकी बेटी अमायरा, सुबेदार धर्मवीर, नाइक सुनीलाल मुचाहार और सिपाही साइनुद्दीन पी.के. सिक्किम में भूस्खलन वाले स्थान पर मौजूद थे। घटना के बाद से ये सभी व्यक्ति लापता हैं। दरअसल, 1 जून को सिक्किम में भारतीय सेना का एक कैंप भूस्खलन की चपेट में आ गया। इस हादसे के बाद सेना के तीन जवानों की मौत हो गई थी। वहीं, छह अन्य व्यक्ति अभी तक लापता हैं। सेना ने बताया कि 1 जून की शाम लगभग 7 बजे लाचेन जिले के चेटेन इलाके में स्थित भारतीय सेना के सैन्य शिविर पर विनाशकारी भूस्खलन हुआ। मूसलधार बारिश को इस भूस्खलन का कारण माना जा रहा है। राहत और बचाव कार्यों में जुटे सैनिकों ने चार व्यक्तियों को सुरक्षित बचाया था। भूस्खलन की इस दुखद घटना में तीन वीर जवानों हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लाखड़ा के पार्थिव शरीर बरामद किए गए थे। सेना का कहना है कि बचाव टीमें कठिन भू-भाग और प्रतिकूल मौसम की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लापता छह व्यक्तियों की तलाश और बचाव कार्य में जुटी हैं। इधर, आपदा की इस विकट परिस्थिति में भारतीय सेना स्थानीय नागरिकों और फंसे हुए पर्यटकों की सहायता के लिए आगे आई है। सेना अत्यंत विषम परिस्थितियों में भी लगातार राहत और बचाव कार्य कर रही है। क्षेत्र का प्रमुख पर्यटन केंद्र लाचेन गांव भूस्खलन के कारण पूरी तरह से बाहरी संपर्क से कट चुका है।

एमपी पुलिस पर दो पत्रकारों से मारपीट के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई की

● **अदालत ने मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया, 9 जून को होगी अगली सुनवाई**

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दो पत्रकारों, शशिकांत जाटव और अमरकांत सिंह चौहान की उस याचिका पर सुनवाई शुरू की, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मध्य प्रदेश में अवैध रेत खनन पर रिपोर्टिंग करने के चलते उन्हें पुलिस हिरासत में प्रताड़ित किया गया। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति देते हुए मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 9 जून को तय की है। याचिकाकर्ताओं ने गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा की भी मांग की है, यह कहते हुए कि उन्हें जान का खतरा है और उनके पत्रकारिता कार्य को दबाने की कोशिश की जा रही है। यह मामला उस आदेश के कुछ हफ्तों बाद सामने आया है, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट ने मई में अमरकांत सिंह चौहान को दो महीने की सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। चौहान, जो कि स्वराज एक्सप्रेस के भिंड ब्यूरो प्रमुख हैं, ने कोर्ट को बताया था कि उन्होंने पुलिस की धमकियों और डर के माहौल से तंग आकर मध्य प्रदेश छोड़ दिया।

उनका कहना था कि चंबल क्षेत्र में अवैध रेत खनन पर रिपोर्टिंग के बाद स्थानीय पुलिस अधिकारी उन्हें निशाना बना रहे हैं। न्यायमूर्ति रविंदर दुजेडा की एकल पीठ ने दिल्ली पुलिस को चौहान को सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया था, साथ ही उन्हें सलाह दी कि वे आगे की राहत के लिए मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर करें। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता वरीशा फ़ारसत, तमन्ना पंकज, अनिरुद्ध रमणाथन, और प्रिया वत्स ने चौहान की ओर से पैरवी की। चौहान की याचिका में यह बताया गया कि मध्य प्रदेश में स्वतंत्र पत्रकारों को निशाना बनाकर पुलिस द्वारा व्यवस्थित रूप से डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। उनके अलावा धर्मेंद्र ओझा (न्यूज़ 24), शशिकांत जाटव (बेजोड़ रत्न), और प्रीतम सिंह (एनटीभी भारत) जैसे कई पत्रकारों को भिंड एसपी कार्यालय में तलब किया गया, जहाँ उन्हें कथित रूप से शारीरिक प्रताड़ना, कपड़े उतरवाना, मोबाइल फोन ज़ब्त करना, और बेबसी में वीडियो बयान देने के लिए मजबूर किया गया। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि चौहान और शशिकांत जाटव को पुलिस ने पीटा और उन्हें वीडियो में झूठा बयान देने के लिए मजबूर किया गया, जिसमें कहा गया कि मामला सुलझा लिया गया है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए पत्रकार शशिकांत जाटव ने कहाः मुझे भारत के सर्वोच्च न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हम केवल अपना पत्रकार धर्म निभा रहे थे – उस भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे थे, जो लोगों की ज़िंदगियों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। अब उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार शर्मा ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह हमला केवल पत्रकारों पर नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर है। राज्य तंत्र की इस तरह की मनमानी पर लगाम जरूरी है। ऐसे मामलों में न्यायपालिका की भूमिका यह भरोसा देती है कि देश में न्याय अब भी ज़िंदा है।÷ यह मामला भारत में प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े बढ़ते खतरों को उजागर करता है। अब जबकि यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में है, यह मामला एक महत्वपूर्ण परीक्षण बनेगा कि क्या हमारे संस्थान लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने में सक्षम हैं।

एनएसएस इकाई द्वारा पौधारोपण अभियान

संवाददाता द्वारा
रांची। संत जेवियर्स कॉलेज रांची के एनएसएस इकाई द्वारा पर्यावरण दिवस के पूर्व संध्या पर पौधारोपण अभियान चलाया। एनएसएस समन्वयक डॉ अनिर्बान गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने शहर के विभिन्न इलाकों में हरियाली को बचाने का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया। समन्वयक डॉ अनिर्बान गुप्ता ने कार्यक्रम शुरुआत होने के पहले बताया कि प्रकृति हमें उपहार और आशीर्वाद दोनों देती है इसलिए हमें निष्ठापूर्वक होकर पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्पबद्ध होना चाहिए। स्वयंसेवकों ने भी रांची के इलाकों में फलदार और छायादार पेड़ों के लिए पौधे लगाए। मौके पर डॉ जूलियस आईंद, आकाश गिरी, रिमशाह हसीब, सिदरा नदीम, आकाश महतो सहित अन्य स्वयंसेवक ने पौधारोपण अभियान में भाग लिया।

बद्रीनाथ धाम में अखंड भागवत पाठ का शुभारंभ: अलकनंदा के तट पर आलोकित होगी असम की नव वैष्णव धर्म के धारा

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

अलकनंदा के पवित्र तट पर चालित जेठ मास की शुक्ल नवमी तिथि, अर्थात 4 जून से बद्रीनाथ धाम में अखंड भागवत पाठ का शुभारंभ होगा । यह आध्यात्मिक आयोजन जून मास की पूर्णिमा तक लगातार जारी रहेगा। इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है असम में जन्मे महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा प्रवर्तित नव वैष्णव धर्म की अमर वाणी को विश्वव्यापी रूप में पुनः प्रतिष्ठित करना। यह भव्य आयोजन

परम शिवम शिव मंदिर योगाश्रम के पीठाधीश्वर, अनंत श्री विभूषित योग सम्राट ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 महंत महामंडलेश्वर योगीराज गरुणराज जी महाराज के प्रिय शिष्य, श्री श्री 1008 केशवदास जी महाराज के एकनिष्ठ प्रयास और नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। आश्रम के भक्तगण भी पूर्ण समर्पण के साथ इस आयोजन में सहभागी बने हुए हैं। गौरतलब है कि केशवदास जी महाराज की यह धर्मयात्रा वर्ष 2008 में असम के कामरूप जिले की उत्तर गुवाहाटी स्थित रजाद्वार के न-गोसाय हाउली आश्रम से आरंभ हुई थी। तभी से वे असम की सांस्कृतिक धारा, शंकरदेव की आध्यात्मिक दृष्टि और भागवत पाठ की ज्योति को देशभर में प्रसारित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इस पावन अवसर पर असम सत्र महासभा के अध्यक्ष कुसुम महंत समेत कई प्रतिष्ठित सत्राधिकारी बद्रीनाथ धाम की ओर प्रस्थान कर चुके हैं। सत्र महासभा की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और अधिक गरिमा तथा भव्यता प्रदान की है। इससे पहले भी पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में महाकुंभ मेला जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों में अखंड भागवत पाठ, शंकरदेव की अर्धप्रतिमा की स्थापना और नामघर के निर्माण के माध्यम से असम की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूती से प्रस्तुत किया गया था। वर्तमान में पवित्र श्रीक्षेत्र जगन्नाथ धाम में भी एक आधुनिक आश्रम का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आश्रम की ओर से यह जानकारी दी गई है कि भविष्य में इस स्थान पर भी भव्य भागवत पाठ और अन्य आध्यात्मिक आयोजनों का संचालन किया जाएगा। असम से आए सभी श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम में परम शिवम शिव मंदिर योगाश्रम में निवास करते हुए बाबा बद्रीनाथ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही, आशा की जा रही है कि निकट भविष्य में जगन्नाथ धाम का यह आश्रम एक समर्पित आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित होगा।

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, 6 जून को प्रदेश अध्यक्ष लेंगे वर्चुअल बैठक

संवाददाता द्वारा
रांची। झारखंड में प्रस्तावित नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है. पार्टी संगठन सृजन अभियान के साथ-साथ प्रखंडों में संविधान बचाओ रैली, पेसा कानून की मजबूती और सरना धर्म कोड पर जन-जागरूकता अभियान को धार देने के लिए रणनीति तैयार कर रही है. इसी क्रम में 6 जून को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से राज्य के 18 जिलों के जिलाध्यक्षों, जिला पर्यवेक्षकों और नगर निकाय पर्यवेक्षकों से संवाद स्थापित करेंगे. यह बैठक तीन चरणों में जूम

प्लेटफॉर्म पर आयोजित की जाएगी.

सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तकः पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसांवा और सिमडेगा
दोपहर 12 बजे से 1 बजे तकः गुमला, खूंटी, रांची और पाकुड़
दोपहर 1 बजे से 2 बजे तकः गढ़वा, लातेहार, पलामू और रामगढ़

इस महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (AICC) के विशेष आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू तथा एआईसीसी के सचिव सह सह-प्रभारी श्रीबेला प्रसाद भी उपस्थित रहेंगे. प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने जानकारी दी कि बैठक में संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. इसमें प्रखंड कांग्रेस कमिटी और मंडल कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों की नियुक्ति, वार्ड कांग्रेस कमिटी के गठन और संविधान बचाओ रैली की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी. साथ ही, पेसा कानून और सरना धर्म कोड से जुड़े जन-जागरूकता अभियान की रणनीति भी तय की जाएगी.प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश इन बैठकों के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश देंगे, ताकि चुनावी तैयारियों को ज़मीनी स्तर पर और अधिक मजबूती दी जा सके.

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले में चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार को लिखा पत्र, कठोर कार्रवाई की मांग

पटना। मुजफ्फरपुर दुष्कर्म मामले को लेकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह घटना न केवल एक मासूम जीवन की बर्बर हत्या है, बल्कि हमारे राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना और

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की गहन विफलता को भी उजागर करती है।

उन्होंने पत्र में लिखा, पीड़िता ने छह दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष किया, किंतु एक जून को पीएमसीएच में उसने दम तोड़ दिया। दुर्भाग्यवश, बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लगातार छह घंटे तक उसे एम्बुलेंस में ही तड़पते हुए इंतज़ार करवाया गया।

बकरीद को लेकर चांदन थाना में शांति समिति की हुई बैठक

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका) आगामी बकरीद का त्यौहार शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर बी डी ओ अजेश कुमार,सी ओ रविकांत कुमार सिंह व थानाध्यक्ष बिष्णुदेव कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में आज बुधवार को चांदन थाना परिसर मे शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी।बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न पंचायतो के जनप्रतिनिधियों सहित दोनों समुदाय के कई गणमान्य

लोगों ने भाग लिया। बैठक में सामिल लोगों को पदाधिकारियों ने बकरीद का त्यौहार आपसी सद्भाव, भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने की अपील की।बी डी ओ अजेश कुमार व थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार ने मुस्लिम समाज के लोगों से बकरीद के मौके पर कुर्बानी दिए गये जानवरों के बचे हुए अवशेष को कही अन्यत्र नहीं फेंकने, उसे जमीन के अंदर एक गड्ढे खोदकर डालकर और मिट्टी से ढंक देने की बात कहा। ताकि कोई भी कुर्बानी दी गई जानवर की बचे हुए अवशेष को कही किसी अन्य समुदाय के लोगों के घरों या फिर किसी धार्मिक स्थानों तक नहीं ले जा सके।इससे सामाजिक सदभाव बिगड़ने का खतरा रहता है ।साथ ही पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में त्यौहार को सम्पन्न कराने हेतु संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या मे पुलिस बल की नियुक्त करने का भरोसा दिया। साथ ही थानाध्यक्ष ने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की और सामाजिक सदभाव बिगाड़ने वाले असमाजिक तत्वों को चिन्हित करने और इसकी सुचना थाना को देने की बात कही। इस मौके पर मुखिया अनिल कुमार, सरपंच राकेश कुमार बच्चू, पूर्व मुखिया चन्द्रमोहन पाण्डेय, पैक्स अध्यक्ष बैजनाथ यादव, सरपंच प्रतिनिधि बिरनियां अशोक ठाकुर, बिनोद कुमार पाण्डेय, पूर्व सरपंच बिनोद यादव, रुपसान शेख, मासूक आलम अंसारी, गोबिंद दास, सुल्तान अली, अकबर अली मुमताज अंसारी, मुख्य रूप से मौजूद थे।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

एजेंसी

वेलिंगटन। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर सम्मानित

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात महिला कांस्टेबल पुष्पा चाहर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 410 किलोग्राम भार उठाकर अव्वल आने पर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। पुष्पा चाहर ने बदायूं में आयोजित बदायूं में आयोजित पावर लिफ्टिंग में 410 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने मेरठ में भी पावर लिफ्टिंग में गोल्ड जीता है। पुष्पा चाहर ने स्ट्रांग वूमन का खिलाफ भी जीता। सोमवार को एसएसपी सतपाल अंतिल ने उन्हें अपने दफ्तर में सम्मानित किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, सदर कोतवाली की क्षेत्राधिकारी सुनीता दहिया भी मौजूद रहीं।

इंडोनेशिया ओपनः मालविका बंसोड़ पहले दौर के मैच के दौरान हुई रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय शटलर मालविका बंसोड़ को इंडोनेशिया ओपन 2025 के राउंड ऑफ 32 में स्थानीय खिलाड़ी पूतरी कुसुमा वर्दानी के खिलाफ मैच के बीच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा। बंसोड़ 21-16, 16-15 की बढ़त बनाए हुए थीं, तभी उनके घुटने में चोट लगने के कारण उन्होंने 54 मिनट के खेल के बाद मैच छोड़ दिया। भारतीय लेफ्ट हैंडर कोर्ट के पीछे से शॉट वापस करने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका बायां पैर फिसला और वह गिर पड़ीं। उन्हें दर्द में बायें घुटने को पकड़ते देखा गया। उन्होंने मेडिकल सहायता ली और वापसी की कोशिश की, लेकिन कोर्ट में हिलने-डुलने पर काफी दर्द महसूस होने के कारण खेल जारी नहीं रख पाई। 23 वर्षीया मालविका इस सीजन थाईलैंड ओपन, मलेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में तीन बार राउंड ऑफ 16 तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अभी तक इस साल किसी भी टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय नहीं कर पाई हैं।

इंडोनेशिया ओपन में सिंधु ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर (राउंड ऑफ 32) में जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराते हुए तीन गेमों के रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की और लक्ष्य सेन को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने यह मुकाबला 22-20, 21-23, 21-15 से अपने नाम किया, जो कुल 1 घंटा 19 मिनट तक चला। पहला गेम जीतने के बाद लग रहा था कि सिंधु मुकाबला सीधे गेमों में निपटा लेंगी, लेकिन ओकुहारा ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को तीसरे गेम तक खींच लिया। तीसरे गेम में सिंधु ने लगातार बढ़त बनाए रखी और ओकुहारा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

17 साल का सूखा खत्म, आरसीबी बनी आईपीएल चैंपियन, फाइनल में पंजाब को 6 रन से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रनों से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की ट्रॉफी जीत ली है। इस जीत के साथ आरसीबी ने 17 साल के सूखे को समाप्त किया है। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पहले बैटिंग करते हुए 190 रन बनाए, जिसके जवाब में पंजाब की टीम 184 रन ही बना सकी। 191 रनों के लक्ष्य की पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को दो अनकैप्ड ओपनर प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिर जोश इंग्लिश ने प्रभसिमरन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एक समय पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन था। उसके बाद 26 रन और बनते-बनते तीन विकेट गिर गए। कप्तान श्रेयस अय्यर सिर्फ एक रन बना सके। जबकि नेहल वढ़ेरा ने 15 और मार्कस स्टायनिश ने 6 रन का योगदान दिया। हालांकि दूसरे छोर पर शशांक सिंह मोर्चा संभाले रहे और टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाते रहे। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 29 रन की जरूरत थी और शशांक तमाम कोशिशों के बाद भी मात्र 22 रन ही बना सके। इस तरह पंजाब लक्ष्य से 6 रन पीछे रह गई। आरसीबी की ओर से क्रुणाल पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 17 रन खर्च कर दो अहम विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने भी दो विकेट अपने नाम किए। जबकि यश दयाल, जोश हैजलवुड और रोमारियो शेपर्ड को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत तेज रही लेकिन फिल सॉल्ट जल्दी आउट हो गए। सॉल्ट ने 9 गेंदो में 16 रन बनाए। फिर विराट कोहली ने मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। मयंक ने 24 रन बनाए। इसी प्रकार छोटी-छोटी साझेदारी बनती रही और टीम आगे बढ़ती गई। कप्तान रजत पाटीदार ने 26, कोहली ने 43, लियाम लिविंगस्टन ने 25. रोमारियो शेपर्ड ने 17 और जितेश शर्मा ने 24 रन का योगदान किया।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिपः एशियन किंग्स ने ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से हराकर दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। खेले गए मुकाबले में एशियन किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रांस टाइटंस को 7 विकेट से मात दी और लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जेसी राइडर ने आक्रामक अंदाज में 81 रन (45 गेंद, 12 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। हालांकि उनके साथी बल्लेबाज हिमांग सिर्फ 15 रन बना सके। मध्यक्रम में आसिफ मंसूरी (31) और प्रशांत गुज्जर (41 रन, 22 गेंद) ने तेज़ी से रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एशियन किंग्स की शुरुआत संयमित रही। इम्तियाज अहमद (25) और तिलकरत्ने दिलशान (26) ने पहले विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। इसके

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रांस टाइटंस की टीम ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए।

बाद क्रीज पर आए अंकित नरवाल ने मोर्चा संभालते हुए शानदार नाबाद 69 रन (45 गेंद, 6 चौके, 4 छक्के) बनाए और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनका साथ निभाया परवेज़ अज़ीज़ ने, जिन्होंने 20 गेंदों में 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

आईपीएल 2025 में हार के बावजूद पंजाब किंग्स के प्रदर्शन से संतुष्ट कोच रिकी पोंटिंग

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से 6 रन से हारने के बावजूद पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के समग्र प्रदर्शन की सराहना की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस अंदाज में हमने इस पूरे सीजन में क्रिकेट खेला है, वह काफी मनोरंजक रहा है। एक कोच के तौर पर जब आप अपनी टीम के बारे में ऐसा कह सकते हैं, तो ये गर्व की बात है। हो सकता है कि आज हमारी युवा मिडिल ऑर्डर की थोड़ी अनुभवहीनता हार का कारण बनी हो, लेकिन मैं जानता हूं कि प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहाल वढेरा जैसे खिलाड़ी भविष्य में हमें कई मैच जिताएंगे। पोंटिंग ने हार का ठीकरा पिच या हालात पर नहीं फोड़ा। उन्होंने कहा कि हम कोई बहाना नहीं बना रहे हैं। शशांक सिंह ने खुद कहा कि यह पिच पूरे सीजन की सबसे बेहतरीन पिच थी। बस हमने पावरप्ले के आखिरी ओवरों में थोड़ी रफ्तार खो दी और कुछ अहम विकेट गंवा दिए। 11 साल बाद फाइनल खेली पंजाब की टीम, अगला सीजन होगा और बेहतरपंजाब किंग्स ने 11 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल फाइनल में जगह बनाई थी। इस उपलब्धि को लेकर पोंटिंग ने कहा, कुछ दिन पहले ही हम इस मैदान पर अपनी एक शानदार जीत का जश्न मना रहे थे, जिसने हमें फाइनल में पहुंचाया। आज हम थोड़ा मायूस हैं। लेकिन ये टीम काफी युवा है और हम अगले सीजन में और भी मजबूत होकर लौटेंगे। टीम में लाया गया है नया ल्चरपोंटिंग ने टीम की मानसिकता और कार्यशैली में बदलाव लाने को भी अपनी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, जब मुझे कोच नियुक्त किया गया था, तभी मैंने साफ कर दिया था कि मैं टीम का माहौल बदलना चाहता हूं। चीजों को एक नई दिशा में ले जाना चाहता हूं और मुझे लगता है कि हम उसमें सफल रहे हैं।

आईपीएल 2025 जीत के बाद आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने कहा-विराट कोहली और फैंस इस ट्रॉफी के सबसे बड़े हकदार

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स पर 6 रन की रोमांचक जीत दर्ज कर रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल में पहली बार खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने जीत के जश्न के बीच दिल खोलकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने इसे विराट कोहली और आरसीबी फैंस के लिए खास पल बताया।

मैच के बाद रजत पाटीदार ने कहा, मेरे लिए ये बेहद खास है और विराट कोहली के लिए तो और भी ज्यादा। जो फैंस सालों से हमारी टीम को सपोर्ट कर रहे हैं, ये जीत उन्हीं के नाम है। वे इस ट्रॉफी के असली हकदार हैं। जब उनसे पूछा गया कि कब लगा कि टीम ट्रॉफी जीत सकती है, तो रजत बोले, मुझे लगता है क्वालिफायर-1 के बाद ये विश्वास हुआ कि हम इस बार अच्छा कर सकते हैं। उस समय हमारी टीम की लय और आत्मविश्वास देखने लायक था। पहली पारी में आरसीबी ने 190 रन बनाए थे। इस पर रजत ने कहा, इस पिच पर 190 रन अच्छा स्कोर था, क्योंकि विकेट थोड़ी धीमी थी। गेंदबाजों ने अपनी योजना को जिस तरह से अंजाम दिया, वो काबिल-ए-तारीफ था। खासकर क्रुणाल पांड्या ने जिस समय गेंदबाजी की, वो टर्निंग पॉइंट था। उनका स्पेल (4 ओवर, 17 रन, 2 विकेट) शानदार था। वह हमेशा दबाव में विकेट निकालते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं जब भी दबाव में होता हूं तो देखता हूं कि 'केपी+ यानी क्रुणाल कहां हैं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। उनके अलावा सुयश, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, हेज़लवुड - सभी गेंदबाजों ने पूरे सीजन शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली की 18 साल की आरसीबी यात्रा पर रजत ने कहा, मेरे लिए उनके साथ कप्तानी करना एक बड़ा अवसर

था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। वह इस खिताब के सबसे बड़े हकदार हैं। उन्होंने हमेशा टीम, मैनेजमेंट और हर खिलाड़ी का समर्थन किया। जिस तरह से कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, वो कमाल का था।

आईपीएल 2025 में दिल्ली को बड़ी उपलब्धि, अरुण जेटली स्टेडियम को मिला 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सफल आयोजन के बाद दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) को बड़ी उपलब्धि मिली है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने अरुण जेटली स्टेडियम को 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान पिच की गुणवत्ता, आउटफील्ड की देखरेख और संपूर्ण ग्राउंड प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए दिया गया है।

इस पुरस्कार के जरिए आईपीएल 2025 के दौरान ग्राउंड स्टाफ द्वारा किए गए शानदार कार्य को मान्यता मिली है। पूरे टूर्नामेंट में अरुण जेटली स्टेडियम ने खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक विकेट प्रदान किया, बल्कि दर्शकों को भी बेहतरीन अनुभव दिया। इस अवसर पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, यह अवॉर्ड

हमारे क्यूरेटर, स्टाफ और प्रबंधन की अथक मेहनत का परिणाम है। हम क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वस्तरीय स्टेडियम बनाने डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने कहा, यह सम्मान हमारे उस विज़न को मान्यता देता है जिसमें हम अरुण जेटली स्टेडियम को एक वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट वेन्यू बनाना चाहते हैं। यह दिल्ली क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है। सचिव अशोक शर्मा ने कहा, हर शानदार मैच के पीछे एक मेहनती टीम होती है जो दिन-रात काम करती है। यह अवॉर्ड उसी जुनून और प्रोफेशनलिज्म का प्रतीक है। संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर ने कहा, इस सम्मान से हम बेहद उत्साहित हैं। यह हमें खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए और बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रेरित करता है। कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला ने कहा, यह उपलब्धि न केवल हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और योजनाबद्धता का भी प्रमाण है।

खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बना रहा है केकेएफआई

एजेंसी

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्विक विकास को सशक्त बनाने और इसके वैज्ञानिक व तकनीकी आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के तत्वावधान में विश्वभर के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एडवांस्ड लेवल III-A प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया है। यह कोर्स 2 जून को श्री गुरु गोबिंद सिंह टर्सेंटेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय, बुढेड़ा में शुरू हुआ है और 15 जून तक चलेगा। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्रीलंका, बांग्लादेश, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कोरिया और मलेशिया जैसे सात देशों के लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय कोच और अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनके साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 50 कोच और 65 तकनीकी अधिकारी भी शामिल हैं। कोचों के प्रशिक्षण सत्र 2 जून से 11 जून तक आयोजित किए जा रहे हैं, इसके बाद 12 जून से 15 जून तक तकनीकी अधिकारियों के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह एडवांस्ड लेवल III-A कोर्स न केवल तकनीकी उत्कृष्टता बल्कि खेल के समग्र विकास को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। दो सप्ताह के दौरान, प्रतिभागी बायोमैकेनिक्स और मूवमेंट विश्लेषण, रिकवरी के लिए ऑटोजेनिक ट्रेनिंग, खो-खो में स्पोर्ट्स साइंस का परिचय, खेलों में डोपिंग के प्रति जागरूकता, खेल मनोविज्ञान, वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग और आईकेकेएफ द्वारा निर्धारित नवीनतम नियमों जैसे विषयों में प्रशिक्षण लेंगे।

नॉर्वे शतरंज 2025 राउंड 8ः हिकारू ने गुकेश को दी मात, कोनेरू हम्पी महिला वर्ग में आगे

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 के आठवें राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस राउंड का सबसे चर्चित मैच विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा के बीच खेला गया, जिसमें नाकामुरा ने जीत दर्ज की। शुरुआत से ही हिकारू नाकामुरा ने आक्रामक अंदाज़ में खेलते हुए गुकेश को दबाव में ला दिया। पिछले दो राउंड में जबरदस्त बचाव करने वाले गुकेश इस बार नाकामुरा के हमलों के आगे टिक नहीं सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नाकामुरा को पूरे तीन अंक मिले। एक और अहम मुकाबले में भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी की फबियानो कारुआना से लंबी और कठिन जंग चली। एंडगेम में कारुआना थोड़े बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन समय के दबाव में

उन्होंने एक निर्णायक चूक कर दी। एरिगैसी ने इसका फायदा उठाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया और तीन अंक हासिल किए। दिन का अंतिम मुकाबला चीन के वेई यी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के बीच खेला गया, जो नियमित समय में बिना किसी खास हलचल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालांकि, आर्मगेडन मुकाबले में वेई यी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किए। महिला वर्ग में भी आठवें राउंड में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने ईरान की सारा खादेम के खिलाफ जटिल स्थिति से बाज़ी को अपने पक्ष में मोड़ा। खुलेपन से ही हम्पी ने जटिल पोजिशन तैयार की और इसे सटीक अंदाज़ में जीत में बदल दिया। हालांकि, समय की कमी के चलते उन्होंने एक गंभीर चूक की, जिससे सारा खादेम के पास वापसी का मौका था लेकिन उस मौके को भुनाने में असफल रहीं और हम्पी ने तीन अंक पक्के किए। बाकी दो मुकाबले–अन्ना मुजिचुक बनाम लेई टिंगजी और आर. वैशाली बनाम जू वेनजून मैच नियमित खेल में जल्दी ही ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, आर्मगेडन गेम में अन्ना मुजिचुक और वैशाली ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए। पॉइंट टेबल में स्थिति अब बेहद रोचक हो गई है और दोनों वर्गों में अगला राउंड मुकाबलों को और भी रोमांचक बना सकता है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 प्रतियोगिता का आयोजन अब 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पहले यह इवेंट 24 मई को होना तय था, लेकिन सुरक्षा कारणों और देश के प्रति एकजुटता के भाव के चलते इसे पुनः निर्धारित किया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने मंगलवार को जानकारी दी कि यह भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक टूर्नामेंट होगा, जो नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तर का अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबला होगा। प्रतियोगिता की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा करेंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक टूर्नामेंट का उद्देश्य दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को भारत में लाना और देश के नए एथलीट्स को प्रेरणा देना है।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3ः पार्थ सालुंखे की चमक से बढ़ी भारत की उम्मीदें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के युवा तीरंदाज पार्थ सालुंखे की हालिया सफलता ने भारतीय तीरंदाजी में नई ऊर्जा भर दी है। शंघाई में हुए आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2 में अपना पहला विश्व कप पदक जीतकर चर्चा में आए 21 वर्षीय पार्थ अब अंताल्या में बुधवार से शुरू हो रहे स्टेज-3 में दम दिखाने को तैयार हैं।

टोक्यो चैंपियन और कोरियाई दिग्गज को दी मात

महाराष्ट्र के सतारा से ताल्लुक रखने वाले पार्थ ने शंघाई में अपने जबरदस्त प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। उन्होंने पहले राउंड में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गजोज़ को शूट-ऑफ में हराया और फिर क्वार्टरफाइनल में दो बार के ओलंपिक टीम गोल्ड मेडलिस्ट कोरियाई खिलाड़ी किम जे-डियोक को सीधे सेटों में मात दी।

सेमीफाइनल में वह कोरियाई दिग्गज किम वू-जिन के खिलाफ 0-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 की बराबरी पर आए, लेकिन निर्णायक सेट में करीबी मुकाबले में हार गए। इसके बावजूद, उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में पेरिस ओलंपिक रजत विजेता बैप्टिस्ट एडिस को हराकर अपना पहला वर्ल्ड कप पदक हासिल किया।

दबाव में नहीं डगमगाए पार्थ

हालांकि पार्थ क्वालिफिकेशन राउंड में भारतीय तीरंदाजों में सबसे पीछे 60वें स्थान पर रहे थे, लेकिन एलिमिनेशन राउंड में उन्होंने गजब की मानसिक मजबूती दिखाई। उनके अनुसार, मेरा फोकस सिर्फ पदक पर नहीं था, मैं देखना चाहता था कि मैंने जो प्रैक्टिस की है, वो मैच में उतार पाता हूं या नहीं। पार्थ की इस प्रेरक सफलता से भारतीय पुरुष रिकर्व टीम - जिसमें तरुणदीप राय, अतानु दास और धीरेज बोम्मदेवरा शामिल हैं - को भी प्रेरणा मिली है। शंघाई में ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में अमेरिका से हारकर मेडल से चूकने वाली यह टीम अंताल्या में वापसी करना चाहेगी। महिला वर्ग में दीपिका कुमारी ने मां बनने के बाद जबरदस्त वापसी की है। शंघाई में उन्होंने कांस्य पदक जीता और सेमीफाइनल में कोरियाई लिम सिह्यॉन से हार गईं। दीपिका की निगाहें अब अपने पहले विश्व कप गोल्ड पर हैं जो उन्होंने आखिरी बार 2021 में जीता था।

भारत ने शंघाई में कुल सात पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य) जीतकर कोरिया के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। कंपाउंड वर्ग में भारत का दबदबा रहा, जहां मधुरा धमणगांवकर ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और ओजस देओताले, ऋषव यादव और अभिषेक वर्मा की टीम ने भी गोल्ड पर कब्जा किया।

आईपीएल खिताब जीतने पर कोहली ने कहा-ये जीत आत्मा को सुकून दे रही है

एजेंसी

अहमदाबाद। 18 साल का लंबा इंतज़ार, अनगिनत कोशिशें और अंततः विराट कोहली को वह पल मिला जिसका वह हर सीजन में इंतज़ार करते थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीत ली। मैच के बाद विराट कोहली ने कहा कि ये खिताबी जीत उनकी आत्मा को सुकून दे रही है। विराट कोहली ने मैच के बाद कहा, मैंने इस टीम को अपनी जवानी दी है, अपना प्राइम टाइम और अपना अनुभव दिया। हर साल यही सपना देखा कि ट्रॉफी जीतूं। आज ये सपना पूरा हुआ, यकीन नहीं हो रहा। जैसे ही आखिरी गेंद डाली गई, मैं भावुक हो गया। ये जीत मेरी आत्मा को सुकून देती है। मैं आईपीएल में आखिरी दिन तक इसी टीम के लिए खेलूंगा। ये खिताब मेरे करियर के सबसे ऊपर है। टेस्ट क्रिकेट को लेकर भी विराट ने अपनी भावना जताते हुए कहा, ये जीत मेरे दिल के बहुत करीब है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की अहमियत इससे कहीं ज्यादा है। जो युवा खिलाड़ी हैं, उन्हें मैं कहूंगा कि टेस्ट को सम्मान दो। अगर टेस्ट में परफॉर्म करोगे, तो दुनिया भर में इज्जत मिलेगी। विराट

के अलावा खिताबी जीत पर क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार समेत टीम के कई सितारों की भावनाएं छलक पड़ीं। मैन ऑफ द मैच रहे क्रुणाल पांड्या ने फाइनल में धीमी गेंदों से कमाल कर दिया। उन्होंने कहा, पहली पारी में ही अंदाजा लग गया था कि स्लो बॉल ही कारगर रहेगी। हिम्मत चाहिए इस फॉर्मेट में ऐसा करने की, लेकिन मैंने हालात को पढ़ा और खुद पर भरोसा किया। मैंने पहले दिन ही कहा था कि इस बार जीतना है और पांड्या परिवार के पास अब 11 में 9 ट्रॉफी हो गई हैं! टीम के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने कहा,ये टीम 18 साल से इस दिन का इंतजार कर रही थी। एबी डिविलियर्स, कोहली - सबने दिल से कोशिश की थी। हमारे पास सभी ज़रूरी स्किल थे और विश्वास था कि हम जीत सकते हैं। एंडी फ्लावर और मो बोबट की योजना और मेहनत ने इस टीम को आकार दिया। भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि क्रुणाल की गेंदबाज़ी ने पूरा मैच बदल दिया। उन्होंने कहा, हम जानते थे कि 190 रन आसान नहीं होंगे, लेकिन क्रुणाल की स्पेल ने सब कुछ पलट दिया। जॉश हेज़लवुड ने विराट की भावना को लेकर कहा, ये जीत विराट के लिए सब कुछ है। उन्होंने सालों इस टीम के लिए खेला है और आज का परिणाम उन्हें बहुत सुकून देगा।

लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.40 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी के दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की मजबूती और बढ़ी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के पहले सत्र में बिकवाली के दबाव के बीच खरीदार यदा-कदा लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया, जिसके कारण शेयर बाजार को संभलने का मौका नहीं मिल सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए, कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली। समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवआईएनई) के तहत निवेश होगा। मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविने) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया।

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्?त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दुष्परिणाम और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' -यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री, खरीदारी के सपोर्ट से फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। सप्लाई चेन सॉल्यूशंस और लॉजिस्टिक सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 4.44 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 141 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के साथ ही खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण पहले दो घंटे का कारोबार होने के बाद दोपहर 11?15 बजे ये शेयर 8.15 प्रतिशत के मुनाफे के साथ उछल कर 146 रुपये के स्तर तक पहुंच गया था। ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स का 40.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.36 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 14.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.87 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

भारत और फ्रांस को द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए करना चाहिए काम - पीयूष गोयल

एजेंसी
पेरिस। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और फ्रांस को द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 15 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ाने की पर्याप्त गुंजाइश है। भारत-फ्रांस सीईओ फोरम में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों को उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में गहन सहयोग की दिशा में काम करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, 'हम केवल 15 अरब डॉलर से संतुष्ट नहीं हो सकते। क्योंकि इसकी गुंजाइश कहीं ज्यादा है।' उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यटन, मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक क्षमता केंद्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सीईओ फोरम के तहत निजी क्षेत्र में संयुक्त कार्य समूह बनाने का सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी घोषणा की कि भारत और फ्रांस व्यापार और नियामक बाधाओं को दूर करने में व्यवसायों की मदद

करने के लिए राजदूत स्तर पर एक फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म को एक्टिव करेंगे। उन्होंने कहा, 'इससे हमें व्यापार के नए क्षेत्र खोजने और विनियमन के दायरे को पार करने में एक-दूसरे का समर्थन करने में मदद मिलेगी।' उन्होंने बताया कि भारतीय व्यवसाय अक्सर यूरोपीय संघ के जटिल नियामक वातावरण से भ्रमित होते हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, यह एक उलझन है, खासकर तब जब प्रत्येक यूरोपीय संघ के सदस्य देश के अपने नियम हैं। केंद्रीय मंत्री ने फिर से पुष्टि की कि भारत और यूरोपीय संघ 2025 के अंत से पहले एक व्यापक व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ भी बैठक की और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों और भारतीय शिपिंग सेक्टर में बढ़े अवसरों पर चर्चा की।केंद्रीय मंत्री गोयल ने पेरिस में ब्रिटेन के कारोबार एवं व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स और सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल-कसाबी के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी योजना बनाई है। पीयूष गोयल फ्रांस और इटली की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जो प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, केंद्रीय मंत्री गोयल की यात्रा एक मजबूत और समावेशी वैश्विक विकास के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

जी. किशन रेड्डी ने सीएमपीएफओ के सी केयर्स संस्करण 2.0 का शुभारंभ किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) का एक वेब पोर्टल सी केयर्स संस्करण 2.0 लांच किया, जिसे सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने विकसित और डिजाइन किया है। कोयला खान भविष्य निधि संगठन कोयला क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भविष्य निधि और पेंशन योजनाओं के प्रशासन के लिए 1948 में स्थापित एक स्वायत्त संगठन है। यह संगठन वर्तमान में लगभग 3.3 लाख भविष्य निधि ग्राहकों और कोयला क्षेत्र के 6.3 लाख पेंशनभोगियों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त के साथ-साथ कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और आयुक्त, सीएमपीएफओ भी उपस्थित थे।

मंत्रालय के मुताबिक इस पोर्टल का वर्तमान संस्करण कोयला श्रमिकों, कोयला, प्रबंधन और सीएमपीएफओ को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर पीएफ, पेंशन संवितरण को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

सोने की कीमत बढ़कर करीब 97,000 रुपए हुई, चांदी एक लाख रुपए के पार

एजेंसी
नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली और 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर करीब 97,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 187 रुपए बढ़कर 96,867 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि सोमवार को 96,680 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 88,730 रुपए हो गई है, जो कि पहले 88,559 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 72,650 रुपए हो गया है, जो कि पहले 72,510 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भारी इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में चांदी की कीमत 2,669 रुपए बढ़कर 1,00,460 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 97,761 रुपए प्रति किलो थी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन

त्रिवेदी ने कहा कि 2000 रुपए की रैली के बाद गोल्ड का प्रदर्शन एमसीएक्स पर 97,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर करीब सपाट रहा। अमेरिकी में अहम आर्थिक आंकड़ों से पहले सोना कंसोलिडेशन फेस में है। उन्होंने आगे कहा कि सोने आने वाले समय में 95,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 99,500 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में रह सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। सोना 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,384 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 34.46 डॉलर प्रति औंस पर था। 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,705 रुपए या 27.18 प्रतिशत बढ़कर 96,867 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 14,443 रुपए या 16.17 प्रतिशत बढ़कर 1,00,460 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त रुपए में आज 16 पैसे की गिरावट हुई, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले घरेलू मुद्रा 85.53 पर बंद हुई।

भारत बनाएगा अपना पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत, जीआरएसई से समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत का पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) बनाने के लिए कोलकाता की फर्म गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने नॉर्वे की कंपनी कोंग्सबर्ग के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अब भारत के लिए स्वदेशी रूप से पहला ध्रुवीय अनुसंधान पोत (पीआरवी) बनाने का रास्ता साफ हो गया है पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि 2 जून को ओस्लो, नॉर्वे में समुद्री व्यापार मेले नॉरशिपिंग के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ये एमओयू भारत की कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और नॉर्वे की कोंग्सबर्ग कंपनी के साथ किए गए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थि?ति थे। मंत्रालय के मुताबिक जीआरएसई और नोग्सबर्ग के बीच

यह समझौता भारत के जहाज निर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि इसे पीआरवी विकसित करने के लिए डिजाइन विशेषज्ञता प्राप्त होगी। साथ ही राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीओपीआर) की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाएगा, जो इसका उपयोग ध्रुवीय और दक्षिणी महासागर क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों के लिए करेगा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल नोर-शिपिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नॉर्वे की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। साथ ही वे डेनमार्क की भी यात्रा करेंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री क्षेत्र के नेताओं के साथ समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है।

कैट-मेटा ने 'व्यापार सखी' कार्यक्रम किया लॉन्च, महिला व्यापारियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की पहल

एजेंसी
नई दिल्ली। देशभर में समावेशी आर्थिक विकास और महिला-उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत कारोबारी संगठन कन्?फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने मेटा के साथ संयुक्त रूप से 'व्यापार सखी' कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य देशभर में महिला व्यापारियों को डिजिटल टेक्नोलॉजी के ज़रिए अपने व्यापार को सशक्त बनाना है। नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया तथा अपने अनुभव, विचार और उद्यमिता की यात्रा की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में महिला उद्यमिता विजन के तहत शुरू किया गया 'व्यापार सखी' कार्यक्रम महिला उद्यमियों, विशेषकर छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की महिलाओं को डिजिटल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस पहल के जरिए महिलाओं को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे अपने व्यापार को बढ़ा और विस्तारित कर सकें। खंडेलवाल ने कहा कि कैट देशभर के संभावित खरीदारों से महिला उत्पादकों को जोड़ने के लिए एक मैचमेकिंग प्रणाली विकसित करेगा, जिससे उनके उत्पादों को नई बाजार संभावनाएं और व्यापक दृश्यता मिलेगी। इस अवसर पर मेटा इंडिया के वाइस प्रेजिडेंट एवं पब्लिक पॉलिसी हेड शिवनाथ ठुकराल ने इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि 'व्यापार सखी' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नारी शक्ति और महिला-नेतृत्व वाले विकास के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कैट और मेटा की यह साझेदारी दर्शाती है कि किस प्रकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा दिया जा सकता है और डिजिटल भारत में महिला उद्यमियों को सशक्त किया जा सकता है।

स्टॉक मार्केट में एस्टोनिया लैब्स की प्रीमियम एंट्री, पहले दिन मुनाफे में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। कॉस्मेटिक्स और फार्मा प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी एस्टोनिया लैब्स के शेयरों ने आज बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री की। पूरे दिन के कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद कंपनी के शेयर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 1.81 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 137.45 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये शेयर उछल कर 140 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली के कारण इसमें गिरावट भी दर्ज की गई। बाजार में दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद कंपनी के शेयर 1.48 प्रतिशत मुनाफे के साथ 137 रुपये के स्तर पर बंद हुए। एस्टोनिया लैब्स का 37.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.79 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 0.70 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.90 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

मॉयल ने मई में 18 फीसदी सालाना वृद्धि के साथ किया रिकॉर्ड उत्पादन

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न मॉयल लिमिटेड ने मई महीने में सर्वाधिक मैंगनीज अयस्क उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 18 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। यह मई के लिए अबतक का सबसे ज्यादा और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। इस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वित्?त वर्ष 2025-26 के लिए आशाजनक वातावरण बनाते हुए मॉयल ने मई में अबतक का सबसे उच्चतम प्रदर्शन के साथ साल की शुरुआत की है, जो मजबूत परिचालन परिदृश्य को दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज

अयस्क उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। इसके अलावा अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग 13,352 मीटर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.5 फीसदी अधिक है, जो संसाधन क्षमता के विस्तार में मॉयल के रणनीतिक प्रयास का परिणाम है। मॉयल लिमिटेड के सीएमडी अजित कुमार सक्सेना ने इस उपलब्धि के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा, ÷हमारी खदानें मॉयल की सफलता की रीढ़ हैं। इस प्रदर्शन के साथ हमने दिखाया है कि अनुशासित संचालन और कुशल अभ्यास लगातार बाधाओं को तोड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह मई महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। उल्लेखनीय है कि मॉयल लिमिटेड एक मिनीरत्न सरकारी मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी है जिसका मुख्यालय नागपुर में है। यह कंपनी 50 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत में मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है।

टाटा का हैरियर ईवी भारत में लॉन्च, शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने घरेलू बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन श्रृंखला का विस्तार करते हुए एक और इलेक्ट्रिक कार टाटा हैरियर ईवी को आधिकारिक तौर पर बिक्री के लिए लॉन्च किया है। इसकी कीमत 21.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जिसकी बुकिंग्स 2 जुलाई से शुरू होगी। टाटा की हैरियर ईवी दो बैटरी पैक विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जिसमें एक बड़ा 75 झ्ङ्घद्ध विकल्प भी शामिल है। टाटा मोटर्स ने बैटरी पैक पर लाइफटाइम वारंटी की घोषणा की है। यह मॉडल ऑटो पार्क असिस्ट, छह टेरेन मोड और 55 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाओं सहित विभिन्न सुविधाओं से लैस है। हैरियर ईवी भारत में अब तक की सबसे अच्छी घरेलू एसयूवी है। यह (बिजली चालित वाहन) इलेक्ट्रिक एसयूवी 6.3 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर तक चलाया जा

सकेगा। यह 390bhp की पावर और 504Nm का टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही इसमें 502-लीटर का बूट स्पेस मिलता है। कंपनी को उम्मीद है कि नई इलेक्ट्रिक एसयूवी मुख्यधारा के प्रीमियम एसयूवी खंड के ग्राहकों को आकर्षित करेगी, जिसकी वर्तमान में प्रति माह लगभग 25,000 इकाई की बिक्री होती है। उल्लेखनीय है कि वाहन निर्माता टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी कंपनी के acti.ev+ आर्किटेक्चर पर बनी इलेक्ट्रिक एसयूवी है। ये नया मॉडल टाटा की छठी इलेक्ट्रिक पेशकश है, इससे पहले टियागो ईवी, टिगोर ईवी, पंच ईवी, नेक्सॉन ईवी और कर्व ईवी लॉन्च हो चुके हैं।

पीएनबी ने शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 0.20 फीसदी की कटौती की

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 20 आधार अंकों (बीपीएस) यानी 0.20 फीसदी की कटौती की है। इस संशोधन के साथ शिक्षा ऋण संस्थानों के आधार पर 7.5 फीसदी से शुरू होगा। पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह पहल शिक्षा की सुलभता बढ़ाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

विद्यालक्ष्मी योजना विद्यार्थियों को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के वास्ते व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। विद्यालक्ष्मी योजना को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पीएम-विद्यालक्ष्मी के नाम से भी जानी जाने वाली यह योजना एक विशेष शिक्षा ऋण उत्पाद है जो बिना किसी जमानत और बिना किसी गारंटर के है। यह शिक्षा ऋण उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जो अपनी योग्यता के आधार पर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेते हैं।

स्टॉक मार्केट में प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स की प्रीमियम एंट्री, आईपीओ निवेशकों को पहले दिन 20.24 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी
नई दिल्ली। वोल्टेज स्टेबलाइजर, यूपीएस सिस्टम और इनवर्टर सिस्टम बनाने वाली कंपनी प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 125 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 120 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये शेयर उछल कर 130 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफावसूली के कारण इसमें गिरावट भी दर्ज की गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में निचले स्तर पर हुई खरीदारी के कारण ये शेयर रिकवर करके 126.25 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 20.24 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स का 168 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 96.68 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 102.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 222.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 39.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1.60 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 10.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 19.35 करोड़ रुपये और 2023-24 में 22.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 22 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउमंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 259.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 22.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 270.27 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

कभी सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं

सोनाक्षी सिन्हा

अब हैं इतने करोड़ की मालकिन

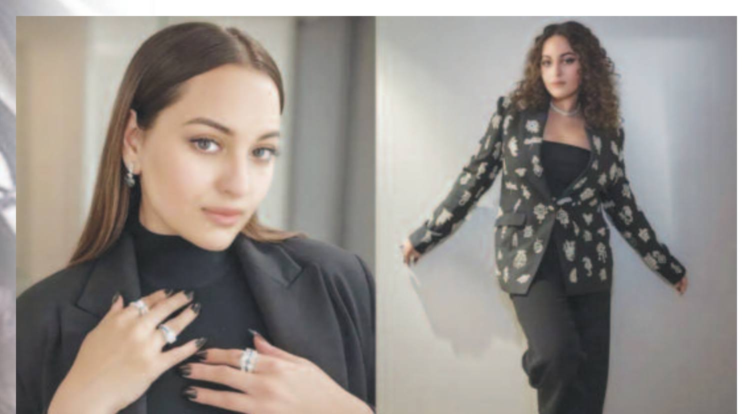

हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का जन्म शत्रुघ्न सिन्हा के घर 2 जून 1987 को हुआ था. अपना 38वां जन्मदिन मना रहीं सोनाक्षी सिन्हा ने पिता की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस अपनी शुरुआत साल 2010 की फिल्म 'दबंग' से की थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और सोनाक्षी को खास पहचान मिल गई. सोनाक्षी ने शुरुआत में फिल्म इंडस्ट्री में जबरदस्त सफलता हासिल की, लेकिन बाद में उनका करियर ढलान पर चला गया.

सोनाक्षी सिन्हा ने 'दबंग' में सलमान खान के साथ काम किया था. इसके बाद उन्होंने 'राउडी राठौर' और 'हॉलिडे' जैसी हिट फिल्मों में अक्षय कुमार के साथ काम किया. जबकि अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार' में नजर आईं. हालांकि इसके बावजूद वो बड़ी एक्ट्रेस नहीं बन सकीं. अब उन्होंने फिल्मों में काम करना भी कम कर दिया है. हालांकि फ्लॉप होने के बावजूद सोनाक्षी के पास करोड़ों की दौलत है. लेकिन कभी वो दिन के सिर्फ 500 रुपये कमाती थीं.

500 रुपये कमाती थीं सोनाक्षी

बिहार की राजधानी पटना में पैदा हुईं सोनाक्षी को शुरू से ही घर में फिल्मी माहौल मिला. उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा अपने दौर के दिग्गज एक्टर रहे, हालांकि इसके बावजूद उनकी बेटी को कॉलेज में बतौर वॉलंटियर काम करना पड़ा था.कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एक्ट्रेस ने एक फैशन वीक में वॉलंटियर के रूप में काम किया था. इसके लिए उन्हें हर दिन 500 रुपये मिला करते थे. उन्होंने 6 दिनों तक काम किया था. बदले में उन्हें 3 हजार रुपये का चेक मिला था. उस चेक को सोनाक्षी ने अपने माता-पिता को सौंप दिया था जो कि आज तक उनकी मां ने फ्रेम करवा कर घर में रखा है.

जब सलमान ने कटरीना को मान लिया था बीवी! अक्षय कुमार के सामने कही थी दिल की बात

सलमान खान और कटरीना कैफ ने साथ में कई फिल्में की हैं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बड़े पर्दे पर खूब पसंद किया है. रील लाइफ के अलावा ये जोड़ी रियल लाइफ में भी काफी चर्चाओं में रही. क्योंकि, कभी सलमान खान और कटरीना कैफ एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे. दोनों का रिश्ता किसी से छिपा नहीं है. सलमान और कटरीना ने एक दूसरे के साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था, लेकिन बाद में दोनों की राहें अलग हो गईं.साथ काम करने के दौरान सलमान खान और कटरीना कैफ की नजदीकियां लगातार बढ़ती चली गईं. दोनों का इश्क लगातार परवान चढ़ते गया. सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी उनके रिश्ते के बारे में जानते थे. एक बार तो सलमान ने अक्षय कुमार के सामने ही कटरीना के लिए अपने दिल की बात कह दी थी और कटरीना को इनडायरेक्टली बीवी कह दिया था.

'आप दोनों एक घर के हो'

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ एक बार सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. सोशल मीडिया पर इस शो की एक वायरल क्लिप में अक्षय कह रहे हैं, मैं नहीं खेल सकता. आप दोनों मिले हुए हो. एक ही घर के हो. मैं पक्की बात बोलता हूं इसके (कटरीना) हाथ पर सब जवाब लिखे होंगे. इसके बाद अक्षय कटरीना के हाथ देखने लगते हैं.

इनडायरेक्टली कहा बीवी

अक्षय की बात सुनने के बाद सलमान ने कहा था, नहीं ऐसा नहीं होता है. क्या आप अपनी बीवी को हर चीज बताते हो? नहीं ना, मैं भी इनको हर चीज नहीं बताता हूं. फिक्र नहीं कर, इसको कुछ नहीं पता. अगर बताता तो भी मैं तुझे भी बताता. लेकिन, मेरे को भी नहीं पता. यहां सलमान शो में पूछे जाने वाले सवालों के जवाब की बात कर रहे हैं.

बॉक्स ऑफिस पर छाई कटरीना

कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे पर सबसे ज्यादा सलमान खान और अक्षय कुमार के साथ ही पसंद की गई है. अक्षय के साथ उन्होंने 'दे दना दन', 'नमस्ते लंदन', 'तीस मार खान', 'सूर्यवंशी', 'हमको दीवाना कर गए' और 'वेलकम' जैसी फिल्में की. जबकि सलमान के साथ 'भारत', 'पार्टनर', 'युवराज', 'मैंने प्यार क्यों किया', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों में नजर आईं.